page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/15/2025 12:45 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 पशु तस्करी प्रयास विफल, 20 मवेशियों को मुक्त करवाया

5 किसी भी क्रम में खेलने के लिए फ्लेक्सीबल है टीम के खिलाड़ी : तिलक

8 पोषक तत्वों से भरपूर : आंवला

न्यूनतम 11

मौसम जम्मू

अधिकतम 20

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-307 | जम्मू तवी, सोमवार 15 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

उपराज्यपाल सिन्हा ने कश्मीर विश्वविद्यालय की 84वीं विश्वविद्यालय परिषद बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 14 दिसंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को श्रीनगर के लोक भवन में कश्मीर विश्वविद्यालय (केयू) की विश्वविद्यालय परिषद की 84वीं बैठक की अध्यक्षता की। उपराज्यपाल जो विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप समकालीन, अंत:विषय और कौशल-उन्मुख शैक्षणिक कार्यक्रमों को शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय को नवाचार, रोजगार योग्यता और उद्यमशीलता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शैक्षणिक पहल स्थानीय और क्षेत्रीय विकास संबंधी जरूरतों का जवाब दें। वीसी विश्वविद्यालय को उभरती शैक्षणिक और उद्योग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एकीकृत और व्यावसायिक कार्यक्रमों को मजबूत करने की भी सलाह दी। उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई विश्वविद्यालय

परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण शैक्षणिक और प्रशासनिक एजेंडा मदों को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। इनमें विदेशी राष्ट्रीय (अंतर्राष्ट्रीय) छात्रों के प्रवेश के लिए एक संशोधित नीति तंत्र को अपनाना शामिल था पृथ्वी विज्ञान विभाग के नामकरण को भूविज्ञान विभाग में बदलना और एप्लाइड जियोलॉजी, पर्यटन और यात्रा प्रबंधन, डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और गृह विज्ञान में पांच वर्षीय एकीकृत मास्टर कार्यक्रम की शुरूआत। काउंसिल ने सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) के माध्यम से पेश किए जाने वाले एमए इतिहास के लिए प्रोग्राम प्रोजेक्ट रिपोर्ट (पीपीआर) पर भी विचार किया और मंजूरी दे दी। पांच वर्षीय एकीकृत कार्यक्रमों में नामांकित छात्रों के लिए मेरिट और मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति योजनाओं के विस्तार को मंजूरी दी गई। इसके अलावा, परिषद ने डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एफवाईएमपी सहित पांच-वर्षीय एकीकृत कार्यक्रमों को नियंत्रित करने वाले विनियमों को मंजूरी दे दी और पीएचडी को नियंत्रित करने वाले कानूनों को अपनाने के संबंध में डीन समिति की सिफारिशों पर चर्चा की विश्वविद्यालय परिषद ने एनईपी-2020 के तहत डिग्री के नामकरण के संबंध में स्नातक कार्यक्रमों (यूजीपी-2022) को नियंत्रित करने वाले कानूनों में संशोधन और प्रमाणपत्रों, डिप्लोमा और डिग्री के लिए मानकीकृत प्रारूपों को अपनाने से संबंधित प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी। इसके अतिरिक्त, परिषद ने संगीत और ललित कला संस्थान, केयू और जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी, श्रीनगर के बीच एक संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम के रूप में सुलेख में दो साल का डिप्लोमा शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप समकालीन, अंत:विषय और कौशल-उन्मुख शैक्षणिक कार्यक्रमों को शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया

हॉर्नबिल महोत्सव भारत की सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक : मोदी

नयी दिल्ली 14 दिसंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव की सराहना की है और इसे भारत की सांस्कृतिक समृद्धि तथा जनजातीय विरासत की चिरस्थायी जीवंतता का सशक्त प्रतीक बताया है।

श्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा एक अखबार में हॉर्नबिल महोत्सव को लेकर लिखे गये लेख को साझा किया है और इसकी प्रशंसा करते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक समृद्धि तथा जनजातीय विरासत की चिरस्थायी जीवंतता का एक शक्तिशाली प्रतीक बताया है।

उन्होंने कहा कि आज पूर्वोत्तर एक नये, आत्मविश्वासी भारत का चेहरा प्रस्तुत करता है।

नागालैंड की अनूठी सांस्कृतिक पहचान की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह राज्य केवल एक महोत्सव की मेज़बानी नहीं करता, बल्कि स्वयं में एक उत्सव का प्रतीक है, जो त्योहारों की भूमि के गौरवशाली नाम को सही सिद्ध करता है।

श्री सिंधिया ने एक अंग्रेजी अखबार में नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव में पूर्वोत्तर की झलकियां नाम से एक लेख लिखा है, जिसे श्री मोदी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा किया है।

श्री मोदी ने लिखा कि नागालैंड का हॉर्नबिल महोत्सव मानवीय भावना के विविध रंग और प्राचीन तथा आधुनिकता के अद्भुत समन्वय के रूप में चित्रित करता है। उन्होंने कहा, फजब हमारा पूर्वोत्तर प्रकाशमान होगा, तभी समूचा राष्ट्र उन्नति की ऊंचाइयों को छूएगा।

"यह राज्य केवल एक महोत्सव की मेज़बानी नहीं करता, बल्कि स्वयं में एक उत्सव का प्रतीक है, जो त्योहारों की भूमि के गौरवशाली नाम को सही सिद्ध करता है।

उल्लेखनीय है कि नागालैंड की समृद्ध संस्कृति और जीवन शैली को प्रस्तुत करने वाला यह महोत्सव नागालैंड की लड़ाकू जनजातियों का सबसे बड़ा उत्सव है। इसे त्योहारों का त्योहार भी कहा जाता है। इस हर साल एक से 10 दिसंबर यानी दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में मनाया जाता है।

खबर संक्षेप

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई, 9 लोग गिरफ्तार

अवंतीपोरा, 14 दिसंबर । जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा क्षेत्र के पदगमपोरा इलाके में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रविवार को की गई। जानकारी के अनुसार पुलिस स्टेशन अवंतीपोरा की टीम ने थाना प्रभारी के नेतृत्व में और सब-डिविजनल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अवंतीपोरा की निगरानी में मौके पर छापा मारकर आरोपियों को पकड़ा। सभी आरोपी अवैध खनन में संलिप्त पाए गए। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मुजफ्फर अहमद डार, शाहिद अहमद हुरा, गुलजार अहमद डार, नवाज अहमद डार, मोहम्मद अब्दुल्ला डार, शाकिर अहमद डार, गौहर अहमद डार, मंजूर अहमद डार और जान मोहम्मद डार के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में थाना अवंतीपोरा में एफआईआर नंबर 272/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

बिजली वितरण विंग बिजली बिल माफ नहीं कर सकता : केपीडीसीएल

श्रीनगर, 14 दिसंबर। कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधीक्षण अभियंता शब्बीर अहमद खान ने आज स्पष्ट किया कि बिजली वितरण विंग के पास बिजली बिल माफ करने या छूट देने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी बिलिंग एक केंद्रीकृत ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से की जाती है और एकत्र किया गया भुगतान सीधे सरकारी खजाने में जाता है। बिजली बिलों और लोक अदालत में उपभोक्ताओं की हालिया भीड़ पर चिंताओं को संबोधित करते हुए खान ने बताया कि कश्मीर के सभी 67 उपखंडों में बिजली बिलिंग पूरी तरह से डिजिटल और पारदर्शी है। उन्होंने कहा कि केपीडीसीएल 52 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करता है और संपूर्ण उपभोक्ता डेटा एक ऑनलाइन बिलिंग प्रणाली में रखा जाता है जो सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है। वितरण शाखा बिजली की आपूर्ति करती है और आपूर्ति की गई बिजली के लिए सख्ती से बिल जारी करती है।

पहलगाम हमले के बाद भी सोनमर्ग में टूरिज्म लौटा, लोगों के चेहरों पर खुशी

सोनमार्ग, 14 दिसंबर। इस साल पहलगाम के बेसरन इलाके में हुए हमले में दो दर्जन से ज्यादा टूरिस्ट मारे गए थे जिसके बाद सिक्योरिटी फोर्स ने पूरे कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ सख्त ऑपरेशन चलाया था। हालांकि इस घटना के बाद टूरिज्म से जुड़े लोग भी काफी परेशान थे क्योंकि यहां के सभी टूरिस्ट प्लेस और होटल खाली थे।

हालांकि हालात एक बार फिर सुधरे हैं। बाहरी राज्यों से आने वाले टूरिस्ट एक बार फिर कश्मीर के कई टूरिस्ट प्लेस पर घूमने आए हैं। इस दौरान सोनमर्ग में भी टूरिज्म लौट आया है और अब हर जगह टूरिस्ट दिख रहे हैं और टूरिज्म से जुड़े लोगों के चेहरों पर खुशी लौट आई है।

एक टूरिस्ट ने कहा कि कश्मीर सच में जन्नत से कम नहीं है। उन्होंने कहा है कि सच में पहलगाम हमले के बाद काफी डर और दहशत थी। लेकिन कोई बात नहीं हम कश्मीर आते रहेंगे। यहां के लोग मेहमाननवाज़ हैं और यहां की खूबसूरती देखने लायक है।

समृद्धि की राह दिखा रही योगी सरकार की नंदिनी कृषक समृद्धि योजना

गोरखपुर, 14 दिसंबर। योगी सरकार की नंदिनी कृषक समृद्धि योजना गोसंवर्धन के साथ इसके लाभार्थी कृषक-पशुपालक को समृद्धि की राह दिखा रही है। पिपराइच ब्लॉक के बहरामपुर की इंदु सिंह ने इस योजना से जुड़कर सफलता की नई कहानी लिख दी है। पहले से पशुपालन से जुड़ी इंदु, योगी सरकार से 50 फीसदी अनुदान प्राप्त कर साहीवाल नस्ल की 25 गायों की डेयरी संचालित कर रही हैं। यहां रोज 200 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है तो कीमत भी सौ रुपये प्रति लीटर मिल रही है। इंदु जल्द ही दुग्ध प्रसंस्करण का कार्य भी शुरू करने वाली हैं। नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, गोसंरक्षण और गोसंवर्धन सरकार के प्रयासों के तहत नंद बाबा मिशन का ही हिस्सा है। इस योजना में 25 स्वदेशी उन्नत नस्ल (गिर, साहीवाल, थारपारकर, गंगातीरी) के गोवंश क्रय कर डेयरी यूनिट लगाने पर सरकार

परियोजना लागत का 50 प्रतिशत अनुदान देती है। इस योजना से जुड़कर पिपराइच ब्लॉक के बहरामपुर की प्रगतिशील पशुपालक इंदु सिंह ने गोसंवर्धन के साथ आय वृद्धि की नजीर पेश की है। ई लॉटरी से वित्तीय वर्ष 2023-24 में नंदिनी कृषक समृद्धि योजना की लाभार्थी बनीं इंदु ने 25 साहीवाल गोवंश क्रय कर डेयरी खोली। इस परियोजना पर 62.55 लाख रुपये की लागत आई। उन्हें योजना व्यय पर सरकार 50 प्रतिशत सब्सिडी (31.25 लाख रुपये) दे रही है। इसमें आधी धनराशि उन्हें मिल गई है और शेष भी जल्द मिल जाएगी। सरकार के सहयोग से लागत आधी रह गई। साहीवाल नस्ल की गायों की इस डेयरी में प्रतिदिन करीब 200 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। उन्नत साहीवाल नस्ल की गाय का दूध होने से यह 100 रुपये लीटर की दर से बिक जाता है। इंदु सिंह बताती हैं कि आय तो अच्छी हो ही रही है, उन्हें इस बात की भी खुशी है कि डेयरी से चार लोगों को रोजगार भी मिल गया है, गोसेवा का सुख बोनस जैसा है। गोरखपुर के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र पांडेय बताते हैं कि नंदिनी कृषक समृद्धि योजना से स्थापित डेयरी में कृत्रिम गर्भाधान सेक्स सॉर्टेड सीमेन से किया जाता है।

सेना ने कश्मीर के ऊंचे इलाकों में पेट्रोलिंग तेज की

श्रीनगर, 14 दिसंबर। इंडियन आर्मी ने कश्मीर के ऊंचे इलाकों में पेट्रोलिंग तेज कर दी है ताकि घुसपैठ रोकी जा सके और लाइन ऑफ कंट्रोल के पास सेंसिटिव इलाकों पर लगातार चौकसी बनाए रखी जा सके भले ही भारी बर्फबारी न हुई हो।

अधिकारियों ने बताया कि आर्मी ने ऊंची पहाड़ियों घने जंगलों और पहाड़ी दर्रों पर अपनी मौजूदगी मजबूत कर ली है ये ऐसे इलाके हैं जहां बर्फबारी के बाद आमतौर पर पहुंचना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा इस मौसम में बर्फबारी की कमी का फायदा आतंकवादी इन इलाकों में घुसपैठ करने की कोशिश में उठा सकते हैं।

अधिकारियों के मुताबिक यह आर्मी के सर्दियों के सिक्योरिटी प्लान का हिस्सा है। ठंड के मौसम में कोहरा धुंध और आम लोगों की कम आवाजाही आतंकवादी गतिविधियों के लिए अच्छे हालात बना सकती है।

उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में बर्फबारी का अनुमान लगाया है इसलिए सेना खास रास्तों और घुसपैठ के पुराने रास्तों पर नज़र रख रही है ताकि कोई भी आतंकवादी ग्रुप ठिकाने न बना पाए।

उन्होंने कहा घने जंगलों और लाइन ऑफ कंट्रोल के आस-पास के इलाकों में पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। बर्फ से बचाव के सामान और मॉडर्न सर्विलांस टूल्स से लैस सैनिक चौबीसों घंटे पेट्रोलिंग कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर समाधान ने 2025 में 1.02 लाख शिकायतें दर्ज कीं, निपटान दर 86.27 प्रतिशत रहा

जम्मू, 14 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर सरकार के सार्वजनिक शिकायत निवारण मंच, जेके समाधान को 2025 में 1.02 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से 88,091 मामलों का समाधान किया गया यानी कुल निपटान दर 86.27 प्रतिशत रही।

अधिकारियों ने कहा कि तुलनात्मक रूप से महीने-वार प्रवृत्ति विश्लेषण से नागरिकों की लगातार भागीदारी देखी गई। फरवरी में शिकायत प्रवाह 7,087 मामलों पर पहुंच गया और बाद के महीनों में यह स्तर कायम रहा। उन्होंने कहा कि यह जानकारी यहां जेके समाधान सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणाली के कामकाज की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव अटल डुल्लू की अध्यक्षता में हुई बैठक में साझा की गई। बैठक में विभागों, जिलों और उनके संबद्ध कार्यालयों में शिकायत निपटान प्रदर्शन का व्यापक मूल्यांकन किया गया। लोक शिकायत विभाग (डीओपीजी) ने बैठक में बताया कि मंच को 11 दिसंबर तक 1,02,110 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें से 88,091 का निवारण कर दिया गया है जो 86.27 प्रतिशत की समग्र निपटान दर को दर्शाता है।

प्रदूषण पर पीसीबी का कड़ा प्रहार 2 बड़ी इकाइयों को बंद करने का आदेश

कठुआ, 14 दिसंबर । कठुआ में जिला मुख्यालय से सटे औद्योगिक क्षेत्र में 2 औद्योगिक इकाईयों को प्रदूषण फैलाने पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं। जिन 2 इकाईयों को बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं उनमें कोहिनूर टायर और ईस्टमैन रिक्लेमेशन शामिल हैं। इन इकाईयों पर स्थानीय सामाजिक संस्था एसएसएफ के सदस्य लगातार प्रदूषण फैलने के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग करते आ रहे थे। जिसमें इनका कैमिकल युक्त पानी शहर के बीचोंबीच बहने वाले नाले में मिल रहा था जिससे बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है और हवा प्रदूषण भी जहर घोल रहा है। इससे स्थानीय शहरवासियों को इन इकाईयों से फैल रहे प्रदूषण से समस्या पैदा हो रही थी। लोगों की शिकायत पर बोर्ड ने इकाईयों के मालिकों को प्रदूषण नियंत्रण के लिए कारगर उपाय करने के निर्देश भी दिए थे लेकिन मालिकों ने लगातार अनदेखी की और प्रदूषण नियंत्रण करने के लिए कारगर उपाय नहीं किए जिसके चलते बोर्ड ने कड़ा संज्ञान लेते हुए दोनों इकाईयों को बंद करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रदूषण के इस मुद्दे को लगातार उठाने वाली संस्था एसएसएफ के हरमीत सिंह ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इकाईयों पर गत 24 नवंबर को अपनी कार्रवाई में जिला के बिजली और जल शक्ति विभाग को तुरंत प्रभाव से कनैक्शन काटने के निर्देश जारी किए हैं हालांकि अभी तक दोनों विभागों ने आदेश के बाद भी कार्रवाई नहीं की है, जिसके चलते दोनों इकाईयां अभी भी चल रही हैं इसलिए अब दोनों विभाग जल्द कार्रवाई करें

ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी; मैदानी इलाकों में बादल छाए रहने से रात के तापमान में सुधार हुआ

श्रीनगर, 14 दिसंबर(। जम्मू-कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी के साथ-साथ मैदानी इलाकों में बादल छाए रहने से शनिवार रात के तापमान में मामूली सुधार हुआ, हालांकि कुछ हिस्सों में ठंड की स्थिति जारी रही।

ज़ोजिला दर्रा, मीनामार्ग, बालटाल और तुलैल घाटी सहित जम्मू और कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई जिससे मौजूदा शीत लहर की स्थिति से अस्थायी राहत मिली।

स्वतंत्र मौसम चैनल कश्मीर वेदर द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार बर्फ जमा होने की सीमा 1 सेंटीमीटर से लेकर लगभग 3 इंच तक थी। ऊपरी इलाकों में ताजा बर्फबारी के बाद कई इलाकों में न्यूनतम तापमान में मामूली सुधार हुआ है जबकि मैदानी इलाके बादलों से ढके रहे कश्मीर क्षेत्र में श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस, काजीगुंड में 0.8 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में 2.4 डिग्री सेल्सियस, कुपवाड़ा में 1.2 डिग्री सेल्सियस, कोकरनाग में 0.8 डिग्री सेल्सियस, गुलमर्ग में 1.4 डिग्री सेल्सियस और पंपोर में 1.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। श्रीनगर हवाई अड्डे पर 0.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अवंतीपोरा में -0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जम्मू श्रीनगर के बीच एक लेन यातायात के कारण एनएच-44 पर यातायात धीमा रहा

श्रीनगर, 14 दिसंबर । ट्रैफिक पुलिस मुख्यालय जम्मू श्रीनगर के लिए यातायात योजना एवं सलाह एनएच-44 शाम 4 बजे से 14-12-2025 शाम 4 बजे तक बालिनाला देवाल नाशरी-दलवास और मारोग तथा किश्तवारी पथेर के बीच एक लेन यातायात के कारण एनएच-44 पर यातायात धीमा रहा। इसके अतिरिक्त एनएच-44 पर दो भारी वाहन खराब हो गए थे। यात्रियों, हल्के वाहन चालकों को सलाह दी जाती है कि वे दिन के समय जम्मू-श्रीनगर एनएचडब्ल्यू पर यात्रा करें। रात के समय यात्रा करने से बचें क्योंकि नाशरी सुरंग और नवयुग सुरंग के बीच भारी मालवाहक वाहनों की आवाजाही और कश्मीर घाटी से जम्मू की ओर खानाबदोशों के पलायन के कारण यात्रियों को असुविधा हो सकती है। यात्रियों को लेन अनुशासन का पालन करने की सलाह दी जाती है। ओवरटेकिंग और गलत लेन में गाड़ी चलाने से जाम लग सकता है। मौसम ठीक रहने और सड़क की स्थिति बेहतर होने पर जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-44

पर दोनों ओर से जम्मू से श्रीनगर और श्रीनगर से जम्मू की ओर भारी मालवाहक वाहनों को चलने की अनुमति होगी। जम्मू श्रीनगर की सुरक्षा इकाई टीसीयू सड़क की स्थिति के संबंध में रामबन की सुरक्षा इकाई टीसीयू से समन्वय करेगी। सुरक्षा बल काफिले की आवाजाह मौसम ठीक रहने और सड़क की स्थिति अच्छी होने पर सुरक्षा बलों के वाहनों को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-44 पर दोनों ओर से जम्मू से श्रीनगर और श्रीनगर से जम्मू की ओर चलने की अनुमति होगी।

माथेरान हिल स्टेशन में सबकुछ मिलेगा, देख लिया तो चकित रह जाएंगे

हिल स्टेशन को मनोरम पहाड़ी इलाका कहते हैं। भारत में पहाड़ियों की विशालतम, लंबी, सुंदर और अद्भुत श्रृंखलाएं हैं। एक और जहां विध्यांचल, सतपुड़ा की पहाड़ियां है, तो दूसरी ओर आरावली की पहाड़ियां। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत में एक से एक शानदार पहाड़ हैं, पहाड़ों की श्रृंखलाएं हैं और सुंदर एवं मनोरम घाटियां हैं। यहां पर घूमना बहुत ही यादगार और शानदार होता है। आओ इस बार जानते हैं भारत के टॉप हिल स्टेशनों में से एक माथेरान हिल स्टेश के बारे में रोचक जानकारी।

माथेरान हिल स्टेशन :

1. यह हिल स्टेशन महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में स्थित है।
2. इसे देश के सबसे छोटे हिल स्टेशन परंतु खूबसूरत हिल स्टेशन का दर्जा प्राप्त है।
3. यहां देखने के लिए कई व्यू प्वाइंट, झीलें और पार्क हैं जिनमें मंकी प्वाइंट, लिटिल चॉक, चॉक पॉइण्ट, इको प्वाइंट, मनोरमा प्वाइंट, सनराइज और सनसेट प्वाइंट प्रमुख हैं।
4. यहां झरने और बादलों को देखने का मजा ही कुछ और है। बादलों से घिरे पहाड़ और पहाड़ों से गिरते झरनों को देखकर आप चकित रह जाएंगे। इन अद्भुत नजारों का आनंद अपने आप में ही बहुत रोमांच भरा है।
5. यहां जितने ऊंचे पड़ा हमें चकित करते हैं उतनी ही नीची घाटियों को देखने से हमारा मन प्रसन्न हो जाता है। पेड़ों के घने आवरण से बीच में पहाड़ी के नीचे की घाटियां, तीव्र ढलानों, पठारों और मैदानों के कई विहंगम दृश्य हमें मोहित करते हैं।
6. माथेरान में चारों ओर छायादार घने पेड़ और हरियाली से लदी समतल पहाड़ियां भी हैं जहां सब तरफ लहरदार पैदल रास्ते मौजूद हैं। यहां पैदल घुमने का भी मजा ही कुछ और है।
7. माथेरान में मोटर वाहन के प्रवेश पर पूरी तरह पाबंदी है। वैसे यहां सवारी के लिए घोड़े, खच्चर, टट्टू, हाथ से खींचने वाले रिक्शे और पालकी उपलब्ध रहते हैं लेकिन आप चाहें तो पैदल घूम कर भी पूरे हिल स्टेशन का मजा ले सकते हैं।
8. माथेरान में एक खुबसूरत झील भी है। कच्ची-पक्की पगडंडियों के जरिए नीचे घाटी की तरफ जाने पर उस झील तक भी पहुंचा जा सकता है जहां से पूरे माथेरान में पानी की सप्लाई होती है।
9. यदि आप मुंबई से माथेरान जाने चाहते हैं तो मुंबई के करीब नेरूल जंक्शन से दो फुट चौड़ी नैरो गेज लाईन पर चलने वाली टॉय-ट्रेन सबसे बेहतर विकल्प हैं जो लगभग 22 किमी का सफर तय करके पर्यटकों को माथेरान बाजार के बीच स्थित रेलवे स्टेशन तक पहुंचाती है। हालांकि यह ट्रेन आराम से ही चलती है लेकिन जितनी भी देर का सफर हो उसका आदंन ही कुछ और है क्योंकि यात्रा में इतने तीखे और घुमावदार मोड़ हैं कि कई बार पुरी ट्रेन या अगला पिछला कोच एकदम पुरा दिखाई देता है। साथ ही रास्ते के प्राकृतिक नजारे भी बहुत रोमांचित करते हैं।
10. बारिश के महीनों को छोड़कर यहां कभी भी जाया जा सकता है। बारिश के मौसम में घने बादल होते हैं जिसके चलते दूर-दूर तक नजारे कम देखने को मिलते हैं साथ ही यहां कच्ची सड़क होने से फिसलने का खतरा भी बढ़ जाता है।
11. यहां रहने और खाने की कोई परेशानी नहीं है परंतु आप खाने और पीने की व्यवस्था खुद करके ले जाएंगे तो पैदल घुमते वक्त परेशानी नहीं होगी।

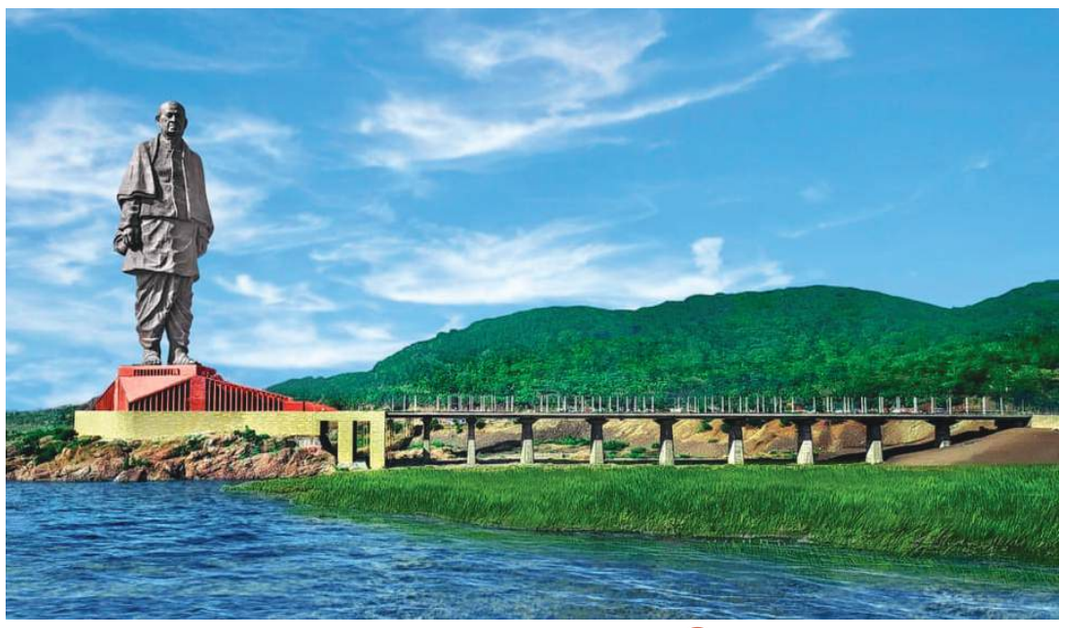

15 दिसंबर - सरदार वल्लभ भाई पटेल पुण्यतिथि पर जानिए कहाँ है उनकी विशाल प्रतिमा

स्टेचू ऑफ यूनिटी देश के पहले गृहमंत्री रहे सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा है। यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है तथा शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा इसे 8 अजूबों की लिस्ट में शामिल किया है।

इस प्रतिमा की विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मात्र इसके चेहरे की ऊंचाई ही 7 मंजिली इमारत के बराबर है। इतना ही नहीं लौह पुरुष की प्रतिमा के 6 फीट के इंसान के कद से बड़े होंठ, आंखें और जैकेट के बटन हैं। इसके हाथ 70 फुट लंबे हैं, जबकि पैर के निचले हिस्से की ऊंचाई 85 फुट है। इस मूर्ति की ऊंचाई न्यूयॉर्क स्थित 'स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी' से भी करीब दोगुनी है।

गुजरात में केवड़िया कॉलोनी में नर्मदा नदी पर स्थित सरदार सरोवर बांध से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है। इस विशाल प्रतिमा को बनाने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2010 में की थी, जब वे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यरत थे। और अक्टूबर 2013 में तब मुख्यमंत्री रहे मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी, इसे बनाने का काम एलएंडटी कंपनी को अक्टूबर 2014 को दिया गया था तथा इसके निर्माण की शुरुआत अप्रैल 2015 में हुई थी।

इस विशाल मूर्ति को बनाने में 90 हजार टन सीमेंट और लगभग 24,000 टन स्टील, 25,000 टन लोहा तथा 1,700 टन तांबा और इतना ही कांसा उपयोग किया गया है। इस प्रतिमा के आधार पर एक म्यूजियम और इसके अंदर 153 मीटर की ऊंचाई पर जहां इसका हृदयस्थल है, उसमें पहाड़ी क्षेत्र, नर्मदा नदी और निकटवर्ती सरदार सरोवर डैम का नजारा देखने के लिए एक दर्शक क्षेत्र भी बनाया गया है।

इतना ही नहीं इस विशालकाय प्रतिमा में 2 लिफ्ट भी लगी हुई हैं। इस मूर्ति को 7 किमी दूर से देखा जा सकता है। इस प्रतिमा में महत्वपूर्ण बात यह है इसकी ऊंचाई कि गुजरात की असेंबली सीट 182 के बराबर ही रखी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर, 2018 को इस प्रतिमा का अनावरण करके इसे राष्ट्र को समर्पित किया है। सरदार वल?लभ भाई पटेल की इस प्रतिमा का कार्य मात्र 4 वर्षों में पूरा किया गया है तथा इसे बनाने की लागत 2,989 करोड़ रुपए आई है। सबसे कम समय में बनने वाली यह दुनिया की पहली प्रतिमा है।

बता दें कि इसे एक टूरिस्ट स्पॉट के रूप में घोषित किया जा चुका है। तथा यहां इस मूर्ति के अलावा एक ट्राइबल म्यूजियम, एक गार्डन और बोटिंग फैसिलिटीज की सुविधा भी है। तथा यहां पहुंचने के लिए पैदल रास्ता, फोर लेन हाईवे की सुविधा और इसके पास में ही 52 कमरों का भारत भवन 3 स्टार होटल है। यहां से लोग सरदार सरोवर बांध के अलावा नर्मदा के 17 किमी लंबे तट पर फैली फूलों की घाटी का नजारा देख सकेंगे।

इस प्रतिमा के अनावरण के साथ ही यह चीन के स्प्रिंगफील्ड बुद्धा की 153 मीटर ऊंची मूर्ति प्रतिमा को पीछे छोड़ते हुए आधिकारिक तौर पर दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति बन गई। यह भी माना जाता है कि अमेरिका के 133 साल पुराने 'स्टेचू ऑफ लिबर्टी' को देखने आने वाले पर्यटकों से ज्यादा अब 'स्टेचू ऑफ यूनिटी' को देखने आने वाले पर्यटकों की संख्या हो गई है। शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा स्टेचू ऑफ यूनिटी को 8 अजूबों की लिस्ट में शामिल करना, निश्चित रूप से एक प्रेरणा के रूप में काम करेगा।

विंटर्स में स्कीइंग का लेना है आनंद तो इन हिल स्टेशनों पर जरूर जाएं

सर्दी के मौसम में बर्फबारी देखने का अपना अलग ही मजा है। आपको भी अगर बर्फबारी देखना और बर्फ में खेलना पसंद है तो आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां आपको चारों तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आएगी। बर्फ से ढकी पहाड़ियां और पेड़-पौधे आपका मन मोह लेंगे। यहां आप स्नोमैन बनाना और स्केटिंग जैसी एक्टिविटीज़ भी कर सकते हैं।

औली: औली बेहद शांत और खूबसूरत हिल स्टेशन है यहां आप स्कीइंग का आनंद ले सकते हैं। यह सबसे फेमस स्कीइंग प्लेस है। यहां नंदा देवी, नर पर्वत, माना पर्वत, घोरी पर्वत, नीलकंठ, बीथरटोली और दुनागिरी जैसी बर्फ से ढकी पहाड़ियां आपको एक अलग ही दुनिया में ले जाती हैं। आप अपने साथ किसी अच्छे पेशेवर स्कीयर को ले जा सकते है। आप नवम्बर से मार्च तक औली जा सकते हैं।

तवांग: तवांग में आपको पर्यटकों की कम भीड़ देखने को मिलेगी। यहां आपको चारो और बर्फ की वादियां दिखाई देंगी। तवांग बेहद खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, हरे-भरे जंगलों और खूबसूरत झीलों के लिए भी जाना तवांग में स्कीइंग का मजा लेने के लिए सबसे अच्छी जगह पंगा टेंग त्सो झील या पीटी झील है। तवांग जाने का सबसे अच्छा समय दिसंबर से फरवरी है।

मनाली: एक बहुत ही खूबसूरत हिल स्टेशन है यह हिमांचल प्रदेश में है यहां आपको टूरिस्ट की भीड़ मिलेगी। इसलिए होटल की बुकिंग पहले से ही करा लें। मनाली में आमतौर पर नवम्बर के शुरुआत में ही बर्फबारी होने लगती हैं यहां आप ट्रेकिंग, स्कीइंग और कई तरह की एक्टिविटीज इंजॉय कर सकते है।

शिमला: शिमला आप दिसम्बर से जनवरी तक जा सकते हैंक्योकि इस समय यहां अच्छी बर्फबारी देखने को मिलेगी। यहां आस-पास कुफरी, मनाली, डलहौजी जैसी जगहें हैं जहां आप जा सकते है।

मुनस्यारी: मुनस्यारी अपनी बर्फ़बारी के लिए प्रसिद्ध है फेमस स्कीइंग प्लेस है यह जौहर घाटी केपास है। मुनस्यारी नाम का शाब्दिक अर्थ है 'बर्फ से ढकी जगह'। मुनस्यारी को एक ऐसी जलवायु और इसके प्राकृतिक नज़ारे इसको पर्वतारोहियों, का पसंदीदा स्थान है यहां के ग्लेशियर के प्रति उत्साही और उच्च ऊंचाई वाले ट्रेकर्स के लिए एक अड्डा है। बर्फ से ढकी ढलानें आपके स्कीइंग कौशल को परखने का एक शानदार अवसर प्रदान करती हैं।

गुलमर्ग: गुलमर्ग में आपको चारो तरफ बर्फ नजर आएगी यह देश का सबसे पॉपुलर स्कीइंग प्लेस है। गुलमर्ग सर्दियों में बर्फ से लदी वादियां है और कागज से सफेद बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच खेल का आनंद लेने के लिए बेस्ट प्लेस है। आप गुलमर्ग में दो जगहों से स्कीइंग शुरू कर सकते हैं कोंगडोरी और अपर्वहाट पीक। आप या तो कोंगडोरी की 450 मीटर की ढलान पर स्कीइंग कर सकते

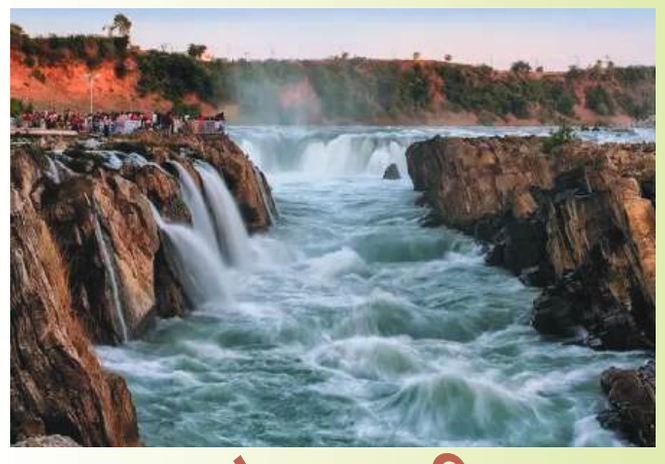

मध्यप्रदेश की 10 रोमांटिक जगह हनीमून के लिए हैं परफेक्ट डेस्टिनेशन

मध्यप्रदेश एक बहुत ही खूबसूरत प्रदेश है। यहां पर प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही ऐतिहासिक धरोहरों को भी देखा जा सकता है। इसी के साथ यहां पर क्षिप्रा, नर्मदा के तट पर बस कई पौराणिक और प्राचीन तीर्थ स्थल भी मौजूद हैं। यदि आप हनीमून के लिए जाना चाहते हैं तो मध्य प्रदेश के इन 10 परफेक्ट डेस्टिनेशन पर जा सकते हैं।

1. **पचमढ़ी:** होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है। ऊंचे ऊंचे पहाड़, झील, झरने, गुफाएं, जंगल सभी कुछ हैं यहां पर। राजधानी भोपाल से यहां पहुंचना और रहना बहुत ही आसान और सस्ता है। पचमढ़ी के पास ही अमरकंटक वह स्थान है जहां से नर्मदा नदी का उद्गम हुआ है। हालांकि मानसून में घूमने यहां पर जा रहे हैं तो अपनी रिस्क पर ही जाएं क्योंकि यहां पर पहाड़ी पर ले जानी वाली जीप बंद हो जाती है। आप कुछ स्थानों की यात्रा बाइक से और कुछ की पैदल कर सकते हैं। पंचमढ़ी जा रहे हैं तो पास में ही अमरकंटक जरूर जाएं।
2. **मांडू :** यदि आप ऐतिहासिक स्थलों पर प्री-वेडिंग फोटोशूट करना चाहते हैं तो इंदौर के पास धार के आगे मांडव जाएं। यहां पर राजा महाराजों के महल, बावड़ी, तालाब आदि जगहों पर फोटो शूट कर सकते हैं। यहां पर प्राकृतिक सुंदरता भी भरपूर है। यह स्थान इंदौर से करीब 98 किलोमीटर दूर है।
3. **इंदौर:** इंदौर देश की सबसे स्वच्छ सिटी है। यहां पर लाल बाग पैलेस, राजबाड़ा, रालामंडल, तिंछाफाल, सिरपुर तालाब, बिलावली तालाब आदि जगहों पर फोटो शूट कर सकते हैं। इंदौर के आसपास गंगा महादेव मंदिर, पातालपानी, गुलावत, जामगेट, जानापावा, देवास टेकरी, चोरल नदी डेम, पूनासा डेम आदि जगहों पर जा सकते हैं।
4. **खजुराहो :** मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित विश्वप्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो अपने मंदिरों के लिए प्रसिद्ध। खजुराहो शिल्प के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय नृत्य समारोह के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। इन विश्व प्रसिद्ध मंदिरों का निर्माण चंदेल राजाओं ने सन् 950-1050 के बीच करवाया था। पहले इसका नाम 'खर्जुरवाहक' था। 1986 में यूनेस्को द्वारा इन मंदिरों को 'विश्व धरोहर स्थल' घोषित कर रखा है।
5. **भेड़ाघाट:** जबलपुर के पास भेड़ाघाट बहुत ही शानदार जगह है। दो सफेद पहाड़ों के बीच नर्मदा नदी बहती है। नर्मदा में नौका-विहार करने का रोमांच ही कुछ और है। यहां की खासियत है वॉटर फाल अर्थात जल प्रपात। बहुत ऊंचाई से गिरते धुंआ धुंआ से झरने को देखना आनंददायक होता है।
6. **भोपाल :** भोपाल में बहुत बड़ी झील है जिसे देखने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं। बारिश में यह शहर बहुत ही खूबसूरत नजर आता है। इस शहर के पास ही भीम बैठका, अभयारण्य और भोजपुर को देखना न भूलें। यह जहगें बारिश के मौसम में और भी ज्यादा खूबसूरत हो जाती है।
7. **देवास :** यदि आप छोटे शहरों में रोमांटिक लम्हों का आनंद लेना चाहते हैं तो इंदौर के पास देवास बहुत ही सुंदर शहर है जहां पर माताजी की टेकरी के अलावा कई प्राकृतिक स्थलों को देखा जा सकता है। देवास के आसपास कई घने जंगल और पहाड़ियां हैं। आप इस जिले में नर्मदा तट पर बसे नेमावर भी जा सकते हैं।
8. **ओरछा:** अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल और रामराजा की नगरी ओरछा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में भारत से ही नहीं, बल्कि विदेशी सैलानी भी पहुंचते हैं। यहां पर ओरछा के राजाओं द्वारा बनाए गए भव्य मंदिर और स्मारकों को देखना अद्भुत है। बेतवा नदी के तट पर बसे ऐतिहासिक शहर ओरछा की स्थापना 16 वीं शताब्दी में बुंदेला राजपूत प्रमुख रुद्र प्रताप ने की थी।
9. **बांधवगढ़ :** यह स्थल मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में स्थित है। यहां जंगल में घूमने का आनंद ही कुछ ओर है क्योंकि यहां बंगाल के टाइगर, सफेद बाघ, लंगूर, हिरण, हाथी, प्राइमेट और अनेक प्रकार के लुप्तप्राय पक्षियों के नजारे आपको देखने को मिलेंगे। यहां हनीमून कपल्स के लिए पार्क के अंदर रुकने के स्थान भी हैं।
10. **अमरकंटक:** भारत के पर्यटन स्थलों में अमरकंटक प्रसिद्ध तीर्थ और नयनाभिराम पर्यटन स्थल है। विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के बीच 1065 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हरा-भरा होने के साथ-साथ काफी लुभावना भी है। भारत की प्रमुख सात नदियों में से अनुपम नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक है और यह मध्यप्रदेश के शहडोल जिले की पुष्पराजगढ़ तहसील के दक्षिण-पूर्वी भाग में स्थित अमरकंटक पवित्र स्थलों में गिना जाता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

डोगरा सदर सभा ने डोगरी मान्यता दिवस बीसी, जेडडीडी युवा प्रेरण आयोजित की तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। डोगरा सदर सभा ने डोगरी मान्यता दिवस बीसी, जेडडीडीयुवा प्रेरण आयोजित की तैयारियों की समीक्षा की

डोगरा सदर सभा (डीएसएस) ने कार्यकारी अध्यक्ष और प्रभारी युवा विंग गंभीर देव सिंह चरक द्वारा आयोजित एक विशेष बैठक की। बैठक की अध्यक्षता डीएसएस अध्यक्ष कर्नल करण सिंह ने की।

बैठक में 20 दिसंबर 2025 को होने वाले डोगरी मान्यता दिवस के जश्न की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर युवा विंग अध्यक्ष द्वारा प्रेरित विभिन्न शिक्षा विषयों के 40 युवा डीएसएस में शामिल हुए। ऊर्जावान युवा, ज्यादातर पारंपरिक डोगरा पोशाक पहने और डोगरा पगड़ी पहने हुए, डोगरा झंडे लेकर और 卐जय दुग्गर卐 के नारे लगाते हुए सभा हॉल में दाखिल हुए।

डीएसएस की कार्यकारी समिति के सदस्यों ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। अतिरिक्त महासचिव एस. अरविंदर सिंह अम्न ने एक प्रेरक स्वागत भाषण दिया और उसके बाद डीएसएस की पृष्ठभूमि और योगदान के बारे में बताया। अध्यक्ष कर्नल करण सिंह ने डीएसएस के 121 वर्षों के लंबे और प्रतिष्ठित इतिहास की पृष्ठभूमि और प्रमुख उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए सभा के लक्ष्यों, उपलब्धियों और उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यकारी अध्यक्ष गंभीर देव सिंह चरक ने एक जीवंत प्रेरक भाषण में नए सदस्यों को डीएसएस द्वारा समय-समय पर की जाने वाली सामाजिक कल्याण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी ढंग से खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया।

कांग्रेस ने बीजेपी से मांगा जवाब, रैटल प्रोजेक्ट खुलासे की उच्चस्तरीय जांच की मांग

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। किश्तवाड़ में प्रतिष्ठित रैटल पनबिजली परियोजना के मामलों और कार्यान्वयन में भाजपा और उसके प्रतिनिधि की कथित भूमिका के बारे में एक प्रमुख मीडिया नेटवर्क द्वारा किए गए खुलासे को बहुत गंभीर बताते हुए जेकेपीसीसी ने सभी पहलुओं की उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच की मांग की है और खुलासा किए गए गंभीर आरोपों और तथ्यों पर भाजपा से जवाब मांगा है।

जेकेपीसीसी के मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा ने वायर द्वारा प्रकाशित एक खबर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के हित की एक प्रतिष्ठित बिजली परियोजना के कार्यान्वयन के मामले में सत्तारूढ़ दल और उसके प्रतिनिधियों के खिलाफ गंभीर आरोपों का खुलासा किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता के सामने पूरी सच्चाई लाने के लिए इस मामले की पूरी तरह से स्वतंत्र जांच की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि कहानी में सामने आए कथित विवरण बेहद चौंकाने वाले हैं और लोगों को भाजपा और उसके प्रतिनिधि की कथित भूमिका की पूरी सच्चाई जानने का अधिकार है जिससे महत्वपूर्ण परियोजना को रोकने की संभावना है।

इस प्रतिष्ठित बिजली परियोजना को तत्कालीन प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने चिनाब क्षेत्र और पूरे जम्मू-कश्मीर के लोगों के बड़े लाभ के लिए मंजूरी दी थी लेकिन हाल के आरोपों और मामलों में खुलासे और सत्तारूढ़ दल द्वारा इस महत्वपूर्ण परियोजना के निष्पादन में बाधाएं और दबाव गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि इससे समय पर परियोजना के निष्पादन को रोकने की संभावना है।

इंटरनेशनल डेली राइजिंग स्कूल ने वार्षिक दिवस गर्व से मनाया

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। इंटरनेशनल डेली राइजिंग स्कूल ने वार्षिक दिवस गर्व से मनाया। कार्यक्रम में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे शिक्षक एक बच्चे के दिमाग, चरित्र और विश्वदृष्टिकोण को आकार देती है - बिल्कुल एक दर्पण की तरह जो जीवन के हर रंग को प्रतिबिंबित करती है। शाम को नर्सरी से ग्रेड पांच तक के छात्रों द्वारा रंगारंग प्रदर्शन, विषयगत कृत्यों, ऊर्जावान नृत्य और विचारशील प्रस्तुतियों के साथ शुरू किया गया जिससे दर्शक प्रेरित और प्रसन्न हुए।

विशिष्ट अतिथि रमेश गुप्ता, हरप्रीत कौर, समनदीप सिंह और बुवनदीप सिंह ने छात्रों द्वारा प्रदर्शित उल्लेखनीय अनुशासन और आत्मविश्वास की सराहना की और शैक्षणिक उत्कृष्टता और मूल्य-आधारित शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए संस्थान की प्रशंसा की।

उन्होंने आत्म-जागरूकता को प्रोत्साहित करने के लिए विषय की सराहना की और प्रतिभा, नेतृत्व और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने वाले अवसर पैदा करने के लिए स्कूल की प्रशंसा की।

उन्होंने स्कूल को इतना सार्थक और सौंदर्यपूर्ण रूप से समृद्ध वार्षिक दिवस प्रस्तुत करने के लिए बधाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई उसके बाद गणेश वंदना, एक भावपूर्ण स्वागत गीत और ऐलिस द्वारा विषय का प्रभावशाली परिचय दिया गया जिसने दर्शकों को प्रतिबिंबों के माध्यम से प्रेरित किया।

जम्मू के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जम्मू के लिए न्याय, समानता और निष्पक्ष व्यवहार अब अप्रतिबंधित है। जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की भाजपा प्रवक्ता रजनी सेठी ने संतोष ट्रॉफी फुटबॉल टीम के लिए कथित अवैध और भेदभावपूर्ण चयन प्रक्रिया की कड़ी निंदा की है और खेल मंत्री सतीश शर्मा के तत्काल इस्तीफे की मांग की है।रजनी सेठी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू और कश्मीर के सभी क्षेत्रों को समान अधिकार, समान अवसर और समान विकास का आश्वासन दिया गया है।

हालांकि केंद्र शासित प्रदेश में नेशनल कॉन्फ्रेंस एनसी सरकार पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण नीतियों के माध्यम से जम्मू के युवाओं की भावनाओं को लगातार ठेस पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि एनसी सरकार की भेदभावपूर्ण मानसिकता नई नहीं है। जम्मू के लोग राष्ट्रीय राष्ट्रीय परिषद के लंबे समय से चले आ रहे पक्षपात से भलीभांति परिचित हैं।

एसएमवीडीयू कटरा में एमबीबीएस सीटों के चयन को लेकर हुए विवाद के दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने खुलेआम कश्मीर के युवाओं का समर्थन किया जबकि जम्मू के युवाओं के ज्ञान और योग्यता पर सवाल उठाए जिससे वे बेहद निराश हुए उन्होंने आगे कहा। निराशा व्यक्त करते हुए रजनी सेठी ने कहा कि जम्मू के लोगों को खेल मंत्री सतीश शर्मा से बहुत उम्मीदें थीं क्योंकि वे जम्मू से ही हैं।

तिरुवनंतपुरम में एनडीए की सफलता केरल की राजनीति में निर्णायक बदलाव का संकेत

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन ऐतिहासिक जीत केरल की राजनीति में एक निर्णायक मोड़ है। राज्य की राजधानी में 45 वर्षों के निरंतर वामपंथी शासन को समाप्त करते हुए यह फैसला सीपीआई के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे एलडीएफ की दशकों पुरानी शासन विफलताओं के प्रति जनता की स्पष्ट अस्वीकृति को दर्शाता है।

यह बात जम्मू कश्मीर के पूर्व विधान परिषद सदस्य और भाजपा जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के प्रवक्ता गिरधारी लाल रैना ने कही। 101 वार्डों में से एनडीए ने 50 वार्ड जीते जो एलडीएफ के 29 यूडीएफ के 19 और दो निर्दलीय उम्मीदवारों से काफी आगे है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस परिणाम ने केरल की लंबे समय से चली आ रही एलडीएफ और यूडीएफ के प्रभुत्व वाली द्विध्रुवीय राजनीतिक संरचना को निर्णायक रूप से तोड़ दिया है

जिससे एनडीए एक विश्वसनीय और उभरते हुए विकल्प के रूप में स्थापित हो गया है खासकर शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में। रैना ने याद दिलाया कि 9 और 11 अक्टूबर को आईओ हुए स्थानीय निकाय चुनावों को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण परीक्षा के रूप में देखा जा रहा था। परिणाम एलडीएफ के समर्थन आधार में भारी गिरावट को उजागर करते हैं। सभी छह नगर निगमों पर नियंत्रण रखने वाली एलडीएफ की स्थिति अब पहले जैसी मजबूत नहीं रही।

जम्मू-कश्मीर से पंजाब रिश्तेदारों से मिलने आई नाबालिग लड़की किडनैप

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। टांडा के बेट इलाके के एक गांव में अपने रिश्तेदारों से मिलने जम्मू-कश्मीर के कटुआ से आई एक नाबालिग लड़की को 5 लोगों ने किडनैप कर लिया। थाना प्रभारी गुरिंदरजीत सिंह नागरा ने बताया कि लड़की के पिता के बयान के आधार पर सैदू पुत्र कासम निवासी विजयपुर जम्मू सदीख पुत्र अब्दुल निवासी जम्मू शरीफ निवासी बनी कटुआ और बशीर निवासी मुल्लांपुर लुधियाना और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ यह केस दर्ज किया है। पुलिस को दिए अपने बयान में लड़की के पिता ने बताया कि उसकी बेटी 9 जून को उसके साले के घर आई थी। 12 दिसम्बर की सुबह 5 बजे जब वह अपनी बेटी के साथ मोटरसाइकिल पर जम्मू लौटने के लिए निकले तो रास्ते में टांडा के पास सुनसान स्टेशन पर बोलैरो गाड़ी में सवार होकर आए आरोपियों ने उन्हें घेर लिया और धक्का देकर फैंक दिया। इसके बाद वे लोग उसकी बेटी को किडनैप करके फरार हो गए। पुलिस की ओर से आरोपियों और लड़की की तलाश की जा रही है।

2047 तक विकसित भारत के निर्माण में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला जम्मू दक्षिण के मीडिया सचिव रोहिन चंदन ने भारत को बदलने और देश को 2047 तक विकसित भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर ले जाने में मीडिया की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित किया है।

मीडिया के योगदान की एक मजबूत पुष्टि में चंदन ने सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देने और सार्वजनिक जागरूकता के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी पर प्रकाश डाला।

एक प्रेस नोट जारी करते हुए चंदन ने कहा कि मीडिया मूकदर्शक बनने से कोसों दूर है। इसके बजाय यह राष्ट्रीय विमर्श को आकार देने जनमत को प्रभावित करने और सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने में एक गतिशील शक्ति के रूप में कार्य करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मीडिया महत्वपूर्ण मुद्दों, सरकारी नीतियों और विकासात्मक पहलों के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करने में प्रमुख भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि यह सक्रिय भागीदारी जनता को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में सूचित भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है।

करेरी के कलंतरा में ट्राउट फिश फार्म ध्वस्त, परिवार का आरोप—नोटिस नहीं मिला

जम्मू,, 14 दिसंबर (हि.स.)। बारामूला जिले की तहसील करेरी के कलंतरा इलाके में राजस्व विभाग द्वारा ट्राउट फिश फार्म गिराए जाने का वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं। वीडियो में प्रभावित परिवार यह आरोप लगाता नजर आ रहा है कि उन्हें किसी प्रकार का पूर्व नोटिस या सूचना नहीं दी गई और अचानक उनकी रोज़ी-रोटी का एकमात्र सहारा ध्वस्त कर दिया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भले ही भूमि सरकारी हो लेकिन कार्रवाई की प्रक्रिया और समानता पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। आरोप है कि जहां बड़े और प्रभावशाली लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं होती वहीं गरीब परिवारों के खिलाफ सख्ती दिखाई जाती है। प्रभावित परिवार की स्थिति को लेकर संवेदनाएं उभर रही हैं और प्रशासन से पारदर्शिता व मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की मांग की जा रही है।

पशु तस्करी प्रयास विफल, 20 मवेशियों को मुक्त करवाया

कठुआ, 14 दिसंबर (हि.स.)। जिले में मवेशी तस्करों पर शिकंजा कसते हुए कठुआ पुलिस ने एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में लखनपुर थाना अधिकार क्षेत्र से 20 मवेशियों को तस्करों के चुंगल से मुक्त करवाया। इसमें शामिल 3 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और एक ट्रक को जब्त किया।

जानकारी के अनुसार लखनपुर पुलिस स्टेशन के एसएचओ तारिक अहमद के नेतृत्व में पुलिस दल ने एनएचडब्ल्यू लखनपुर क्षेत्र में नाकाबंदी/चेकिंग के दौरान पंजाब से जम्मू की ओर आ रहे एक संदिग्ध ट्रक नंबर जेके02डीई-5386 को शक के आधार पर जांच के लिए रोका। जांच के दौरान ट्रक में बेरहमी से 20 मवेशी लादे हुए पाए गए जिन्हें बचाया गया।

वहीं मौके पर ही 3 व्यक्तियों और 1 ट्रक को जब्त किया गया। तस्करों की पहचान खदम हुसैन पुत्र नूर अहमद निवासी थात्री जिला डोडा और उसके साथी मोहम्मद असलम पुत्र मोहम्मद हुसैन निवासी महोर जिला रियासी और जावेद पुत्र जौनीस निवासी सहारनपुर उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन लखनपुर में एफआईआर संख्या 146/2025 धारा 223 बीएनएस, 11 पीसीए के तहत मामला दर्ज किया गया है और इस मामले की आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

'एकाग्रता और सुमिरन से ही आत्म-साक्षात्कार संभव'

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। साहिब बंदगी के सद्गुरु श्री मधुपरमहंस जी महाराज ने आज मिश्रीवाला में अपने प्रवचनों की अमृत वर्षा से संगत को निहाल करते हुए कहा कि जब मनुष्य एकाग्रता के आनन्द को अनुभव करता है तो मन की भवाटी में भटकता नहीं है। साहिब के शब्द बहुत ही सार्थक हैं। वो कह रहे हैं कि नाम के बिना जिस भी चीज का चितंन कर रहे हो, वो काल की फाँस है। हम सब जान चुके हैं कि हमें ध्यान में बैठना है। और ध्यान को एकाग्र करने का साधन सुमिरन है। फिर भी ऐसा क्यों नहीं हो पा रहा है। अगर आत्म साक्षात्कार हो जाता है तो आदमी संसार में लिप्त नहीं होगा। तब यह वहम खत्म हो जाता है कि मैं शरीर हूँ। वो शरीर को अपने वस्त्रों की तरह मानेगा। वो शरीर के सुख और दुख का भागी नहीं बनेगा। उसको सुख दुख नहीं लगेंगे। इंद्रियाँ स्वयं ही काबू हो जायेंगी। मन का जार नहीं चलेगा। काम, क्रोध का बल नहीं चलेगा। जैसे रस्सी को साँप समझ लेते हैं। पर जब पता चल जाता है कि यह रस्सी है तो फिर चाहे खुद भी डरना चाहो तो नहीं हो पायेगा।

इस तरह आत्मा को जानने के बाद- मैं शरीर हूँ, का आभास खत्म हो जाता है। फिर वो मन का अनुकरण नहीं करता है। साहिब जी ने कहा कि एक बालक कोई जिद्द करता है, पर हम उसको वो नहीं देना चाहते हैं। क्योंकि वो चीज उसके लिए हानिकारक है। इसी तरह हम प्रभु से जो चीज चाहते हैं, वो देना नहीं चाहता है। और जो वो देना चाहता है, हम लेना ही नहीं चाहते हैं। आप मत सोचना कि प्रभु आपसे दूर है। आपके अन्दर सब चीजें भरी पड़ी हैं। विवेक, ज्ञान, वैराग्य, संतोष। चाहे कितना भी मूर्ख इंसान हो, जब वो कोई गलत काम करने जाता है तो एक मूक संदेश अन्दर से आता है कि यह मत करो। इस शरीर में ज्ञान के भंडार हैं। इसमें रिद्धियाँ, सिद्धियाँ सब शक्तियाँ भरी पड़ी हैं। पर मनुष्य अज्ञानवश बाहर भटक रहा है। बस मृगा की नाभि की तरह यह मनुष्य प्रभु की तलाश में बाहर भटक रहा है। अध्यात्म बाहर भटकना नहीं है। अध्यात्म यह है कि हमारा मन कैसे काम कर रहा है, हमारी आत्मा कैसे काम कर रही है। हमारे अन्दर विरोधी शक्तियाँ कौन कौन हैं, कैसे कैसे काम कर रही हैं। यह मंथन ही अध्यात्म है। अध्यात्म कोई यात्रा नहीं है। अध्यात्म कोई परिक्रमा नहीं है। इसलिए चाहे पूरा जीवन बाहर भटकते रहोगे, प्रभु नहीं मिलने वाला है, आत्मा का साक्षात्कार नहीं होने वाला है। फिर इंसान बाहर क्यों भटक रहा है। इसका कारण है। दिव्य दृष्टि कहीं नहीं है। आपके ध्यान में है। सुमिरन से आपको ताकत मिलेगी। ध्यान में बैठना। समझ में आता जायेगा। अपने ध्यान को भटकने सो रोकना।

पौष संक्रांति 15 दिसंबर को, दान-पुण्य का रहेगा विशेष महत्व

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। सनातन धर्म में विशेष महत्व रखने वाली पौष संक्रांति इस वर्ष 15 दिसंबर, सोमवार को मनाई जाएगी। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के प्रधान ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री के अनुसार पौष संक्रांति का पुण्यकाल 15 दिसंबर से प्रारंभ होकर 16 दिसंबर को सुबह 10:43 बजे तक रहेगा। पौष माह में सूर्यदेव के धनु राशि में प्रवेश करने के कारण इसे धनु संक्रांति भी कहा जाता है। महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि पौष मास के दौरान विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, यज्ञोपवीत, शिलान्यास जैसे शुभ संस्कार वर्जित माने गए हैं। इस दिन पवित्र नदियों एवं सरोवरों में स्नान तथा दान-पुण्य का विशेष महत्व होता है। ब्राह्मणों को भोजन, मिष्ठान और दक्षिणा सहित यथाशक्ति दान करने तथा स्वयं एक समय भोजन करने का विधान है।

उन्होंने कहा कि संक्रांति के दिन तामसिक वस्तुओं के सेवन से परहेज करना चाहिए। मद्यपान और नशे से दूर रहना आवश्यक है, क्योंकि इसका दुष्प्रभाव शरीर के साथ-साथ भविष्य पर भी पड़ता है। इस अवसर पर सात्विक भोजन ग्रहण किया जाता है तथा भगवान को भी सात्विक भोग अर्पित किया जाता है। संक्रांति के दिन श्री सत्यनारायण भगवान, सूर्यदेव और अपने इष्टदेव की पूजा का विशेष विधान है।

ज्योतिषाचार्य के अनुसार यह संक्रांति मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, धनु और मकर राशि के जातकों के लिए शुभ रहेगी, जबकि अन्य राशियों के लिए समय कुछ चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

दुर्गा बटालियन ने सीमा क्षेत्र के स्कूल में करियर गाइडेंस सत्र किया

जम्मू,14 दिसंबर (हि.स.)। पूंछ जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित पीएम श्री गर्ल्स हाई स्कूल, देगवार-एम में भारतीय सेना की दुर्गा बटालियन द्वारा करियर गाइडेंस एवं जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय सेना में विशेष रूप से कमीशंड ऑफिसर के रूप में शामिल होने के विभिन्न अवसरों की जानकारी देना और राष्ट्र निर्माण व सुरक्षा के प्रति उनकी भूमिका को समझाना था।

यह सत्र कैप्टन आयुष बिष्ट द्वारा लिया गया जिन्होंने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एनडीए, सीडीएस सहित तकनीकी और गैर-तकनीकी अधिकारी प्रविष्टियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पात्रता, तैयारी की रणनीति, शारीरिक फिटनेस और अनुशासन, समर्पण व ईमानदारी के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कैप्टन बिष्ट ने सीमा और एलओसी क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों की राष्ट्रीय सुरक्षा में अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों को देने की अपील की। छात्राओं ने रक्षा करियर, महिलाओं के लिए अवसर और सेना के जीवन से जुड़े सवाल पूछे। जिला नोडल अधिकारी (करियर गाइडेंस) दर्शन कुमार ने भारतीय सेना का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे कार्यक्रमों को युवाओं के भविष्य के लिए मार्गदर्शक बताया।

मेंढर के सीमावर्ती गांवों में ऑपरेशन सद्भावना के तहत भारतीय सेना का मेडिकल व पशु चिकित्सा शिविर

जम्मू,, 14 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय सेना की ऐस ऑफ स्पेड्स डिवीजन के अंतर्गत बलनोई बटालियन ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत मेंढर के दूरदराज़ सीमावर्ती गांवों में एक व्यापक मेडिकल एवं पशु चिकित्सा आउटरीच कैंप का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना था।

शिविर के दौरान 500 से अधिक स्थानीय नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें आवश्यक दवाइयां और चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया।

विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों पर ध्यान दिया गया। पशु चिकित्सा टीम ने 2200 से अधिक पशुओं का उपचार, टीकाकरण और निवारक देखभाल की। इसके अतिरिक्त, दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, बैसाखी और आर्म ब्रेसेस भी वितरित किए गए। यह पहल सीमावर्ती क्षेत्रों में सेना और नागरिकों के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली रैली पर बीजेपी का कांग्रेस पर हमला, पूर्व मंत्री बोले- चुनावी सुधार नहीं, घुसपैठियों को बचाने की कोशिश

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। सीनियर बीजेपी नेता और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बाली भगत ने रविवार को कांग्रेस की दिल्ली रैली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह प्रदर्शन चुनावी सुधारों के लिए नहीं, बल्कि अवैध घुसपैठियों को बचाने और जनता को गुमराह करने का प्रयास था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस तथ्यों की कमी के कारण भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही है। एक बयान में बाली भगत ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में चुनावी सुधारों पर विपक्ष के आरोपों का तथ्यात्मक जवाब दे चुके हैं, इसके बावजूद कांग्रेस सड़कों पर उतरकर बेबुनियाद आरोप लगा रही है। उन्होंने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और चुनावी हार के बाद संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसईआर) प्रक्रिया का बचाव करते हुए भगत ने बिहार मॉडल का हवाला दिया और कहा कि इस प्रक्रिया से चुनावी पारदर्शिता मजबूत हुई है। उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती दी कि यदि उन्हें किसी तरह की अनियमितता का संदेह है तो रैलियों के बजाय अदालत का रुख करें। कांग्रेस रैली में कथित तौर पर प्रधानमंत्री के खिलाफ धमकी से जुड़े वीडियो का जिक्र करते हुए भगत ने इसे कांग्रेस की असली मानसिकता करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान की आड़ में वंशवादी राजनीति को बचाने की कोशिश कर रही है और ऐसी राजनीतिक नौटंकी से देश का लोकतंत्र कमजोर नहीं होगा।

क्लस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू की योगा (पुरुष) टीम ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए रवाना

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। क्लस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू के वाइस चांसलर प्रो. के. एस. चंद्रशेखर ने यूनिवर्सिटी की योगा (पुरुष) टीम को वेल्स इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज़, चेन्नई द्वारा आयोजित ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी गेम्स में भाग लेने के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आयोजित फ्लैग-ऑफ सेरेमनी में प्रो. डी. एस. मनहास, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, डॉ. विनोद बख्शी, डायरेक्टर स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एजुकेशन सहित अन्य खेल अधिकारी उपस्थित रहे। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए वाइस चांसलर प्रो. चंद्रशेखर ने राष्ट्रीय स्तर पर यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने पर टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक क्षमता को सुदृढ़ करता है, बल्कि मानसिक अनुशासन, एकाग्रता और चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने टीम को सफलता की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि खिलाड़ी खेल भावना और संस्थान के मूल्यों को बनाए रखेंगे। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. डी. एस. मनहास ने खेल विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए खिलाड़ियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम वर्क के साथ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, डायरेक्टर स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एजुकेशन डॉ. विनोद बख्शी ने नियमित अभ्यास, समर्पण और खेल भावना के महत्व पर जोर दिया। योगा (पुरुष) टीम में हिमांशु वर्मा, देव मेहरा, अमित सिंह, दानिश कुमार और तरुण शर्मा शामिल हैं, जिन्हें कोच मुकेश शर्मा मार्गदर्शन दे रहे हैं। समारोह का समापन यूनिवर्सिटी अधिकारियों की शुभकामनाओं के साथ हुआ, जिन्होंने टीम से उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद

संपादकीय

मुख्यमंत्री सत्ता में हैं या विपक्ष में?

जम्मू और कश्मीर के लोग इन दिनों बहुत बड़ी दुविधा में होंगे क्योंकि जिस आदमी को उन्होंने पूरे बहुमत से सत्ता में बिठाया है, वह ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे वह सरकार का मुखिया होने के बजाय विपक्ष का हिस्सा हो।

इस बयान का एक मजबूत आधार है क्योंकि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि जब तक इस साल की शुरुआत में पहलगाम हमले के बाद बंद हुए टूरिस्ट डेस्टिनेशन फिर से नहीं खुल जाते, तब तक केंद्र जम्मू और कश्मीर में सामान्य स्थिति का दावा नहीं कर सकता।

यह हैरानी की बात है कि लोगों के पूरे समर्थन से छ्व×च को चलाने के लिए चुने गए व्यक्ति को इतना शक्तिहीन कर दिया गया है कि उसे मतदाताओं के सामने एक तरह की शिकायत करनी पड़ी कि वह बंद टूरिस्ट डेस्टिनेशन को फिर से खोलने के लिए कुछ नहीं कर पा रहा है, जो उसे लगता है कि छ्व×च केंद्र शासित प्रदेश में सामान्य स्थिति बहाल करने या कम से कम दिखाने में मदद कर सकता है।

अगर J&K का मुख्यमंत्री इतना शक्तिहीन है कि वह टूरिस्ट स्पॉट खोलने का आदेश नहीं दे सकता, जबकि पर्यटन उसके सरकार के दायरे में आता है, तो कोई भी उसके नेतृत्व की स्थिति का अंदाजा लगा सकता है।

विफलता के लिए किसी और पर आरोप लगाने के बजाय, उसे इस संबंध में आदेश जारी करने चाहिए थे या कम से कम केंद्र के साथ इस मामले को उठाना चाहिए था, क्योंकि ऐसे आरोपों को सार्वजनिक करने से कोई फायदा नहीं होगा क्योंकि यह चुनाव का समय नहीं है, और वह विपक्ष में या सत्ता से बाहर नहीं है, बल्कि वह कुर्सी पर है और J&K की भलाई के लिए चीजें संभाल रहा है, और लोगों का कल्याण उसका गंभीर और बाध्य कर्तव्य है, जो दुख की बात है कि संतोषजनक ढंग से पूरा नहीं हो रहा है।

स्थिति तब और भी चिंताजनक हो जाती है जब ऐसे बयान यह धारणा बनाते हैं कि सरकार अंदरूनी तौर पर बंटी हुई है या अपने प्रशासनिक नियंत्रण को लागू करने में असमर्थ है।

पर्यटन हमेशा से J&K की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है, और डेस्टिनेशन के लंबे समय तक बंद रहने से हजारों परिवारों की आजीविका सीधे प्रभावित होती है। लोग मुख्यमंत्री से आश्वासन और ठोस कार्रवाई की उम्मीद करते हैं, न कि ऐसे बयानों की जो विपक्षी बयानबाजी या उसी सिस्टम के खिलाफ सार्वजनिक शिकायतों जैसे हों जिसका वह नेतृत्व करता है।

यह समय है कि मुख्यमंत्री अपने रुख पर फिर से विचार करें और इस तरह से काम करना शुरू करें कि वह लोगों और उन लोगों के सामने अपना नेतृत्व दिखा सकें, जिन्हें वह सोचते हैं कि वे सरकार चलाने में उनके लिए बाधाएं पैदा कर रहे हैं। अगर J&K में कुर्सी पर बैठा व्यक्ति कुशलता से ऐसा करने में विफल रहता है, तो संभावना है कि अगली बार लोग उन्हें फिर से सत्ता में लाने और समर्थन देने के अपने फैसले पर फिर से विचार करेंगे।

जहरमुक्त खेती की ओर बढ़ते कदम

मौजूदा दौर में रासायनिक खेती के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। इसके मद्देनजर देश के कई कोनों में जैविक व प्राकृतिक खेती की ओर किसानों का रूझान बढ़ रहा है

प्राकृतिक खेती में मुख्यतः सही प्रक्रिया पर जोर दिया जाता है। जिसमें सबसे पहले देशी बीजों का चयन, खेत को तैयार करने के लिए 2 बार हल चलाना, यानी उसकी जुताई करना, बीज उपचार करना, जैविक खाद व जैव कीटनाशक का इस्तेमाल करना और मिश्रित फसल बोना इत्यादि। इसके तहत किसानों को केंचुआ खाद, हांडी खाद और जैव कीटनाशकों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया है।

मौजूदा दौर में रासायनिक खेती के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। इसके मद्देनजर देश के कई कोनों में जैविक व प्राकृतिक खेती की ओर किसानों का रूझान बढ़ रहा है। इसी कड़ी में ओडिशा में भी किसानों में चेतना आई है। विशेषकर, बरगढ़ जिले में देशी बीजों की कम लागत वाली और जहरमुक्त खेती की पहल की जा रही है। आज इस कॉलम में अनोखी पहल के बारे में चर्चा करना चाहूंगा, जिससे खेती को समग्रता से समझा जा सके।हाल ही में मेरी पश्चिम ओडिशा के कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं व किसानों से मुलाकात हुई, जो जैविक खेती का प्रयोग कर रहे हैं। उनसे जैविक खेती की पहल के बारे में विस्तार से जानने का मौका मिला।छत्तीसगढ़ की तरह ओडिशा भी बहुत ही विविधता वाला राज्य है। यहां धान की कई देशी प्रजातियां रही हैं। इससे जुड़ा पारंपरिक ज्ञान है, जिसे संजोने की बहुत जरूरत है। ओडिशा में खेती से जुड़े त्योहार हैं। यहां नुआखाई यानी नया खाना का त्योहार भी बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस साल मैं भी इस मौके पर ओडिशा में था। यानी यहां देशी खेती, देशी बीज, देशी संस्कृति की परंपरा रही है।आगे बढ़ने से पहले यहां बताना उचित होगा कि पश्चिम ओडिशा में हीराकुंड बांध की नहरों से धान की खेती होती है। यह बांध, महानदी पर संबलपुर के पास बना है। इसी इलाके में रासायनिक और कीटनाशकों के इस्तेमाल वाली खेती हो रही है, जिससे खेती की लागत भी बढ़ी है, मिट्टी-पानी और पर्यावरण का प्रदूषण बढ़ा है और लोगों के स्वास्थ्य पर असर हुआ है। ओडिशा में बरगढ़ जिले में कैंसर के मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई है।यहां सरकार की ओर से जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। ओडिशा मिलेट मिशन, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन और श्री अन्न अभियान इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। इसके तहत जैविक उत्पादन, उपभोग, प्रसंस्करण को बढ़ावा दिया जा रहा है।इसी प्रकार, अमृत अन्न योजना के तहत पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर में भोग के लिए जैविक तरीके से धान उगाया जाएगा। यह पहल शुरू हो चुकी है। इस सबसे किसानों में जैविक खेती की ओर रूझान बढ़ रहा है।लेकिन इस दिशा में गैर सरकारी प्रयास भी किए जा रहे हैं। इस तरह की पहल पिछले कुछ सालों से चल रही है। देसी बीज सुरक्षा मंच के संयोजक सरोज भाई व कार्यकर्ता दशरथी बेहरा ने बताया कि वर्ष 2012 में देशी बीज सुरक्षा मंच की स्थापना हुई है। हालांकि अनौपचारिक रूप से देशी बीज संरक्षण का काम पहले से चल रहा है।देशी बीज सुरक्षा मंच के संयोजक सरोज भाई ने बताया कि इसका उद्देश्य देशी बीजों की सुरक्षा और संवर्धन करना है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, बाजार पर निर्भरता को कम करना और समाज व किसान को आत्मनिर्भर बनाना है। भोजन में पोषणयुक्त खाद्य शामिल करना है। ऋणमुक्त किसान और जहरमुक्त अनाज करना है, जिससे समाज स्वस्थ बने और किसानी बची रहे। इसके साथ ही किसानों की आजीविका की सुरक्षा करना भी है।देशी बीज सुरक्षा मंच के कार्यकर्ता दशरथी बेहरा ने बताया कि मंच के प्रयासों से पौष्टिक अनाजों की खेती की ओर भी किसानों का रूझान बढ़ा है और वे इनकी खेती कर रहे हैं। मंच ने प्राकृतिक जैविक खेती को बढ़ावा दिया है। इनमें ऐसी फसलें भी हैं, जो उपेक्षित हैं या जिनके देशी बीज लुप्त हो रहे हैं। देशी बीजों की खेती को पुनर्जीवित करने की कोशिश की जा रही है।उन्होंने बताया कि उनका अधिकांश कार्यक्षेत्र बरगढ़ जिले में है। यहां के पदमपुर और गाईसिलेट प्रखंड के 17 गांवों में हमारा काम फैला हुआ है। इस पहल से 3 हजार किसान जुड़े हैं, जिसमें आधी महिला किसानी भी हैं। यहां मंच ने ग्रामीणों के सहयोग से 3 गांवों में सामुदायिक बीज बैंक बनाए हैं।गाइसिलेट प्रखंड के भूतिबाहल गांव में अहिंसा सामुदायिक बीज बैंक, पदमपुर प्रखंड के बैदपाली गांव में आदिवासी बीज बैंक, और बरगढ़ के बरगांव में माहेश्वरी बीज बैंक शामिल हैं। इन बीज बैंकों में धान की 250 प्रजातियां,मूंग, कोदो,रागी और तिलहन की किस्में हैं। इसके अलावा, कई तरह की देसी हरी सब्जियां भी हैं।भूतिबाहल गांव के शिवप्रसाद साहू कई वर्षों से इस काम में जुटे हैं। वे न केवल बीजों का संरक्षण कर रहे हैं, बल्कि बीज मेला के माध्यम से किसानों तक यह बीज पहुंचा रहे हैं। उनका मानना है कि प्राकृतिक खेती से एक तो हमारे देशी बीजों का संरक्षण होता है। साथ ही इन बीजों से जुड़े पारंपरिक ज्ञान का भी संरक्षण होता है। वे हर साल इन बीजों से अनाज उगाते हैं और उनका संरक्षण करते हैं।इसी प्रकार, बैदपाली गांव की शाखा नेती ने बीज बचाने का काम किया है। उन्होंने इस पहल से कई महिला किसानों को जोड़ा है, और सब्जियों की खेती के लिए भी प्रोत्साहित किया है। किचिन गार्डन के फलदार पेड़ व हरी ताजी सब्जियां उगाने के लिए बढ़ावा दिया है। उनके बीज बैंक में देशी सब्जियों के बीज भी हैं।गाइसिलेट की रजनी साहू और सांबरी साहू ने हरी सब्जियों की खेती है। सरगीपाली की रजनी साहू ने मडिया की फसल बोई है। यह बहुत ही पौष्टिक अनाज है।इस पहल से देशी बीजों का संग्रह, संरक्षण व संवर्धन हो रहा है। बीजों के आदान- प्रदान के साथ इससे जुड़े परंपरागत ज्ञान का आदान-प्रदान भी हो रहा है। इससे देशी बीजों का प्रचार-प्रसार तो होता ही है, साथ ही किसानों को आमदनी भी होती है।बीज संग्रह में देशी धान की किस्मों में सोनाकाटी, कुसुमकली, तालमूली, मुगधी, दसमती, पांखीराज, दूबराज, झिल्ली, सपुरी, लोहड़ी, कुसुमा इत्यादि शामिल हैं। इन सभी देशी बीजों को हर साल खेतों में उगाया और संरक्षित किया जाता है।प्राकृतिक खेती में मुख्यतः सही प्रक्रिया पर जोर दिया जाता है। जिसमें सबसे पहले देशी बीजों का चयन, खेत को तैयार करने के लिए 2 बार हल चलाना, यानी उसकी जुताई करना, बीज उपचार करना, जैविक खाद व जैव कीटनाशक का इस्तेमाल करना और मिश्रित फसल बोना इत्यादि।

इसके तहत किसानों को केंचुआ खाद, हांडी खाद और जैव कीटनाशकों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया है। इससे खेती में लागत खर्च कम हुआ है, मिट्टी में सुधार हुआ है, और उत्पादन बढ़ा है। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए इलाके में प्रशिक्षणकर्ता तैयार किए हैं, जो किसानों को जैविक खाद व जैव कीटनाशक तैयार करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं। कंदमुडा के नवीन एंडेजा खुद जैव कीटनाशक बनाते हैं और उन्हें बेचते हैं।देशी बीज सुरक्षा मंच, ओडिशा, और भित्तिभूमि सेवा संगठन ने उत्पादन के साथ बाजार पर भी जोर देता है। इसके लिए पदमपुर और गाइसिलेट प्रखंड के चार गांवों में जैविक हाट लग रहे हैं। करीब 50 किसान जो भी अनाज या सब्जियां उगाते हैं, इन जैविक हाट में बेचते हैं। और उपभोक्ताओं को जहरमुक्त अनाज व सब्जियां उपलब्ध करवाते हैं। जिससे किसानों व उपभोक्ताओं के बीच सीधा रिश्ता बनता है।इसके अलावा, किसान समर्थक नीतियों के लिए पैरवी करना भी देशी बीज सुरक्षा मंच के कामों में शामिल है। प्रचार कार्यक्रमों के माध्यम से भी यह काम जारी रहता है।दशरथी बेहरा कहते हैं कि हमारा काम छोटे स्तर पर है, पर इसमें सरकारी पहल जरूरी है। इसके हमें किसानों को इस दिशा में भी प्रोत्साहित करना चाहिए कि खेती की ऐसी तकनीक अपनाई जाए जिससे बाहरी निर्भरता कम से कम हो और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग पर अधिक जोर दिया जाए। सूखे व प्रतिकूल मौसम में परंपरागत बीजों में सूखे व प्रतिकूल मौसम सहने की क्षमता होती है। किसानों ने सैकड़ों पीढ़ियों से तरह-तरह के गुणधर्म वाले देसी बीज तैयार किए हैं। यह हमारी विरासत है। देसी बीजों की जैविक खेती ही इसका अच्छा उदाहरण है।ुल मिलाकर, ओडिशा में देसी बीज सुरक्षा मंच की पहल ने किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ा है। उन्हें जैव खाद व जैव कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण दिया है। देसी बीज बैंक बनाए हैं, जिससे देसी बीजों के संरक्षण साथ उनका संवर्धन भी हो रहा है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण भी हो रहा है और खेती में लागत खर्च कम हो रहा है। कर्जमुक्त खेती की यह अच्छी पहल है। और लोगों को जैविक उत्पाद व जैविक भोजन उपलब्ध हो रहा है। किसान आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं।

कुल मिलाकर, ओडिशा की देशी बीजों की पहल महत्वपूर्ण है। इससे किसानों की आजीविका की सुरक्षा के साथ पर्यावरण की सुरक्षा भी हो रही है। जैविक, जहरमुक्त व पौष्टिक भोजन व स्वादिष्ट तो मिलता ही है, मिट्टी-पानी का संरक्षण भी होता है, जिसकी आज बहुत जरूरत है।

नाभिकीय ऊर्जा मिशन

अनिल काकोडकर

विकासित भारत को साकार करने के लिए बड़े पैमाने पर नाभिकीय ऊर्जा का तेज़ी से इस्तेमाल ज़रूरी हो गया है। स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच के अलावा, नाभिकीय ऊर्जा लंबे समय तक चलने वाली ऊर्जा और जलवायु सुरक्षा का भी वादा करती है। परमाणु ऊर्जा विभाग की लगातार और आत्मनिर्भर बनने कोशिशों की वजह से, भारत एक आत्मनिर्भर, ज़िम्मेदार देश के तौर पर उभरा है, जिसके पास प्रगत नाभिकीय प्रौद्योगिकी है, भले ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने हम पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हों। देश अब नाभिकीय ऊर्जा मिशन के साल 2047 तक 100 GW बिजली बनाने की क्षमता तक पहुँचने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी के मामले में तैयार है। हालाँकि यह बहुत महत्वाकांक्षी लग सकता है, लेकिन हमारे पिछले ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, पॉलिसी की पहल और काम, खासकर कानूनी कदम जो अभिप्रेत हैं, उनसे चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। स्वच्छ ऊर्जा हासिल करने और जलवायु खतरे से निपटने के अलावा, नाभिकीय ऊर्जा मिशन में अर्थव्यवस्था को काफ़ी बढ़ावा देने की क्षमता है क्योंकि पूरी वैल्यू चेन देश के अंदर होगी। इससे मटीरियल, मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन, कमीशनिंग, ऑपरेशन और मेंटेनेंस, क्वालिटी एश्योरेंस, सेफ्टी और आस-पड़ोस के लोगों से जुड़ाव जैसी सभी गतिविधियों में सभी स्तर पर नौकरियाँ पैदा होंगी। प्रशिक्षित और योग्य मानव संसाधन के मामले में भी चुनौतियां हैं। हालांकि हम इन सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं, लेकिन प्रोग्राम की निरंतरता पर उद्योग का भरोसा एक अनिवार्य शर्त होगी। आगे क्या चुनौतियां हैं? उनमें से सबसे ज़रूरी है समय लक्ष्य के हिसाब से बड़े पैमाने पर तेज़ी से परिनियोजन करना। सिर्फ़ दो दशकों में 90 GW से ज्यादा या लगभग 200 रिएक्टर जोड़े जाने हैं। स्पष्ट है कि NPCIL, NTPC और BHAVINI के अलावा कई इम्प्लीमेंटिंग एजेंसियों की ज़रूरत है, जो फ्लीट मोड में रिएक्टर प्लांट के मानक डिज़ाइन वाली परियोजना शुरू करें। हालांकि हमें अपनी राष्ट्रीय नाभिकीय ऊर्जा नीति के आधार पर प्रौद्योगिकी के साथ प्रोग्राम को परिनियोजित करना चाहिए । PHWR प्रौद्योगिकी स्पष्ट रूप से एक सिद्ध और किफायती प्रतिस्पर्धी स्वदेशी प्रौद्योगिकी है जो तेज़ी से आगे बढ़ने के लिए तैयार है। इसलिए NPCIL को अपने प्रोग्राम को कार्यान्वित करते समय PHWR प्रौद्योगिकी में दूसरी प्राधिकरणों को रचनात्मक रूप अपने से जोड़ते हुए उनका मार्गदर्शन करना चाहिए। दूसरी परिपक्व प्रौद्योगिकी को भी एक अतिरिक्त संभावना के तौर पर माना जा सकता है, बशर्ते वे किफायती और संरक्षा मानकों को पूरा करें। निवेश का भी एक ज़रूरी मुद्दा है, जो अकेले नाभिकीय ऊर्जा उपयोगिता क्षेत्र के लिए 20 लाख करोड़ के ऑर्डर का होगा। ईंधन चक्र अवसंरचना के लिए निवेश इसके अलावा होगा। इसलिए निजी क्षेत्र से वित्तपोषण बहुत ज़रूरी है। जबकि नाभिकीय क्षेत्र का आर्थिक पक्ष अच्छा है, दूसरी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी के बराबर नीति सहयोग अनिवार्य होगा। निर्धारित क्षमता के लिए नाभिकीय ईंधन हासिल करना अगली बड़ी चुनौती है। जबकि वैश्विक यूरेनियम स्रोत काफी हैं, नाभिकीय ऊर्जा विस्तार के कारण यूरेनियम की बढ़ती मांग और यूरेनियम आपूर्ति पर रुकावटों से अंतरिम आपूर्ति में कमी और मूल्य में वृद्धि होगी। नाभिकीय बाज़ार से जुड़ी जटिल भू-राजनीति को देखते हुए यह एक बड़ी ईंधन आपूर्ति सुरक्षा चुनौती बन सकती है। इसलिए अपने बड़े थोरियम भंडारों के साथ भारत को जल्द से जल्द थोरियम पर स्विच कर लेना चाहिए और ऊर्जा सुरक्षित बनना चाहिए। इसके लिए हमारे थोरियम आधारित नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी के विकास में तेज़ी लाने की ज़रूरत है। थोरियम का इस्तेमाल और यूरेनियम से बहुत ज्यादा एनर्जी वैल्यू पाना, जो किसी भी तरह से आज के समय की ज़रूरत बन जाएगी, इसमें नाभिकीय ऊर्जा का पुनर्संसाधन और पुनर्चक्रण करना ज़रूरी होगा। इस तरह संवृत नाभिकीय ईंधन चक्र में हमारी काबिलियत एक सुरक्षित और अनवरत ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और भरोसेमंद दीर्घकालिक नाभिकीय अपशिष्ट प्रबंधन में काम आएगी। हालांकि, यह एक संवेदनशील व नाभिकीय प्रौद्योगिकी है और इसका शासन और नियंत्रण सरकार के पास ही रहना चाहिए। अमेरिका सहित ज्यादातर देश इस्तेमाल किए गए नाभिकीय ईंधन के स्थाई निपटान का मुद्दा नहीं सुलझा पाए हैं। निजी नाभिकीय प्रतिष्ठान और सरकारी नाभिकीय पुनर्चक्रण ऊद्योग के बीच ईंधन प्रबंधन इंटरफेस को कानून में ठीक से शामिल करने की ज़रूरत है। मुझे लगता है कि दुनिया भर में नाभिकीय ऊर्जा को ज्यादा बढ़ावा देने के कारण, नाभिकीय पुनर्चक्रण पर ज्यादा ज़ोर देना ज़रूरी होगा। इस तरह, फ्रंट एंड की तुलना में बैकएंड ईंधन चक्र, उतना ही बड़ा या उससे भी बड़ा उद्योग बन जाएगा। थोरियम, जो प्रसार प्रतिरोध उपलब्ध कराता है, इस मामले में और भी ज्यादा ज़रूरी हो जाता है। हमें यह मानना होगा कि हमारे PHWR सिस्टम सबसे ज्यादा लचीले हैं और कई तरह के ईंधन च्रक को सरल बनाने के लिए सबसे सही हैं, खासकर थोरियम की ओर हमारे संक्रमण की योजना के मामले में।

(पूर्व सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं पूर्व अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग)

उभरती वैश्विक भूराजनीति में यूरोप कहां है

ट्रंप-2 प्रशासन की पूरी समझ में यूरोपीय देशों और नाटो की भूमिका को कमतर आंकने वाली वैश्विक सुरक्षा नीति की घोषणा के कारण ... पिछले सात दिनों में वैश्विक हालात के बारे में अमेरिका की समझ से जुड़े तीन बातें हुई हैं, जिनसे पता चलता है कि ट्रंप प्रशासन धीरे-धीरे यूरोप के साथ अपनी प्रतिबद्धता वापस ले रहा है, जो 1945 में दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से पिछले आठ दशकों से चल रही व्यवस्था के खत्म होने का संकेत है।अमीर यूरोपीय देशों, खासकर जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन की तिकड़ी के लिए, साल 2026 में जो भूराजनीतिक स्थिति बन रही है, उसमें अस्तित्व के संकट के काफी तत्व हैं। यह वैश्विक सुरक्षा पर अमेरिकी नीति की घोषणा के कारण है, जो ट्रंप-2 प्रशासन की पूरी समझ में यूरोपीय देशों और नाटो की भूमिका को कमतर आंकती है।

ट्रंप-2 प्रशासन की पूरी समझ में यूरोपीय देशों और नाटो की भूमिका को कमतर आंकने वाली वैश्विक सुरक्षा नीति की घोषणा के कारण ... पिछले सात दिनों में वैश्विक हालात के बारे में अमेरिका की समझ से जुड़े तीन बातें हुई हैं, जिनसे पता चलता है कि ट्रंप प्रशासन धीरे-धीरे यूरोप के साथ अपनी प्रतिबद्धता वापस ले रहा है, जो 1945 में दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से पिछले आठ दशकों से चल रही व्यवस्था के खत्म होने का संकेत है। इन तीनों में 9 दिसंबर को मशहूर पत्रिका पोलिटिको को दिया गया ट्रंप का साक्षात्कार, 4 दिसंबर को स्टेट डिपार्टमेंट द्वारा जारी यूएस सिक्योरिटी पॉलिसी इन पर्सपेक्टिव, और तीसरा पेंटागन द्वारा रॉयटर को दिया गया अनऑफिशियल साक्षात्कार शामिल था। इन तीनों ने साफ कर दिया कि ट्रंप प्रशासन ने सुरक्षा पर अपनी निर्भरता के मामले में अमेरिका को यूरोप से अलग करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं।पोलिटिको को दिए गए ट्रंप के इंटरव्यू का सबसे ज़रूरी हिस्सा यह था कि डोनाल्ड ट्रंप ने इशारा किया कि वह यूक्रेन का समर्थन और सहयोग करना छोड़ सकते हैं, क्योंकि उन्होंने यूरोप की अपने प्रशासन की हालिया आलोचना को और आगे बढ़ाया, उसे कमज़ोर और खराब होता हुआ बताया और दावा किया कि यूक्रेन सिर्फ़ यूरोप के समर्थन और सहयोग से रूस के खिलाफ युद्ध नहीं जीत सकता। यह साफ़ था कि ट्रंप इस बात से नाराज़ थे कि 8 दिसंबर को जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के तीनों नेताओं ने यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की से बात की और ट्रंप की शांति की योजना को नज़रअंदाज़ करते हुए जंग जारी रखने के लिए उन्हें पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। यूरोपियन चालों के इस नज़रिए के बावजूद, अगले दिन ट्रंप का इंटरव्यू रिलीज़ किया गया जिसमें ट्रंप ने राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को उनकी शांति की योजना मानने के लिए कहा, यह तर्क देते हुए कि मॉस्को का पलड़ा भारी रहेगा और ज़ेलेंस्की को अमेरिकी मज़ी के हिसाब से खेलना चाहिए, न कि यूरोपियनों के हुक्म के मुताबिक।ट्रंप ने कहा, %अगर यह इसी तरह चलता रहा, तो यूरोप% मेरी राय में% उनमें से कई देश अब चलने लायक देश नहीं रहेंगे। उनकी आप्रवास नीति एक विध्वंस है। वे आप्रवास के साथ जो कर रहे हैं वह एक विध्वंस है। हमारे लिए एक विध्वंस आने वाला था, लेकिन मैं उसे रोकने में कामयाब रहा।% यूक्रेन जंग खत्म करने के शांति फ़ॉर्मूले पर यूरोपीय देशों के ख़िलाफ़ तीखा हमला पूरी तरह से था। यह साफ़ था कि अमेरिकी राष्ट्रपति उन यूरोपीय देशों की रुकावट डालने वाली नीति से निपटने में अपना सब्र खो रहे थे, जो आर्थिक और मिलिटरी दोनों क्षेत्र में मदद के लिए अमेरिका पर निर्भर हैं।पोलिटिको को दिए गए ताजा साक्षात्कार में जहां एक ओर ज़्यादातर यूक्रेन शांति योजना से जुड़े अपने यूरोपीय साथियों पर ट्रंप के भरोसे के बारे में बात हुई, वहीं दूसरी ओर पांच दिन पहले जारी अमेरिकी सुरक्षा दस्तावेज में यूरोप के साथ अमेरिका के रिश्ते से जुड़े लंबे समय के और बुनियादी मुद्दों पर बात हुई। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि माइग्रेशन और यूरोपियन यूनियन इंटीग्रेशन की वजह से अगले दो दशकों में यूरोप सिविलाइज़ेशन लइरेजर (सभ्यता के तिरोहित होने) का सामना करेगा। उस दस्तावेज में यह तर्क भी दिया गया है कि अमेरिका को यूरोप के मौजूदा रास्ते के लिए महादेश के अंदर प्रतिरोध पैदा करना होगा।इसे इंसानी इतिहास में अमेरिका को सबसे महान और सबसे सफल देश और धरती पर आज़ादी का घर बनाए रखने के लिए एक रोडमैप के तौर पर पेश किया गया है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति यूरोप की राष्ट्रवादी अति-दक्षिणपंथी पार्टियों के लिए वाशिंगटन के समर्थन को साफ़ तौर पर दिखाया गया है। ट्रंप पहले से ही ब्रिटेन में फ़ारेज की अतिदक्षिणपंथी इंटरनेशनल बॉडी, को रिफॉर्म यूके अभियान में मदद कर रहे हैं, तथा फ्रांस में ले पेन की पार्टी और जर्मनी में एएफडी का समर्थन कर रहे हैं। लेकिन अब इस दस्तावेज के ज़रिए, यूरोप में अतिदक्षिणपंथी पार्टियों को मदद को अमेरिकी सरकार की रणनीति का हिस्सा बना दिया गया है।ट्रंप के हस्ताक्षर किए हुए विषय प्रवेश (इंट्रोडक्शन) वाले इस दस्तावेज में कहा गया है कि यूरोप आर्थिक रूप से नीचे जा रहा है, लेकिन इसकी असली समस्याएं और भी गहरी हैं, जिसमें यूरोपियन यूनियन की ऐसी गतिविधियां शामिल हैं जो राजनीतिक आज़ादी और संप्रभुता को कमज़ोर करती हैं। उनमें माइग्रेशन नीतियां जो महाद्वीप को बदल रही हैं, बोलने की आज़ादी पर सेंसरशिप और राजनीतिक विरोध को दबाना और राष्ट्रीय पहचान का नुकसान आदि भी शामिल हैं।ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट नज़रिए का 33 पेज का स्पष्टीकरण नस्लवादी ग्रेट रिप्लेसमेंट कॉन्सपिरेसी थ्योरी (भारी विस्थापन के षड्यंत्र के नस्लवादी सिद्धांत)का समर्थन करता हुआ लगता है, जिसमें कहा गया है कि कई देशों के बहुसंख्यक गैर-यूरोपीय बनने का खतरा है और यूरोप सभ्यता के खत्म होने की असली और प्रबल संभावना का सामना कर रहा है। इसमें आगे कहा गया है- अगर मौजूदा रूझान जारी रहे, तो 20 साल या उससे भी कम समय में महाद्वीप को पहचाना नहीं जा सकेगा।इसलिए अमेरिका की नीतियों में यूरोपीय देशों के अंदर यूरोप के मौजूदा रास्ते का विरोध करना और साथ ही यूरोप को अपनी सुरक्षा की मुख्य ज़िम्मेदारी लेने और अमेरिका के सामान और सेवाओं के लिए यूरोपीय बाज़ार खोलने में मदद करना शामिल होना चाहिए।नाटो के भविष्य के बारे में, पेंटागन ने रॉयटर को गैर-आधिकारिक तौर पर बताया कि अमेरिका 2027 के आखिर तक अपने ज़्यादातर सैनिकों और हथियारों को वापस बुलाने की तैयारी कर रहा है। यूरोप को अपनी सुरक्षा खुद करनी होगी। पेंटागन ने इस बात पर भी दुख जताया कि चेतावनी के बावजूद, नाटो के सदस्य देश आम तौर पर अपने रक्षा खर्च को बढ़ाने के लिए तय कदम नहीं उठा रहे हैं। अमेरिका नाटो में अतिरिक्त ज़िम्मेदारियां नहीं ले सकता जैसा वह अभी कर रहा है।कुल मिलाकर, ये तीनों नए साल में अमेरिका की विदेश और रक्षा नीति के एक निश्चित रूझान को दिखाते हैं, जो अमेरिका के साथ उनके रिश्तों के मामले में नाटो और ईडीयू (यूरोपियन डिफेंस यूनियन) दोनों को अलग-थलग करने की मांग करता है। यह मुद्दा और भी बुनियादी हो गया है, जिस तरह से विकसित देश आप्रवास और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे कुछ बड़े मुद्दों को देखते हैं। यूरोप के लिए, आने वाला नया साल अमेरिका के साथ उसके गठबंधन के लिए एक परीक्षण का समय होगा।

यशस्वी जायसवाल का तूफानी शतक, मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली :भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे यशस्वी जायसवाल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में एक और यादगार पारी खेलते हुए मुंबई को ऐतिहासिक जीत दिलाई। हरियाणा के खिलाफ सुपर लीग मुकाबले में जायसवाल के विस्फोटक शतक की बदौलत मुंबई ने 235 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज़ दर्ज किया। इस जीत ने न सिर्फ मुंबई की ताकत दिखाई, बल्कि जायसवाल को भारत के सबसे खतरनाक टी20 बल्लेबाजों में भी शामिल कर दिया। सुपर लीग के इस अहम मुकाबले में हरियाणा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए विशाल स्कोर खड़ा किया। उनके बल्लेबाज़ों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और मुंबई के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। 235 रनों का लक्ष्य टी20 क्रिकेट में आसान नहीं माना जाता, खासकर नॉकआउट चरण जैसे मुकाबलों में। लेकिन मुंबई की टीम आत्मविश्वास से भरी हुई थी और डगआउट में मौजूद खिलाड़ियों को भरोसा था कि अगर शुरुआत अच्छी रही, तो मैच पलट सकता है। लक्ष्य का पीछा करने उतरे यशस्वी जायसवाल ने शुरुआत से ही साफ संकेत दे दिया कि यह उनका दिन है। बाएं हाथ के इस ओपनर ने गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया और मैदान के चारों ओर शानदार शॉट्स लगाए। जायसवाल ने महज 48 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिसमें 16 चौके और एक छक्का शामिल था। यह उनके ज़20 करियर का चौथा शतक रहा। उनकी टाइमिंग, फुटवर्क और आत्मविश्वास देखने लायक था, जिसने हरियाणा के गेंदबाज़ी आक्रमण को पूरी तरह बेअसर कर दिया।

एशेज 2025: ब्रिस्बेन एयरपोर्ट पर इंग्लैंड टीम की सुरक्षा ने कैमरामैन को दिया धक्का, वीडियो वायरल

ब्रिस्बेन। एशेज सीरीज के बीच एक नया विवाद सामने आया है। सुबह ब्रिस्बेन एयरपोर्ट पर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के एक सुरक्षाकर्मी ने ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टर चैनल 7 के कैमरापर्सन को धक्का देते हुए देखा गया। यह घटना उस समय हुई, जब इंग्लैंड की टीम तीसरे एशेज टेस्ट के लिए एडिलेड रवाना होने पहुंची थी। 17 दिसंबर से शुरू होने वाले इस टेस्ट से पहले हुई इस झड़प का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। ब्रिस्बेन एयरपोर्ट पर हुआ यह वाकया उस समय सामने आया, जब इंग्लैंड टीम तीसरे टेस्ट के लिए यात्रा कर रही थी। वीडियो में साफ दिख रहा है कि जैसे ही कैमरापर्सन खिलाड़ियों के करीब पहुंचने की कोशिश करता है, सुरक्षा गार्ड हस्तक्षेप करता है। इस दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया और बहस तेज हो गई। सोशल मीडिया पर क्लिप वायरल होते ही फैंस और एक्सपर्ट्स के बीच मीडिया एक्सेस और टीम सुरक्षा को लेकर बहस छिड़ गई।

टेस्ट क्रिकेट 2025: ये हैं सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली। साल 2025 में टेस्ट क्रिकेट में भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा साफ दिखाई दिया। इस साल भारत के टॉप-5 टेस्ट रन स्कोररों की सूची में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का शानदार संतुलन देखने को मिला, जिसमें शुभमन गिल सबसे ऊपर रहे।

2025 में टेस्ट क्रिकेट में भारत के टॉप-5 रन स्कोरर

1. शुभमन गिल - मैचः 9 7 रनः 983 7 100/50: 5/1
2. केएल राहुल - मैचः 10 7 रनः 813 7 100/50: 3/3
3. रवींद्र जडेजा - मैचः 10 7 रनः 764 7 100/50: 2/6
4. यशस्वी जायसवाल - मैचः 10 7 रनः 745 7 100/50: 3/3
5. ऋषभ पंत - मैचः 7 7 रनः 629 7 100/50: 2/4

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 9 मैचों में कुल 983 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 1 अर्धशतक शामिल रहा। गिल का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा, जो उनके करियर की सबसे यादगार पारियों में से एक माना जा रहा है।

हैदराबाद में बच्चों संग फुटबॉल खेले मेसी, सांसद राहुल गांधी व मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मिले

हैदराबाद। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी इन दिनों तीन दिवसीय भारत दौरे पर हैं। उन्होंने हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और बच्चों के साथ फुटबॉल खेलकर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान मेसी ने अपने साथी खिलाड़ियों रोड्रिगो डी पॉल और लुईस सुआरेज के साथ दर्शकों की ओर फुटबॉल भी उछाली। मेसी दोपहर करीब 2 बजे कोलकाता से रवाना होकर शाम 5 बजे हैदराबाद पहुंचे और रात 8 बजे उप्पल स्टेडियम पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी उनसे मुलाकात की। स्टेडियम में आयोजित लेजर शो में मेसी का चेहरा उकेरा गया, जिसने दर्शकों को खासा आकर्षित किया। इससे पहले शनिवार सुबह मेसी ने कोलकाता में अपनी 70 फीट ऊंची प्रतिमा का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान भी मौजूद रहे। मेसी को सॉल्ट लेक स्टेडियम में लगभग एक घंटे रुकना था, लेकिन वे मात्र 22 मिनट बाद ही वहां से रवाना हो गए। इससे नाराज प्रशंसकों ने स्टेडियम में कुर्सियां फेंककर तोड़फोड़ शुरू कर दी, जिससे भगदड़ जैसे हालात बन गए। मेसी रात करीब 2.30 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे थे। भारत दौरे के अगले चरण में वे मुंबई जाएंगे, जहां उनकी मुलाकात सचिन तेंदुलकर और भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री से होने की संभावना है।

68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप : रायजा ढिल्लों का दबदबा, महिला और जूनियर महिला स्कीट में जीता स्वर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपियन रायजा ढिल्लों ने 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं (एनएससीसी) के पहले फाइनल दिवस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला और जूनियर महिला स्कीट स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर गोल्डन डबल अपने नाम कर लिया। यह मुकाबले तुगलकाबाद स्थित डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज के शॉटगन रेंज पर खेले गए। महिला स्कीट फाइनल में रायजा ढिल्लों ने 56 का उत्कृष्ट स्कोर दर्ज कर शीर्ष स्थान हासिल किया। राजस्थान की यशस्वी राठौड़ 55 के स्कोर के साथ रजत पदक पर रहीं, जबकि ओलंपियन गनेमत शेखों ने 45 निशाने लगाकर कांस्य पदक जीता। दर्शन राठौड़, रशिम कौर गुरोन और वंशिका तिवारी को क्रमशः चौथा, पांचवां और छठा स्थान मिला। क्वालिफिकेशन दौर में यशस्वी राठौड़ ने 118 हिट्स के साथ पहला स्थान प्राप्त किया था। रायजा ढिल्लों

और गनेमत शेखों ने 116-116 का समान स्कोर किया, जिसके बाद शूट-ऑफ के जरिए उनकी रैंकिंग तय हुई। टीम स्पर्धा में महिला स्कीट का स्वर्ण राजस्थान के खाते में गया। यशस्वी राठौड़, दर्शन राठौड़ और ओलंपियन महेश्वरी चौहान की टीम ने कुल 343 हिट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश की टीम दूसरे और पंजाब की टीम तीसरे स्थान पर रही। रायजा ढिल्लों ने जूनियर महिला स्कीट फाइनल में भी शानदार निरंतरता दिखाते हुए 55 का स्कोर कर स्वर्ण पदक जीता। वंशिका तिवारी ने 54 के स्कोर के साथ रजत और मानसी रघुवंशी ने 45 के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर रहीं यशस्वी राठौड़ फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। जूनियर महिला टीम स्कीट स्पर्धा में मध्य प्रदेश की टीम विजेता बनी। वंशिका तिवारी, मानसी रघुवंशी और ओश्मी श्रीवास की टीम ने कुल 328 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान को रजत और पंजाब को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप की प्रतियोगिताएं आगे भी जारी रहेंगी। आगामी दिनों में महिला और जूनियर महिला 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल खेले जाएंगे, जहां देश के शीर्ष निशानेबाज़ खिताब के लिए अपना दमखम दिखाएंगे।

किसी भी क्रम में खेलने के लिए फ्लेक्सीबल हैं टीम के खिलाड़ी : तिलक वर्मा

एजेंसी

धर्मशाला। भारत के स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि हमारे अधिकतर खिलाड़ी किसी भी क्रम में खेलने के लिए फ्लेक्सीबल हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी किसी भी क्रम में बल्लेबाजी करने के लिए पूरी तरह से फ्लेक्सिबल हैं। धर्मशाला स्टेडियम में पत्रकारों से बातचीत में तिलक वर्मा ने कहा कि हमारे खिलाड़ी मेंटली उस तरह से पूरी तरह से तैयार हैं तथा इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रेक्टिस भी कर रहे हैं।

टी-20 सीरिज के धर्मशाला में तीसरे मुकाबले को लेकर तिलक वर्मा ने कहा कि हर स्थान में ओस व ठंड का फेक्टर देखने को मिल रहा है। धर्मशाला में भी उसी तर्ज पर गेंद को गीली करके अभ्यास कर रहे हैं। बकौल तिलक पिछले टी-20 में ओस था, टॉस हाथ में रहता हैं, ऐसे में दोनों स्थितियों में हम खेलने को तैयार रहते हैं। अक्षर पटेल वर्ल्ड कप में ऊपर खेले थे, टीम के लिए जहां भी बेटिंग मिले, खिलाड़ी खेलने को तैयार हैं। प्रेक्टिस लगातार कर रहे है, इसमें माइंड सेट का बहुत बड़ा गेम रहा है। दो मैच में पहले बैटिंग करने वाले ही जीत रहे हैं। पिच में नमी भी रह रही है। ओस दोनों टीमों के लिए ही रहेगी।

वीमेंस अंडर-19 वनडे: झारखंड, हैदराबाद और हिमाचल की जीत

एजेंसी

लखनऊ। वीमेंस अंडर-19 वनडे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप-सी मुकाबलों में झारखंड, हैदराबाद और हिमाचल प्रदेश की टीमों ने प्रभावशाली जीत दर्ज की। लखनऊ के अलग-अलग मैदानों पर खेले गए इन मुकाबलों में बल्लेबाजों और गेंदबाजों के संतुलित प्रदर्शन ने दर्शकों का ध्यान खींचा।लखनऊ के इकाना स्टेडियम के बी ग्राउंड पर खेले गए मैच में झारखंड ने जम्मू-कश्मीर को नौ विकेट से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जम्मू-कश्मीर की टीम कम स्कोर पर सिमट गई। झारखंड की गेंदबाज कुमारी पलक ने तीन जबकि भूमिका ने दो विकेट लेकर विपक्षी टीम को दबाव में रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए झारखंड ने केवल एक विकेट गंवाकर मुकाबला आसानी से जीत लिया। आरुषी ने नाबाद अर्धशतक जमाया, जबकि गुरुलीन कौर 49 रन बनाकर नाबाद रही। लखनऊ के जीसीआरजी ग्राउंड पर हैदराबाद और मुम्बई के बीच खेला गया

मुकाबला भी एकतरफा रहा। मुम्बई की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 94 रनों पर ऑलआउट हो गई। मुंबई की ओर से जिया ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। हैदराबाद की जैजमिन गिल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में पांच मेडन डालते हुए 19 रन देकर तीन विकेट झटके। जवाब में हैदराबाद ने चार विकेट खोकर 16वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। स्पोर्ट्स गैलेक्सी क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेले गए तीसरे मुकाबले में हिमाचल प्रदेश ने चंडीगढ़ पर 106 रनों की बड़ी जीत दर्ज की। हिमाचल प्रदेश ने निर्धारित 50 ओवर में पांच विकेट पर 291 रन बनाए। टीम की ओर से अहाना शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 80 गेंदों पर 120 रन ठोके, जिसमें 18 चौके और चार छक्के शामिल रहे। लक्ष्य का पीछा करते हुए चंडीगढ़ की टीम 185 रनों पर सिमट गई। गेंदबाजी में पल्लवी ठाकुर ने तीन जबकि अहाना शर्मा ने दो विकेट लिए। इन मुकाबलों में मिली जीत के साथ ही झारखंड, हैदराबाद और हिमाचल प्रदेश ने ग्रुप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

लखनऊ में शुरू हुई 69वीं नेशनल स्कूल गेम्स अंडर-17 एथलेटिक्स चैंपियनशिप

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में 69वीं नेशनल स्कूल गेम्स अंडर-17 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का आयोजन शुरू हो गया है। यह प्रतियोगिता 13 से 17 दिसंबर तक पांच दिन तक चलेगी, जिसमें देश भर की 41 टीमें हिस्सा ले रही हैं। कुल 1594 एथलीट और 221 कोच व मैनेजर इस राष्ट्रीय मंच पर भाग ले रहे हैं।

प्रतियोगिता में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की टीमों के साथ-साथ सीबीएसई, आईसीएसई, नवोदय विद्यालय समिति, केंद्रीय विद्यालय संगठन, विद्या भारती, डीएवी और गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज की टीमें भी शामिल हैं। लखनऊ डिवीजन के ज्वाइंट डायरेक्टर एजुकेशन डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि यह चैंपियनशिप बालक और बालिका वर्ग के लिए आयोजित की जा रही है। निर्णायक मंडल में एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा नामित 20 राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ और राज्य स्तर पर कार्यरत 35 अनुभवी कोच शामिल

हैं। प्रतियोगिता में एथलीट कुल 19 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे। दौड़ में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर और 3000 मीटर शामिल हैं। इसके अलावा 110 मीटर और 400 मीटर की बाधा दौड़ भी आयोजित होगी। कूद स्पर्धाओं में ऊंची कूद, लंबी कूद, त्रि-कूद और पोल वॉल्ट शामिल हैं। फेंक स्पर्धाओं में गोला, चक्का, हैमर और भाला क्षेपण की प्रतियोगिताएं होंगी। साथ ही 4×100 मीटर और 4×400 मीटर रिले दौड़ के साथ बालक वर्ग के लिए 5000 मीटर और बालिका वर्ग के लिए 3000 मीटर पैदल चाल भी आयोजित होगी। आयोजकों ने शहर में खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और परिवहन की पूरी व्यवस्था की है। 50 से अधिक बसों और छोटी गाड़ियों के माध्यम से परिवहन का इंतजाम किया गया है, जबकि होटलों में पर्याप्त कमरे उपलब्ध कराए गए हैं। इस तरह लखनऊ शहर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार है।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का गोवा में मेगा आयोजन, खेल जगत की दिग्गज हस्तियां होंगी शामिल

एजेंसी

पणजी। गोवा की खूबसूरत तटरेखा फिटनेस, देशभक्ति और सामूहिक सहभागिता का साक्षी बनेगी, जब 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का विशेष विजय दिवस संस्करण आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन देश की सशस्त्र सेनाओं को समर्पित होगा। यह साइकिल रैली सुबह 07 बजे मीरामार बीच सर्कल से शुरू होकर डोना पाउला सर्कल तक जाएगी। यह कार्यक्रम युवा मामले और खेल मंत्रालय की प्रमुख पहल है, जिसे गोवा में खेल निदेशालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।आयोजन से पहले गोवा में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें भारतीय खेल प्राधिकरण के उप महानिदेशक मयंक श्रीवास्तव और खेल प्राधिकरण गोवा के सचिव डॉ अजय गऊडे ने कार्यक्रम की जानकारी साझा की। मयंक श्रीवास्तव ने बताया कि 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' केवल साइक्लिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक फिटनेस कार्निवल के रूप में जुम्बा, योग, रस्सी कूद जैसी कई

गतिविधियों को भी शामिल करता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अब तक अपने 53वें संस्करण तक पहुंच चुका है और बीते एक वर्ष में देशभर से करीब 20 लाख लोग इसमें भाग ले चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पहले यह मेगा इवेंट केवल दिल्ली में आयोजित होता था, लेकिन लोगों की मांग और देशभर में फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अब इसे विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया जा रहा है। दिल्ली के बाहर पहला आयोजन वाराणसी में हुआ था और अब गोवा इसकी मेजबानी कर रहा है। डॉ अजय गऊडे ने कहा कि यह आयोजन नागरिकों के समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि खेल प्राधिकरण गोवा आम नागरिकों के लिए एक साइक्लिंग क्लब की शुरुआत करने जा रहा है। इस विशेष संस्करण में गोवा सरकार के खेल मंत्री डॉ रमेश तवाड़कर और खेल सचिव संतोष गुनवंतराव सुखदेव, आईएएस की मौजूदगी रहेगी। इसके अलावा ओलंपियन और विश्व चैंपियन मुक्केबाज जैस्मिन लांबोरिया, ओलंपियन सूबेदार मनीष कौशिक, अर्जुन पुरस्कार विजेता फुटबॉलर ब्रूनो काउटिन्हो और पद्मश्री एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित फुटबॉल लीजेंड ब्रह्मानंद संखवलकर भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। भारतीय महिला सीनियर फुटबॉल टीम की पहली महिला मुख्य कोच मयमोल रॉकी भी इस साइकिल राइड में हिस्सा लेंगी।

मेलबर्न रेनेगेड्स ने बीबीएल 15 से पहले एंड्रयू टाय के साथ किया करार

एजेंसी

मेलबर्न। मेलबर्न रेनेगेड्स ने बिग बैश लीग (BBL 15) के आगामी सीजन से पहले अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज एंड्रयू टाय को टीम में शामिल करने की घोषणा की। रेनेगेड्स का सीजन का पहला मुकाबला सोमवार रात ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ गाबा स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच से ठीक पहले टाय को टीम में शामिल किया गया है, जो चोट के कारण बाहर हुए गेंदबाज टॉम रोजर्स की जगह लेंगे। एंड्रयू टाय का बिग बैश लीग में रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है। वह अब तक 105 बीबीएल मैच खेल चुके हैं और 150 से अधिक विकेट अपने नाम कर चुके हैं। खास तौर पर डेथ ओवर्स में उनकी गेंदबाजी उन्हें लीग के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में शुमार करती है। टीम से जुड़ने पर टाय ने कहा, 'मैं इस मौके को लेकर बेहद उत्साहित हूं। यह एक शानदार टीम है, जिसमें जबरदस्त प्रतिभा है। मैं मैदान पर उतरने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। रेनेगेड्स जिस तरह का क्रिकेट खेलते हैं और कोच कैमरन व्हाइट (व्हाइटी) के नेतृत्व में क्लब जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह मुझे काफी पसंद है। कोचिंग स्टाफ के साथ हुई बातचीत से साफ है कि वे जानते हैं कि कैसे खेलना है और उसमें मेरी भूमिका क्या होगी। मैं हमेशा अहम मौकों पर जिम्मेदारी लेने और मुकाबला करने में भरोसा रखता हूं और इस टीम के लिए योगदान देने को लेकर उत्सुक हूं।' रेनेगेड्स में टाय की मुलाकात कुछ पुराने साथियों से भी होगी, जिनमें पूर्व पर्थ स्कॉर्चर्स के साथी जेसन बेहरेंडॉर्फ शामिल हैं, जो इस साल की शुरुआत में क्लब से जुड़े थे।

टी-20 मैच : मैदान और नेट पर टीम इंडिया ने जमकर बहाया पसीना

एजेंसी

धर्मशाला। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कल धर्मशाला में खेले जाने वाले सीरीज के तीसरे टी-20 क्रिकेट मैच के मुकाबले से पूर्व भारतीय टीम ने मैदान और नेट पर जमकर पसीना बहाया। इंडियन टीम 3.30 बजे प्रैक्टिस को मैदान पर उतरी। हालांकि, बीसीसीआई द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार इंडिया टीम ने शाम 7:30 बजे से 10 तक तक अभ्यास करना था। मगर मौसम बदलने के बाद ठंड की वजह से भारतीय टीम के खिलाड़ी दोपहर बाद ही अभ्यास को मैदान पर पंहुचे।

बता दें कि धर्मशाला में शनिवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं। इससे ठंड में इजाफा हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार धर्मशाला में बारिश के आसार नहीं है। मगर सामने नजर आने वाली धौलाधार की

पहाड़ियों पर हल्का हिमपात हो सकता है। इससे मैच के दौरान ठंडी हवाएं चल सकती है जो कि गेंदबाजों के लिए मददगार साबित हो सकती है।

इस मैच का रोमांच इसलिए बढ़ गया है, क्योंकि 5 मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। बीते वीरवार को चंडीगढ़ में हुए मुकाबले में भारत 51 रन से हार गया था। ऐसे में धर्मशाला का यह तीसरा मुकाबला सीरीज में बढ़त हासिल करने के लिहाज से दोनों टीमों के लिए अहम हो गया है। आज टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी अभ्यास के लिए मैदान और नेट पर उतरे। इस दौरान बड़ी संख्या में आने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखने के लिए स्टेडियम में पंहुचे। इस दौरान तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सहित अन्य तेज व स्पिन गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने जमकर पसीना बहाया और कल के मैच के लिए अपनी तैयारी को पुख्ता किया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने नही किया अभ्यास

उधर तय कार्यक्रम के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका की टीम ने आज अभ्यास नही किया। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी होटल में ही रहे। मौसम के मिजाज के चलते उनका कल सुबह या दिन में अभ्यास का कार्यक्रम रहेगा।

हरमनप्रीत कौर के सम्मान में स्टैंड का नामकरण होने पर मंधाना ने दी अपने कप्तान को बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कप्तान हरमनप्रीत कौर को बधाई दी है। यह बधाई उन्हें उस खास मौके पर मिली, जब पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हरमनप्रीत कौर के नाम पर एक स्टैंड का उद्घाटन किया। यह समारोह आयोजित किया गया था।

इस मौके पर स्टेडियम में दो नए स्टैंड खोले गए। एक स्टैंड भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर रखा गया, जबकि दूसरा स्टैंड पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम पर समर्पित किया गया। उद्घाटन समारोह में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और पीसीए अध्यक्ष अमरजीत मेहता मौजूद रहे। इसके अलावा बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

बीसीसीआई ने इस समारोह का वीडियो अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया। इस वीडियो को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा करते हुए स्मृति मंधाना ने लिखा, 'बधाई हो हरमनप्रीत! महिला क्रिकेट के लिए यह एक बहुत ही खास दिन है और मुझे आप पर गर्व है।' वीडियो में हरमनप्रीत कौर ने इस सम्मान पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह उनके जीवन का बेहद भावुक और गर्व भरा पल है। उन्होंने कहा कि जिस मैदान पर उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, उसी जगह उनके नाम पर स्टैंड बनना उनके लिए सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने इसके लिए पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन का आभार भी जताया। गौरतलब है कि हाल ही में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने इतिहास रचा था। टीम इंडिया ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपनी पहली सीनियर आईसीसी महिला क्रिकेट ट्रॉफी जीती थी। हरमनप्रीत कौर यह सम्मान पाने वाली तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। इससे पहले झूलन गोस्वामी और मिताली राज के नाम पर भी देश के प्रमुख क्रिकेट स्टेडियमों में स्टैंड बनाए जा चुके हैं। खास बात यह है कि हरमनप्रीत कौर इस समय सक्रिय क्रिकेटर होते हुए भी इस सम्मान को पाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

टी20 वर्ल्ड कप पोस्टर विवाद: पाक कप्तान को नहीं मिली जगह, PCB ने ICC से की शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के टिकट पोस्टर से पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा को बाहर रखे जाने को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कड़ा ऐतराज जताया है। PCB का कहना है कि ICC का यह फैसला संतुलन और निष्पक्षता के सिद्धांतों के खिलाफ है, क्योंकि पाकिस्तान विश्व क्रिकेट की बड़ी टीमों में से एक है। PCB ने इस मुद्दे पर ICC को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। बोर्ड का मानना है कि ऐसे प्रमोशनल पोस्टर करोड़ों फैंस तक पहुंचते हैं और इनमें कप्तान की गैरमौजूदगी पाकिस्तान क्रिकेट की छवि को नुकसान पहुंचाती है।

एशिया कप की पुरानी मिसाल दिलाई याद

PCB सूत्रों के मुताबिक, एशिया कप के दौरान भी पाक कप्तान को प्रमोशनल कैंपेन से बाहर रखा गया था। उस वक्त ACC के हस्तक्षेप के बाद सुधार किया गया था। PCB को उम्मीद है कि इस बार भी ICC इस मामले में सकारात्मक कदम उठाएगा। हालांकि पाकिस्तान फिलहाल ICC टी20 रैंकिंग में सातवें स्थान पर है, लेकिन PCB का तर्क है कि रैंकिंग के आधार पर किसी देश के कप्तान को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। बोर्ड का कहना है कि पाकिस्तान की वैश्विक फैन फॉलोइंग मजबूत है और उसे बराबर प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। फिलहाल ICC की ओर से इस विवाद पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

केंद्रीय मंत्री मांडविया ने सांसद खेल महोत्सव का किया शुभारंभ, कहा- हाई एल्टीट्यूड स्पोर्ट्स हब बनेगा पौड़ी

एजेंसी

पौड़ी गढ़वाल। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने पौड़ी जनपद के कंडोलिया मैदान में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं में खेल संस्कृति को सशक्त बनाने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने खेलों को राष्ट्र निर्माण का माध्यम बताते हुए पौड़ी को हाई एल्टीट्यूड स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित करने की दिशा में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी।

केंद्रीय मंत्री के पौड़ी आगमन पर स्थानीय परंपरा के अनुरूप सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं की ओर से मांगलिक गीतों के साथ भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात केंद्रीय मंत्री ने दीप प्रज्वलित कर सांसद खेल महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान सांसद खेल महोत्सव की टी-शर्ट एवं ट्रैकसूट का भी विमोचन किया गया।

कंडोलिया मैदान में मौजूद खिलाड़ियों एवं जनमानस को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव युवाओं को निष्पक्ष एवं पारदर्शी मंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप देश में खेल संस्कृति को जमीनी स्तर तक मजबूत किया जा रहा है। सांसद युवा महोत्सव से निकलने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी भविष्य में 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में केवल एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि पूरा देश जीतता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देशभर में खेल सुविधा अंतर के विश्लेषण का कार्य प्रगति पर है, जिसमें खेल अवसंरचना के विकास हेतु पौड़ी जनपद को भी विशेष रूप से शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हाई एल्टीट्यूड की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए

खेल अवसंरचना विकसित करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

कार्यक्रम में गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव पौड़ी के लिए गौरव का विषय है। यह प्रधानमंत्री के उस विजन को साकार करता है, जिसके अंतर्गत प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पौड़ी हाई एल्टीट्यूड ट्रेनिंग के लिए आदर्श स्थान है, जहां देश के विभिन्न राज्यों से खिलाड़ी प्रशिक्षण हेतु आते हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से पूरे क्षेत्र को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित करने, स्विमिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना, शीतकालीन खेलों के दृष्टिगत औली को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल प्लेटफार्म के रूप में विकसित करने के लिए सहयोग की मांग रखी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से युवाओं को खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिला है। इस मंच से ऐसी प्रतिभाएं सामने आएंगी, जो भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेंगी। इस दौरान उन्होंने कंडोलिया स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित पिट्ठू खेल प्रतियोगिता के प्रतिभागियों से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय खेल मंत्री, गढ़वाल सांसद एवं हरिद्वार सांसद ने स्वयं बैडमिंटन व टेबल टेनिस खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी, देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी, केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, रुद्रप्रयाग विधायक भरत चौधरी, राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र अण्थवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रप्रयाग पूनम कठैत, नगर पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी, खेल सचिव अमित सिन्हा, जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार आदि उपस्थित रहे।

टाटा पावर को जेजुरी हिंजेवाड़ी पावर ट्रांसमिशन के अधिग्रहण के लिए आशय-पत्र मिला

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा पावर ने कहा कि उसे आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से जेजुरी हिंजेवाड़ी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आशय पत्र (एलओआई) मिला है। टाटा पावर ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि परियोजना की विशेष प्रयोजन इकाई जेजुरी हिंजेवाड़ी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड को 'निर्माण-स्वामित्व-स्वानित्व-हस्तांतरण' आधार पर विकसित किया जाएगा। परियोजना में जेजुरी एवं हिंजेवाड़ी के बीच लगभग 115 किलोमीटर लंबी 400 किलोवाट की डबल-सर्किट लाइन का निर्माण और दोनों जगहों पर सब-स्टेशनों पर 400 केवी की जीआईएस लाइन का विस्तार शामिल है। नियामकीय सूचना के मुताबिक, टाटा पावर के पारेषण सेवा समझौते की अवधि 35 साल की होगी।

यूडीआईएन के इस्तेमाल से धोखाधड़ी रोकने में मिली मदद: आईसीएआई

नई दिल्ली। चार्टर्ड अकाउंटेंट के शीर्ष निकाय आईसीएआई के अध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट के द्वारा विशिष्ट दस्तावेज पहचान संख्या (यूडीआईएन) के इस्तेमाल से 70,000-80,000 करोड़ रुपये की संभावित वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिली है। यूडीआईएन की शुरुआत भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) ने 2019 में की थी। जब कोई चार्टर्ड अकाउंटेंट किसी भी दस्तावेज का सत्यापन करता है तो एक यूडीआईएन सृजित होता है। नंदा ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि 2019 से अब तक 10 करोड़ से भी ज्यादा यूडीआईएन सृजित किए जा चुके हैं।उन्होंने कहा, ''यूडीआईएन के इस्तेमाल से 70,000-80,000 करोड़ रुपये की संभावित धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिली है।' यूडीआईएन की व्यवस्था शुरू होने से दस्तावेजों के सत्यापन और पहचान में मदद मिलती है।

झारखंड में लघु खनिजों से राजस्व प्राप्ति में आई गिरावट: कैग रिपोर्ट

रांची। झारखंड में वर्ष 2017-18 और वर्ष 2021-22 के दौरान रॉयल्टी, किराया और जुर्माने का कम भुगतान होने से लघु खनिजों से मिलने वाले राजस्व में लगातार गिरावट आई है। नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा में पेश एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। कैग रिपोर्ट के मुताबिक, लघु खनिजों से राजस्व वर्ष 2017-18 में 1,082.44 करोड़ रुपये था लेकिन यह घटकर वर्ष 2021-22 में 697.73 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान राज्य के कुल राजस्व में लघु खनिज प्राप्तियों का योगदान भी 5.36 प्रतिशत से घटकर 2.23 प्रतिशत रह गया। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने विधानसभा में यह रिपोर्ट रखी। इसमें खनन पट्टों के आवंटन और उनके प्रबंधन में गड़बड़ियों की बात कही गई है। राज्य में लघु खनिजों के प्रबंधन का प्रदर्शन ऑडिट नवंबर 2022 से अक्टूबर 2023 के दौरान किया गया था ताकि उन क्षेत्रों की पहचान की जा सके जिनमें राज्य में लघु खनिजों के प्रबंधन में बदलाव और सुधार की ज़रूरत है। ऑडिट के दौरान झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड (जेएसएमडीसी) के अलावा छह ज़िला खनन कार्यालय भी चुने गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है, ''लघु खनिजों से राजस्व प्राप्ति में गिरावट देखी गई, जो वर्ष 2017-18 के 1,082.44 करोड़ रुपये से घटकर वर्ष 2021-22 में 697.73 करोड़ रुपये रह गई। राज्य के कुल राजस्व में लघु खनिजों से प्राप्तियों का हिस्सा भी 5.36 प्रतिशत से घटकर 2.23 प्रतिशत रह गया।'' हालांकि विभाग ने लघु खनिजों से राजस्व प्राप्ति में आई गिरावट का कोई कारण नहीं बताया, लेकिन ऑडिट के दौरान रॉयल्टी, किराया, जुर्माना वगैरह का कम भुगतान या भुगतान न होने जैसे कारणों से सरकारी खजाने को राजस्व के नुकसान के कई मामले सामने आए।

मशहूर फैशन ब्रांड प्राडा कोल्हापुरी चप्पलों से प्रेरित सैंडल बनाएगा, भारतीय संगठनों के साथ करार

नई दिल्ली। इटली के मशहूर लक्जरी फैशन ब्रांड प्राडा ने महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुशल कारीगरों के साथ मिलकर कोल्हापुरी चप्पलों से प्रेरित सैंडल बनाने के लिए दो सरकारी संगठनों लिडकॉम और लिडकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू पर बुधवार को मुंबई स्थित इटली के महावाणिज्य दुतावास में हस्ताक्षर किए गए। प्राडा, लिडकॉम और लिडकार के बीच हुए समझौते में परियोजना के ढांचे, क्रियान्वयन और मार्गदर्शन का विवरण शामिल हैं। संयुक्त बयान के मुताबिक, यह पहल 'प्राडा मेड इन इंडिया.. इंस्पायर्ड बाय कोल्हापुरी चप्पल्स' परियोजना के तहत भारतीय हस्तशिल्प को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करेगी। बयान के मुताबिक, सैंडल का यह सीमित संग्रह परंपरागत कारीगरी को प्राडा की आधुनिक डिजाइन और प्रीमियम सामग्री के साथ मिलाकर भारतीय सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक लक्ज़री के बीच अनोखा मेल स्थापित करेगा। दोनों ही संगठन भारतीय चमड़ा उद्योग और कोल्हापुरी चप्पल की परंपरा को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। ये संस्थान स्थानीय कारीगरों का समर्थन करते हैं और उनकी पारंपरिक कला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।परंपरागत कोल्हापुरी चप्पलों को 2019 में 'भौगोलिक संकेत' (जीआई) टैग मिला था।

भारत-मेक्सिको व्यापार वार्ता, 'एकतरफा' शुल्क वृद्धि को लेकर मेक्सिको पर भारत सख्त

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-मेक्सिको के बीच व्यापार को लेकर गंभीर स्थिति बन गई है। मेक्सिको के कई उत्पादों पर 'एकतरफा' तरीके से लगभग 1,463 उत्पादों पर 5 फीसदी से 50 फीसदी तक शुल्क (टैरिफ) बढ़ाने के फैसले को लेकर भारत उसके साथ संपर्क में है, ताकि पारस्परिक रूप से लाभकारी समाधान निकाला जा सके। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि नई दिल्ली ने अपने निर्यातकों के हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने का अपना अधिकार सुरक्षित रखा है। भारत का मानना है कि बिना पूर्व परामर्श के सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (एमएफएन) का शुल्क में एकतरफा वृद्धि बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और सहयोगी आर्थिक संबंधों के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। जानकारी के मुताबिक भारत इस मामले में मेक्सिको के साथ संवाद कर रहा है और दोनों देशों के बीच समाधान तलाशने की प्रक्रिया जारी है।

अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में विधेयक पेश किए जाने के शुरुआती चरण से ही मेक्सिको के साथ संवाद में भारत था। अधिकारी ने कहा, 'भारत मेक्सिको के साथ अपनी साझेदारी को महत्व देता है। दोनों देशों के व्यवसायों और उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने वाले स्थिर एवं संतुलित व्यापारिक माहौल की दिशा में सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार है।' हालांकि, जिन वस्तुओं को इसके दायरे में लाया जाएगा, उनकी सूची अभी आधिकारिक रूप से जारी नहीं की गई है। ये बढ़े हुए शुल्क एक जनवरी 2026 से प्रभावी होंगे। इस संबंध में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और मेक्सिको के उप-आर्थिक मंत्री लुइस रोजेंडो के बीच उच्चस्तरीय बैठक पहले ही हो चुकी है। इसको लेकर आगे तकनीकी स्तर की बैठकों की उम्मीद है। इसके अलावा दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने पर भी विचार कर रहे हैं, जबकि औपचारिक वार्ता शुरू करने के लिए संदर्भ शर्तों (टीओआर) को जल्द अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि मेक्सिको की सीनेट ने 11 दिसंबर, 2025 को नए शुल्क उपाय लागू करने की मंजूरी दी थी, जिसे संसद के दोनों सदनों से भी स्वीकृति मिल गई है। इसका उद्देश्य विनिर्माण को बढ़ावा देना और व्यापार असंतुलन को कम करना है। इस फैसले के तहत मेक्सिको उन देशों से आने वाले व्यापक श्रेणी के उत्पादों (करीब 1,463 शुल्क लाइनों) पर लगभग पांच फीसदी से लेकर 50 फीसदी तक आयात शुल्क लगाएगा, जिनका उसके साथ मुक्त व्यापार समझौता नहीं है। इनमें भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं। हालांकि, मेक्सिको स्थित भारतीय दूतावास ने 30 सितंबर, 2025 को मेक्सिको के आर्थिक मंत्रालय के सामने ये मुद्दा उठाया था, भारतीय निर्यात को नए शुल्कों से बचाने के लिए विशेष रियायतों की मांग की थी।

एफपीआई ने दिसंबर में पूंजी बाजार से निकाले 24,936 करोड़ रुपय

एजेंसी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने दिसंबर के पहले दो सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से 24,936 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने दिसंबर में शुद्ध रूप से 17,955 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इसके अलावा उन्होंने 7,585 करोड़ रुपये के डेट बेचे। वहीं, हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट में उन्होंने 191 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। म्यूचुअल फंड में भी वे लिवाल रहे और 270 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की। लगातार दो महीने शुद्ध रूप से लिवाल रहने के बाद एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाली की है। नवंबर में उन्होंने 4,114 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 35,246 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। बाजार के जानकारों में कहना है कि रुपये में जारी गिरावट के कारण एफपीआई बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। स्थानीय मुद्रा के कमजोर पड़ने की स्थिति में यह आम बात है।इस कैलेंडर वर्ष में एफपीआई भारतीय पूंजी बाजार से 70,187 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी कर चुके हैं। इसमें सबसे ज्यादा बिकवाली इक्विटी में देखने को मिली है। उन्होंने पूरे साल के दौरान 1,55,448 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची है।

शीर्ष 10 की आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 79,129 करोड़ रुपये घटा

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में रही गिरावट के बीच पिछले सप्ताह बीएसई की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 79,129 करोड़ रुपये घट गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी के एमकैप में सप्ताह के दौरान वृद्धि हुई है जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलएंडटी का सम्मिलित एमकैप 25,345 करोड़ रुपये बढ़ गया। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 19,290 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का 18,516 करोड़ रुपये घट गया। दूरसंचार सेवा कंपनी भारती एयरटेल के एमकैप में 13,885 करोड़ रुपये और स्टेट बैंक में 7,846 करोड़ रुपये की गिरावट रही। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों इंफोसिस को बाजार पूंजीकरण में 7,146 करोड़ रुपये और टीसीएस को 6,784 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। एचडीएफसी बैंक का एमकैप 4,461 करोड़ रुपये और जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का 1,202 करोड़ रुपये घट गया। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 20,434 करोड़ रुपये और निर्माण एवं अभियांत्रिकी क्षेत्र की एलएंडटी का 4,911 करोड़ रुपये बढ़ा। बाजार पूंजीकरण के मामले में 21,05,653 करोड़ रुपये के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बनी हुई है। एचडीएफसी बैंक 15,38,559 करोड़ रुपये के साथ दूसरे और भारती एयरटेल 11,87,948 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर रही।

बाजार पर दिखेगा महंगाई के आंकड़ों, वैश्विक कारकों का असर

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरी साप्ताहिक गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में बाजार पर महंगाई के आंकड़ों के साथ वैश्विक कारकों का असर भी दिख सकता है। घरेलू स्तर पर खुदरा महंगाई के आंकड़े बाजार बंद होने के बाद जारी किये गये थे। थोक महंगाई के आंकड़े सोमवार को जारी होने हैं। बाजार पर वैश्विक कारकों का असर भी दिखेगा।

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांक पहले तीन दिन की गिरावट के बाद अंतिम दो दिन बढ़त में रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 444.71 अंक (0.52 प्रतिशत) टूटकर सप्ताहांत पर 85,267.66 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 139.50 अंक यानी 054 प्रतिशत गिरकर 26,046.95 अंक पर रहा। एनएसई का मिडकैप-50 सूचकांक 0.61 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.67 फीसदी की साप्ताहिक गिरावट में बंद हुआ। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयर लाल निशान में और अन्य 12 के हरे निशान में रहे। एशियन पेंट्स में सबसे अधिक 6.80 प्रतिशत की गिरावट रही। बीईएल का शेयर 4.25 फीसदी, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 3.33, बजाज फाइनेंस का 2.96, ट्रेंट का 2.78 और पावर ग्रिड का 2.28 प्रतिशत टूट गया। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.87 फीसदी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 1.71, भारती एयरटेल 1.16, इंफोसिस तथा आईटीसी दोनों के 1.06, और महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.01 प्रतिशत उतर गया। इनके अलावा, भारतीय स्टेट बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सनफार्मा, टीसीएस, बजाज फिनसर्व और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी लाल निशान में रहे। टाटा स्टील का शेयर सबसे अधिक 2.87 प्रतिशत चढ़ा। इटरनल में 1.92 फीसदी, टाइटन में 1.73, मारुति सुजुकी में 1.50, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.08 और कोटक महिंद्रा बैंक में 1.02 प्रतिशत की तेजी रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा एनटीपीसी और एक्सिस बैंक के शेयर भी साप्ताहिक बढ़त में रहे।

मारुति सुजुकी की देशभर में विंटर कार चेक-अप कैंपेन की शुरुआत, ग्राहकों को मिलेगा मुफ्त 27-पॉइंट निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी का विंटर सर्विस अभियान देशभर में सर्दियों की दस्तक के साथ ही मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने ग्राहकों के लिए एक खास विंटर सर्विस कैंपेन की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत कंपनी अपने अधिकृत सर्विस नेटवर्क पर वाहनों की मुफ्त 27-पॉइंट जांच की सुविधा दे रही है। इसका उद्देश्य सर्द मौसम में ड्राइविंग को सुरक्षित और आरामदायक बनाना है। यह विशेष सेवा अभियान 4 जनवरी 2026 तक चलेगा।

सर्दियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई जांच

मारुति सुजुकी सालभर अलग-अलग मौसम के अनुसार सर्विस ड्राइव चलाती है, लेकिन विंटर कैंपेन में उन पार्ट्स पर खास फोकस किया गया है, जो ठंड के मौसम में ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्विस वर्कशॉप्स में गाड़ियों की लाइटिंग सिस्टम, मिरर, हीटिंग और वेंटिलेशन से जुड़े फंक्शन्स जैसे ब्लोअर और डिफॉगर की स्थिति की जांच की जाएगी।

इसके अलावा एयर फिल्टर और एसी फिल्टर की कंडीशन भी देखी जाएगी, ताकि सर्दियों में केबिन के अंदर बेहतर वातावरण बना रहे।

बैटरी, टायर और ब्रेक पर विशेष ध्यान

ठंड के मौसम में बैटरी की परफॉर्मेंस अक्सर कमजोर पड़ जाती है, इसलिए इस कैंपेन के दौरान बैटरी की हेल्थ और चार्जिंग सिस्टम की भी जांच की जाएगी। इसके साथ ही टायर प्रेशर, टायर घिसावट, व्हील नट की मजबूती और स्पेयर व्हील की स्थिति को परखा जाएगा। ब्रेक सिस्टम से जुड़े हिस्सों जैसे ब्रेक फ्लूइड लेवल और किसी भी तरह के लीकेज की भी जांच की जाएगी, ताकि सड़क पर वाहन पूरी तरह सुरक्षित रहे।

ग्राहकों को मिलेगी अतिरिक्त सुविधा

जो ग्राहक इस अभियान के दौरान मारुति सुजुकी के अधिकृत सर्विस सेंटर पर अपनी गाड़ी लाएंगे, उन्हें मुफ्त कार वॉश की सुविधा भी दी जाएगी। कंपनी ने साफ किया है कि 27-पॉइंट हेल्थ चेक-अप पूरी तरह निशुल्क होगा, हालांकि जांच के दौरान यदि किसी तरह की मरम्मत या पार्ट्स बदलने की जरूरत सामने आती है, तो उसका शुल्क सामान्य दरों के अनुसार लिया जाएगा।

पूरे भारत में लागू है अभियान

यह विंटर सर्विस कैंपेन मारुति सुजुकी के सभी अधिकृत सर्विस वर्कशॉप्स पर लागू किया गया है। कंपनी का मानना है कि इस पहल से ग्राहक सर्दियों के मौसम में बिना किसी परेशानी के अपनी गाड़ियों का इस्तेमाल कर सकेंगे और वाहन की सेफ्टी व परफॉर्मेंस दोनों बेहतर बनी रहेगी।

गेहूं, चीनी मजबूत; चावल नरम; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव टूट गये। ग्राहकी आने से गेहूं और चीनी में तेजी रही जबकि खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 67 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,755.96 रुपये प्रति क्विंटल रही। गेहूं चार रुपये चढ़कर 2,848.44 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटा 18 रुपये की बढ़त के साथ 3,307.09 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। बीते सप्ताह मूंगफली तेल 50 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल में 47 रुपये और सूरजमुखी तेल में 54 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी देखी गयी। सोया तेल पांच रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल की कीमत 107 रुपये और वनस्पति की 62 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी।सप्ताह के दौरान चना दाल की औसत कीमत 19 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। वहीं, मसूर दाल छह रुपये महंगी हुई। तुअर दाल आठ रुपये और मूंग दाल सात रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। उड़द दाल की कीमत भी 32 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव 18 रुपये प्रति क्विंटल गिर गये। वहीं, चीनी 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

सेल ने अप्रैल-नवंबर के दौरान बिक्री में 14 फीसदी का इजाफा दर्ज किया

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात निर्माता कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की बिक्री अप्रैल-नवंबर, 2025 अवधि के दौरान सालाना आधार पर 14 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 12.7 मिलियन टन हो गई। कंपनी ने बताया कि कीमतों के दबाव और डिमांड में उतार-चढ़ाव के बावजूद अप्रैल-नवंबर 2025 में उसकी बिक्री में सालाना 14 फीसदी का इजाफा हुआ है, जो बढ़कर 12.7 मिलियन टन (एमटी) रही। इस दौरान स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने पिछले साल की इसी अवधि में 11.1 मिलियन टन की बिक्री दर्ज की थी। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने कहा, यह मज़बूत परफॉर्मेंस एक अच्छी सेल्स स्ट्रैटेजी की वजह से संभव हुई है...जो कई चुनौतियों के बावजूद, जिसमें ग्लोबल कीमतों का दबाव और अलग-अलग ग्लोबल ट्रेड पॉलिसी की अनिश्चितताओं और जियोपॉलिटिकल तनाव से पैदा होने वाली डिमांड में उतार-चढ़ाव शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि आठ महीने की अवधि के दौरान खुदरा बिक्री भी मजबूत रही। यह 0.97 मिलियन टन थी, जो अप्रैल-नवंबर 2024 में 0.86 मिलियन टन से 13 प्रतिशत ज्यादा थी, जिसे देशभर में चल रहे ब्रांड प्रमोशन कैंपेन से सपोर्ट मिला। इसके आलवा नवंबर में अकेले कुल बिक्री में सालाना आधार पर 27 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है, जबकि खुदरा बिक्री में साल-दर-साल 69 फीसदी का जबरदस्त इजाफा हुआ है। उल्लेखनीय है कि इस्पात मंत्रालय के तहत सेल, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 5 इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट को ऑपरेट करता है, जिनकी कुल क्षमता सालाना 20 मिलियन टन से अधिक है।

स्टेट बैंक ने ब्याज दर 0.25 फीसदी घटाई, नई दरें 15 दिसंबर से लागू होंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की नीतिगत दर रेपो रेट में कटौती के बाद अपनी लेंडिंग रेट 0.25 फीसदी घटा दिया है, जिससे मौजूदा और नए कर्जदारों के लिए लोन सस्ता हो गया है। नई दरें 15 दिसंबर, 2025 से लागू होंगी। बैंक ने जारी एक बयान में बताया कि एसबीआई ने ब्याज दर में 0.25 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती के साथ ही स्टेट बैंक की बाह्य मानक आधारित ब्याज दर (ईबीएलआर) 0.25 फीसदी घटकर 7.90 फीसदी हो जाएगी। बैंक ने यह कदम रिजर्व बैंक के इस महीने नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के बाद उठाया है। इसके अलावा बैंक ने सभी कार्यकाल के लिए मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में भी 0.05 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती के बाद एसबीआई की एक साल की मैच्योरिटी वाला एमसीएलआर मौजूदा 8.75 फीसदी से घटकर 8.70 फीसदी हो जाएगा। इसी तरह एक साल की परिपक्वता दर 0.05 फीसदी घटकर क्रमशः 8.75 फीसदी और 8.80 फीसदी तक सस्ती होगी।

ऐतिहासिक गिरावट के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

मुंबई। बैंकों के डॉलर खरीद बढ़ाने से रुपये में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस पर भी गिरावट रही और यह ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज 17.50 पैसे की गिरावट के साथ 90.4950 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई। वहीं बीच कारोबार में यह 90.56 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गयी थी। दोनों इसका नया रिकॉर्ड है।

पिछले कारोबारी दिवस पर रुपये 90.32 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया आज 11 पैसे टूटकर 90.43 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 90.56 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया। एक समय यह 90.28 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत भी हुआ था। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक में तेजी से रुपये पर दबाव रहा जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी तथा घरेलू शेयर बाजारों की तेजी ने इसे समर्थन दिया।

सीबीडीटी ने टैक्सपेयर्स को फर्जी कटौती के दावों के खिलाफ किया आगाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने फर्जी कटौती और छूट के दावों पर रोक लगाने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। सीबीडीटी ने इसी कड़ी में फर्जी डोनेशन क्लेम पर अलर्ट जारी किया है और टैक्सपेयर्स को एसएमएस और ईमेल के जरिए चेतावनी दी है।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि सीबीडीटी ने फजी दान रैकेट और संदिग्ध बिचौलियों का पता चलने के बाद आयकरदाताओं से कहा है कि वे स्वेच्छा से फर्जी कटौती का दावा वापस ले लें। विभाग ने कहा कि ऐसे गलत दावे से न सिर्फ जांच शुरू हुई है, बल्कि इस साल आयकर रिटर्न (आईटीआर) की प्रोसेसिंग धीमी हुई है और रिफंड में भी देरी हुई है। आयकर विभाग इसके लिए 12 दिसंबर से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ई-मेल पर एसएमएस और ईमेल एडवाइजरी भेज रहा है।

मंत्रालय के मुताबिक सीबीडीटी ने करदाताओं को सख्त कार्रवाई से पहले स्वेच्छा से अपने आईटीआर को ठीक करने के लिए कहा है। दरअसल आयकर विभाग ने कई ऐसे बिचौलियों पर कार्रवाई की है, जो इनकम टैक्स एक्ट के तहत डिडक्शन और छूट के फर्जी दावों के साथ आईटीआर फाइल करने में शामिल थे। आयकर विभाग ने नकली कटौती और छूट के साथ आईटीआर फाइल करने में शामिल बिचौलियों के एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इन बिचौलियों ने करदाताओं को गैर-कानूनी तरीके से अपनी टैक्स देनदारी कम करने और धोखाधड़ी वाले रिफंड का दावा करने में मदद की। वित्त मंत्रालय के मुताबिक आयकर विभाग की इस जांच में पता चला कि कुछ

बिचौलियों ने कमीशन के आधार पर गलत दावे के साथ आयकर रिटर्न को फाइल करने के लिए पूरे भारत में अपने एजेंटों का नेटवर्क बनाया हुआ है। यह देखा गया कि रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों या चैरिटेबल संस्थानों को डोनेशन के नाम पर बड़ी मात्रा में फर्जी क्लेम किए गए हैं और अपने टैक्स की देनदारी कम की है और फर्जी रिफंड का भी दावा किया है। सीबीडीटी ने संदिग्ध दावे का जल्दी पता लगाने और हाई-रिस्क बिहेवियर पैटर्न की पहचान करने के लिए अपने डेटा-ड्रिवन अप्रोच को मजबूत किया है। ऐसा ही एक रिस्क पैटर्न उन करदाताओं के लिए पहचाना गया है, जिन्होंने इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 80जीजीसी या 80जी के तहत क्लेम किया है। बोर्ड ने कहा कि? बड़ी संख्या में करदाताओं ने पहले ही मौजूदा आकलन वर्ष 2025-26 के लिए अपने आईटीआर रिवाइज कर लिए हैं और पिछले सालों के लिए अपडेटेड आयकर रिटर्न फाइल किए हैं। आयकर विभाग ने करदाताओं के लिए एक खास एनयूडीजीई कैंपेन शुरू किया है, ताकि उन्हें अपने आईटीआर को अपडेट करने और अगर कोई गलत दावे किया है तो उसे वापस लेने का मौका मिल सके। इसके लिए 12 दिसंबर से ऐसे करदाताओं को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ईमेल पर एसएमएस और ई-मेल एडवाइजरी भेजी जा रही हैं। सीबीडीटी ने अपने एडवाइजरी में कहा कि सभी करदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे यह पक्का करें कि डिपार्टमेंट के पास रिटर्न फाइलिंग में सही मोबाइल और ईमेल आईडी दिए गए हों, ताकि उनसे कोई भी कम्युनिकेशन छूट न जाए। आयकर विभाग ने कहा कि डिडक्शन के नियमों और अपडेटेड आयकर रिटर्न फाइल करने के बारे में ज्यादा जानकारी www.incometa&.gov.in पर उपलब्ध है।

जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव को लेकर संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी

रोम। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा है कि जिन क्षेत्रों में पानी की कमी है, वहाँ मांग बढ़ने के साथ ताजे पानी के संसाधनों पर दबाव भी बढ़ रहा है। अक्वास्टैट (2025) वॉटर डेटा स्नैपशॉट के नाम से प्रकाशित इस रिपोर्ट में नवीकरणीय जल उपलब्धता पर अद्यतन जानकारी दी गई है। नवीकरणीय जल का अर्थ है, जल की वह मात्रा जो हर साल वर्षा के माध्यम से नदियों और भूजल भंडारों में फिर से भर जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक दशक में प्रति व्यक्ति नवीकरणीय जल उपलब्धता में सात प्रतिशत की गिरावट आई है। यह 5,326 से 5,719 घन मीटर हो गई है। उत्तरी अफ्रीका, दक्षिणी एशिया और पश्चिमी एशिया जैसे क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति ताजा पानी के संसाधन सबसे कम हैं। कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, क़तर और यमन उन देशों में शामिल हैं जहाँ कुल नवीकरणीय जल उपलब्धता सबसे कम है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के वर्षों में कई क्षेत्रों में 'ताजे पानी की निकासी भी बढ़ी है, जिससे पहले से दबाव झेल रही नदी घाटियों और भूजल भंडारों पर और बोझ बढ़ गया है। इसमें कहा गया है, 'उत्तरी अफ्रीका में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई, जहाँ ताजे पानी की निकासी 16 प्रतिशत बढ़ी। वैश्विक स्तर पर कुल जल निकासी का लगभग 70 प्रतिशत सतही जल स्रोतों से हुआ जबकि 23 प्रतिशत भूजल से प्राप्त किया गया।

ऑस्ट्रेलिया : सिडनी के बोंडी बीच पर गोलीबारी, कई घायल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स की राजधानी सिडनी के रोज़ बे इलाके के बोंडी बीच पर रविवार को अज्ञात लोगों ने गोलीबारी कर दी, जिसमें कई लोगों के हताहत होने की सूचना है। सिडनी के समाचार पत्र सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने स्थानीय लोगों के हवाले से कहा कि बोंडी में लोगों ने 50 से ज्यादा गोलियों के चलने की आवाज़ सुनी। अख़बार ने एक स्थानीय शख्स हैरी विल्सन के हवाले से कहा कि उसने ज़मीन पर कई लोगों को गिरे हुए देखा और चारों ओर खून बिखरा हुआ था। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि बोंडी बीच पर दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने लोगों से उस क्षेत्र में जाने से बचने का अनुरोध किया है और वहां मौजूद लोगों से शरण लेने के लिये कहा है।

वेस्ट बैंक में इजरायली सैनिकों ने एक फिलिस्तीनी आतंकवादी को मार गिराया: आईडीएफ

यरुशलम। इज़रायल के रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा है कि उसने सैनिकों ने शनिवार शाम को उत्तरी वेस्ट बैंक में अभियान के दौरान एक फिलिस्तीनी आतंकवादी को मार गिराया। इज़रायली सेना ने कहा कि उसकी एलीट पैराट्रूपर यूनिट ने जेनिन के पास सिलात अल-हरिथिया गांव में एक अभियान चलाया। इस दौरान आतंकवादी ने सैनिकों पर एक विस्फोटक फेंका। इजरायली सेना के अनुसार सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलायीं और आतंकवादी को मार गिराया। इस दौरान इज़रायली की सेना के किसी सैनिक को चोट नहीं आई। इजरायली सेना ने कहा कि ही गाजा में इज़रायली सेना ने हमास के हथियार उत्पादन मुख्यालय के प्रमुख राद साद को मार गिराया। आईडीएफ ने कहा कि साद सात अक्टूबर, 2023 के हमले के योजनाकारों में से एक था और घिरे हुए इलाके में बचे हुए आखिरी वरिष्ठ आतंकवादियों में से एक था।

कंबोडिया से संघर्ष में मारे गये हमारे 15 सैनिक : थाईलैंड

बैंकॉक/नॉम पेन्ह। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष के दौरान 15 थाई सैनिकों की मृत्यु हो गयी है। थाईलैंड के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुरासंत कोंगसिरी ने यह घोषणा की। इस बीच, कंबोडिया ने बढ़ती सरगर्मियों के बीच 'अग्रिम सूचना' तक थाईलैंड से लगी देश की सभी सीमाएं बंद कर दी हैं। कंबोडिया के गृह मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि थाईलैंड ने 'अंधाधुंध हमले' करके कंबोडिया की संप्रभुता के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाये थे जिसके बाद उनके देश ने यह फैसला लिया है। बयान में कहा गया कि कंबोडिया के जो नागरिक इस समय थाईलैंड में रह रहे हैं वे अपना जीवन सामान्य तौर पर जीते रहें। बयान में यह भी कहा गया कि थाईलैंड के जो नागरिक कंबोडिया में रह रहे हैं, वे भी संघर्षविराम होने तक सामान्य तौर पर अपना जीवन जीते रहें। इस बीच, थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेटकेउ ने डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान पर नाराज़गी ज़ाहिर की है जिसमें उन्होंने थाई सैनिकों की मृत्यु को एक हादसा करार दिया था। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा था, 'कई थाई सैनिकों हताहत करने वाला सड़क किनारे हुए विस्फोट एक हादसा था। बहरहाल, थाईलैंड ने इसका ज़ोरदार जवाब दिया। श्री फुआंगकेटकेउ ने कहा कि अमेरिका के पास शायद सही तथ्य नहीं हैं, या उन्हें गलत जानकारी दी गयी है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प की इस टिप्पणी से थाई लोग निराश हैं कि जिस धमाके में कई थाई सैनिक मारे गए और घायल हुए, वह एक 'हादसा' था। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियों से थाई लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। उल्लेखनीय है कि थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने कहा कि उन्होंने अपने सीमा विवाद के बारे में श्री ट्रम्प से अलग-अलग फोन पर बात की। उसी दिन, श्री ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि दोनों नेता लागू होने वाले संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं।

अमेरिका के रोड आइलैंड में ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई गोलीबारी, कम से कम दो लोगों की मौत; कई घायल

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के रोड आइलैंड के प्रोविडेंस में ब्राउन यूनिवर्सिटी में गोलीबारी की घटना सामने आई है। इस गोलीबारी में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस घटना पर काफी दुख जताया। वहीं इलाके के पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'ब्राउन यूनिवर्सिटी के इलाके में कई लोगों को गोली लगी है। इसकी जांच चल रही है। कृपया सुरक्षित जगह पर रहें या अगली सूचना तक उस इलाके से दूर रहें।' मामला स्थानीय समयानुसार शनिवार शाम करीब 4:20 बजे का है, जब यूनिवर्सिटी के छात्रों को फोन पर एक मैसेज मिला जिसमें उन्हें कैंपस में एक शूटर के बारे में बताया गया था। यूनिवर्सिटी से मिले अलर्ट में उन्हें दरवाजे बंद करने, फोन साइलेंट करने और अगली सूचना तक छिपे रहने के लिए कहा गया था। न्यूज

एजेंसी के अनुसार, इसमें उन्हें खुद को बचाने के लिए आखिरी उपाय के तौर पर भागने, छिपने या लड़ने के बारे में कहा गया। पुलिस ने कहा कि यह घटना कैंपस में एक एकेडमिक और रिसर्च क्षेत्र के पास हुई, और कानून प्रवर्तन अधिकारियों को मौके पर भेजा गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को भी इस घटना के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने घटना की सूचना मिलने की पुष्टि की और कहा कि एफबीआई मौके पर मौजूद है। ट्रूथ सोशल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, 'मुझे रोड आइलैंड में ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई शूटिंग के बारे में जानकारी दी गई है। एफबीआई मौके पर है।' अमेरिकी मीडिया सीएनएन के अनुसार प्रोविडेंस के डिप्टी पुलिस चीफ टिमोथी ओहारा ने एक सीसीटीवी फुटेज भी रिलीज किया है। जांच टीम को संदेह है कि फुटेज में दिख रहा शख्स ही शूटर है, क्योंकि वह बारस और होली बिल्डिंग से निकल रहा था। ओ'हारा ने वीडियो के बारे में कहा, 'हमें लगता है कि यह संदिग्ध उस इलाके से निकलकर होप स्ट्रीट पर चलकर वॉटरमैन पर दाईं ओर मुड़ रहा है। उसने गहरे रंग के कपड़े पहने होंगे। आप उसका चेहरा नहीं देख पाएंगे।' फायरिंग में घायल हुए नौ लोगों को रोड आइलैंड हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल ने अमेरिकी मीडिया को दिए एक बयान में कहा कि छह मरीजों की हालत गंभीर लेकिन स्थिर है, जबकि एक की हालत नाजुक है। दो मरीजों की हालत स्टेबल है।

अमेरिकी मीडिया ने दावा किया है कि यह फायरिंग तब हुई जब ब्राउन यूनिवर्सिटी के एक क्लासरूम में प्रिंसिपल्स ऑफ इकोनॉमिक्स का फाइनल एग्जाम रिव्यू सेशन चल रहा था।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने ट्रंप से अतिरिक्त 40 प्रतिशत आयात शुल्क निलंबित करने को कहा

एजेंसी

साओ पाउलो। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ब्राजीलियाई उत्पादों पर लगाए गए अतिरिक्त 40 प्रतिशत आयात शुल्क को तब तक के लिए निलंबित करने का आग्रह किया है, जब तक दोनों देशों के बीच विवाद सुलझाने के लिए उच्चस्तरीय व्यापार वार्ता जारी है। पराष्ट्रपति और विकास, उद्योग, व्यापार एवं सेवा मंत्री जेराल्डो अल्कमिन ने कहा, 'राष्ट्रपति ने कहा है कि बातचीत जारी रहने तक आयात शुल्क पर फैसला रोक दिया जाए। हमें इंतजार करना होगा।' श्री अल्कमिन ने बताया कि ट्रंप प्रशासन के मूल

आयात शुल्क दायरे को कम करने के फैसले के बाद ब्राजील और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय बातचीत 'लगातार आगे बढ़ रही है'। कार्यकारी आदेश के जरिये शुरुआती कदम में करीब 4,000 ब्राजीलियाई उत्पादों पर कुल 50फीसदी आयात शुल्क लगाया गया था, जिससे बड़े स्तर पर निर्यात प्रभावित हुए थे। उन्होंने बताया कि ट्रंप ने इस प्रारंभिक कार्यकारी आदेश के बाद ब्राजील के 37 प्रतिशत निर्यात पर कुल 10 प्रतिशत और 40 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया गया था। श्री अल्कमिन ने कहा कि इसके बाद आंकड़ा घटकर 22 प्रतिशत रह गया है, जो आयात शुल्क की पहली सीमा में शामिल उत्पादों में लगभग एक-तिहाई कमी दर्शाता है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने सूडान में शांति मिशन के बेस पर ड्रोन हमलों की निंदा की

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सूडान के काडुगली शहर में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन के लॉजिस्टिक्स बेस पर हुए ड्रोन हमले की कड़ी निंदा की है। यूएन प्रमुख ने बताया कि इस हमले में छह शांति सैनिकों की मौत हो गई और आठ घायल हुए। सभी मृतक और घायल बांग्लादेश के शांति सैनिक थे, जो अबेई क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र की अंतरिम सुरक्षा बल के तहत तैनात थे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, महासचिव गुटेरेस ने बांग्लादेश सरकार, वहां की जनता और शहीद शांति सैनिकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जताई। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। उन्होंने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों को निशाना बनाने वाले हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध माना जा सकता है और मैं संघर्ष के सभी पक्षों को यूएन कर्मियों और नागरिकों की रक्षा करने के उनके दायित्व की याद दिलाता हूं। जवाबदेही तय होनी चाहिए।'

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने एक बार फिर सूडान में लड़ रहे पक्षों से तुरंत हिंसा रोकने और स्थायी युद्धविराम के लिए बातचीत शुरू करने की अपील की। सूडानी सशस्त्र बलों ने इस हमले के लिए अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेस को जिम्मेदार ठहराया है, हालांकि आरएसएफ ने इस आरोप से इनकार किया है।

एसएएफ के अनुसार, ड्रोन से तीन मिसाइलें दागी गईं, जिससे संयुक्त राष्ट्र की स्टोरेज फैसिलिटी आग की चपेट में आ गई। सभी हताहत बांग्लादेश बटालियन के सदस्य थे। सूडान की ट्रांजिशनल सॉवरेन काउंसिल ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की है। काउंसिल ने इसे अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया और कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सुरक्षित परिसरों पर हमला करना बेहद खतरनाक और आपराधिक कृत्य है।

काउंसिल ने रैपिड सपोर्ट फोर्सेज को इस हमले के लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया और संयुक्त राष्ट्र तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे मानवीय कर्मियों और संयुक्त राष्ट्र परिसरों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं।

कृतज्ञ बांग्लादेश ने शहीद बुद्धिजीवी दिवस पर सपूतों को श्रद्धांजलि दी

एजेंसी

ढाका। कृतज्ञ बांग्लादेश आज 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मारे गए बुद्धिजीवियों की स्मृति में हर वर्ष मनाए जाने वाले शहीद बुद्धिजीवी दिवस के मौके पर सपूतों को याद कर रहा है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने सुबह करीब 7:22 बजे शहर के मीरपुर स्थित शहीद बुद्धिजीवी स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बीएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, इस अवसर पर मुख्य सलाहकार ने देश के महान सपूतों की याद में गहरे सम्मान के प्रतीक के रूप में कुछ देर तक मौन धारण किया। बांग्लादेश सशस्त्र बलों की टुकड़ी ने राजकीय सलामी देने के साथ बिगुल पर अंतिम धुन बजाई।

इसके बाद मुख्य सलाहकार ने मुख्य न्यायाधीश, अंतरिम सरकार के सलाहकारों, शीर्ष नागरिक और सैन्य अधिकारियों, घायल बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीद बुद्धिजीवियों के परिवार के सदस्यों के साथ शुभकामनाओं का आदान-प्रदान

किया। मुक्ति संग्राम के अंतिम चरण में नवोदित बांग्लादेश को बौद्धिक रूप से कमजोर करने के प्रयास में देश के होनहार सपूतों की हत्या कर दी गई थी।

इससे पहले राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने सुबह करीब 7: 04 बजे शहीद बुद्धिजीवी स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीद बुद्धिजीवियों को श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तान की सेना ने बुद्धिजीवियों (शिक्षकों, डॉक्टरों, पत्रकारों, लेखकों आदि) का अपहरण कर उन्हें सामूहिक रूप से मौत के घाट उतार दिया था। इसका मकसद बांग्लादेश के भविष्य के बौद्धिक और रचनात्मक क्षमता को खत्म करना था।

अमेरिका का दावा: बेलारूस ने लिथुआनिया में गुब्बारों की घुसपैठ रोकने पर सहमति जताई

एजेंसी

विलनियस। अमेरिका ने कहा है कि बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने अपने देश से लिथुआनिया की ओर उड़ाए जा रहे गुब्बारों को रोकने का आश्वासन दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जॉन कोएल ने यह जानकारी दी।

जॉन कोएल ने लिथुआनिया की राजधानी विलनियस में मीडिया से बातचीत में बताया कि बेलारूस के राष्ट्रपति ने हाल ही में उनसे कहा है कि वह गुब्बारों की उड़ान रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। कोएल के मुताबिक, लुकाशेंको के साथ यह बातचीत दो दिनों की बैठकों के बाद हुई। गौरतलब है कि ये गुब्बारे सिगरेट तस्करों द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनकी वजह से हाल के महीनों में विलनियस हवाई अड्डे को एक दर्जन से अधिक बार बंद करना पड़ा है। लिथुआनिया का आरोप है

कि बेलारूस इस गतिविधि को बढ़ावा देकर उसके खिलाफ 'हाइब्रिड हमला' कर रहा है। इसी को लेकर लिथुआनिया ने पहले ही आपातकाल घोषित कर दिया है और संसद से पुलिस व सीमा सुरक्षा बलों की मदद के लिए सेना को अधिकार देने का अनुरोध किया है। हालांकि, बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको ने मंगलवार को कहा था कि लिथुआनिया इस समस्या को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। इसके बावजूद अमेरिकी दूत कोएल का कहना है कि उन्हें विश्वास है कि बेलारूस इस मुद्दे को शांत करने की दिशा में गंभीरता से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि लुकाशेंको अपने पड़ोसी देशों के साथ सामान्य रिश्ते चाहते हैं और इस समस्या के समाधान में समय लग सकता है। कोएल ने यह भी कहा कि लिथुआनिया ने भी अपने स्तर पर तस्करी रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं और दोनों पक्ष मिलकर इस मसले पर काम कर रहे हैं।इससे पहले, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 1 दिसंबर को सीमा पर हालात बिगड़ने की चेतावनी देते हुए इन गुब्बारों की घुसपैठ को बेलारूस की ओर से 'पूरी तरह अस्वीकार्य हाइब्रिड हमला' बताया था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टैंक जिले में कर्फ्यू लगाया गया

एजेंसी

पेशावर (खैबर पख्तूनख्वा)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के टैंक जिले में आज सुबह छह बजे कर्फ्यू लगा दिया गया। यह शाम छह बजे तक प्रभावी रहेगा। जिला प्रशासन ने अधिसूचना जारी कर मीडिया को यह जानकारी दी। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अधिसूचना में कहा गया है कि कर्फ्यू की अवधि में टैंक जिले के जंडोला सब डिवीजन में बाजार बंद रहेंगे। सभी तरह की आवाजाही पर

प्रतिबंधित रहेगी। कोक किला-खरगी हाइवे भी यातायात के लिए बंद रहेगा। आपात स्थिति में पुलिस या सुरक्षा बलों की इजाजत से और पहचान पत्र और दस्तावेज जमा करके प्रभावित रास्तों पर यात्रा की जा सकती है। अधिसूचना में सलाह दी गई है कि सुरक्षा बलों को देखकर गाड़ी 50 मीटर पहले रोक देनी चाहिए और सभी लोगों को नीचे उतर जाना चाहिए। उल्लंघन करने पर होने वाली कार्रवाई के लिए संबंधित व्यक्ति जिम्मेदार होगा।

यूक्रेन का आरोप- रूसी ड्रोन हमले में तुर्किये का नागरिक जहाज बना निशाना

एजेंसी

कीव। यूक्रेन की नौसेना ने आरोप लगाया है कि रूस ने एक ड्रोन हमले के जरिए तुर्किये के एक नागरिक जहाज को जानबूझकर निशाना बनाया। यह जहाज सनफ्लावर ऑयल लेकर मिस्र जा रहा था। यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब एक दिन पहले रूस ने यूक्रेन के दो बंदरगाहों पर भी हमले किए थे।यूक्रेनी नौसेना ने टेलीग्राम पर जारी बयान में बताया कि प्रभावित जहाज का नाम 'वीवा' है, जिस पर 11 तुर्किये नागरिक सवार थे। नौसेना के अनुसार, हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है और जहाज सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा जारी रखते हुए मिस्र की ओर बढ़ रहा है।बयान में कहा गया कि यह हमला खुले समुद्र में यूक्रेन के विशेष

आर्थिक क्षेत्र में किया गया, जो यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों की सीमा से बाहर है। यूक्रेन ने इसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का उल्लंघन बताते हुए रूस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नौसेना ने यह भी स्पष्ट किया कि वह जहाज के कप्तान के संपर्क में है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।इससे पहले, 12 दिसंबर को रूस द्वारा किए गए हमलों में यूक्रेन के दो बंदरगाहों को निशाना बनाया गया था, जिसमें तुर्किये के स्वामित्व वाले तीन जहाज क्षतिग्रस्त हो गए थे। उन हमलों के दौरान एक जहाज में भीषण आग लगने की खबर भी सामने आई थी। यूक्रेन का कहना है कि ये घटनाएं उस चेतावनी के बाद हुई हैं, जिसमें रूस ने यूक्रेन को समुद्री मार्गों से 'पूरी तरह अलग' करने की धमकी दी थी। यह चेतावनी तब दी गई थी, जब यूक्रेन ने रूस से तेल निर्यात के लिए जा रहे तथाकथित 'शैडो फ्लीट' के तीन टैंकरों को नुकसान पहुंचाया था। काला सागर क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक जहाज़ों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं।

बांग्लादेश ने सूडान में अपने शांति सैनिकों के बलिदान पर दुख जताया

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश ने संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन के तहत सूडान में तैनात बांग्लादेशी शांति सैनिकों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। सूडान के अबेई में संयुक्त राष्ट्र के आधार शिविर पर हुए ड्रोन हमले में छह बांग्लादेशी शांति सैनिक मारे गए और आठ अन्य घायल हुए हैं। बांग्लादेश ने आधिकारिक बयान में अपने बहादुर बेटों की मौत पर दुख जताया है। द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया, बांग्लादेश अपने बहादुर बेटों की मौत पर दुख जताता है और दुखी परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है। साथ ही सरकार और बांग्लादेश के लोगों ने घायलों के जल्दी ठीक होने के लिए प्रार्थना की है। बयान में सरकार ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में अपने

स्थायी मिशन के जरिए संयुक्त राष्ट्र से घायल शांति सैनिकों के लिए सबसे अच्छा इलाज सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। बयान में कहा गया है कि न्यूयॉर्क में बांग्लादेश मिशन संयुक्त राष्ट्र के साथ लगातार संपर्क में है और वहां तैनात बांग्लादेशी शांति सेना को सभी जरूरी सहायता देने के लिए मिलकर काम कर रहा है।

ईयू ने अफ़ग़ानिस्तान में खाद्य सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए करीब तीन करोड़ रुपये दिए

मॉस्को। यूरोपीय संघ (ईयू) ने अफ़ग़ानिस्तान में मानवीय जरुरतों को मज़बूत करने और खाद्य सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) को दो करोड़ 90 लाख 30 हजार रुपये दिए हैं। अफ़ग़ानिस्तान में ईयू प्रभारी डी'अफ़ेयर्स वेरोनिका बोस्कोविक-पोहर ने यह जानकारी दी है। बोस्कोविक-पोहर ने कहा 'डब्ल्यूएफपी में यूरोपियन संघ का नया योगदान अफ़गान लोगों, खासकर महिलाओं, बच्चों और कमज़ोर स्थानीय समुदाय के प्रति हमारे लगातार समर्पण को दिखाता है। क़ृषि और खाद्य मूल्य श्रृंखला को अफ़गानों के पोषण , स्वास्थ्य और आर्थिक जरुरतों को मज़बूत करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए। जलवायु अनुकूलन क्षमता के लिए हमारे समग्र दृष्टिकोण के ज़रिए हम कमज़ोर ग्रामीण समुदाय को प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के लंबे समय तक चलने वाले खतरनाक असर से उनकी रोजी-रोटी और आय को बचाने में भी मदद कर रहे हैं।' रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मदद डब्ल्यूएफपी की उन कोशिशों का समर्थन करेगी जिनका मकसद खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाना और जलवायु परिवर्तन के हिसाब से ढलना है। साथ ही, इसमें यह भी कहा गया है कि खास प्रोजेक्ट्स में बाढ़ से बचाने वाली दीवारें और सिंचाई प्रणाली जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर को उन्नत करना, जलवायु के खतरों को कम करना।

आईएसआईएस के हमले में दो अमेरिकी सैनिकों समेत तीन की मौत, राष्ट्रपति ट्रंप ने कार्रवाई की चेतावनी दी

एजेंसी

न्यूयॉर्क। इस्लामिक स्टेट के खिलाफ ऑपरेशन का हिस्सा रहे दो अमेरिकी सैनिकों समेत तीन लोगों की मौत के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाया है। अमेरिकी सैनिकों की सीरिया में आतंकी हमले के दौरान जान चली गई। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा है कि बहुत गंभीर बदला लिया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा कि हुए हमले में तीन सैनिक घायल भी हुए। उन्होंने लिखा, 'हम सीरिया में तीन अमेरिकी देशभक्तों की मौत पर दुख जताते हैं, जिनमें दो सैनिक और एक सिविलियन इंटरप्रेटर शामिल हैं। इसी तरह, हम तीन घायल सैनिकों के लिए प्रार्थना करते हैं, जिनके बारे में अभी पुष्टि हुई है कि वे ठीक हैं। यह अमेरिका और सीरिया पर आईएसआईएस का हमला था। यह सीरिया के एक बहुत खतरनाक हिस्से में हुआ, जो पूरी तरह से उनकी सरकार के कंट्रोल में नहीं है। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा इस हमले से बहुत गुस्से में और परेशान हैं। इसका बहुत गंभीर बदला लिया जाएगा।' आतंकी संगठनों और गृह युद्ध से ग्रस्त इस अशांत क्षेत्र में

अमेरिकी कर्मियों पर हमला पिछले साल दिसंबर में बशर अल-असद के सत्ता से बेदखल होने के बाद सरकार में आई अहमद अल-शरा के साथ अमेरिकी सहयोग के लिए कड़ी चुनौती है। यह सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की सरकार के लिए भी एक परीक्षा है, क्योंकि एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, कथित हमलावर दमिश्क सरकार की सेनाओं का सदस्य था। ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि यह क्षेत्र पूरी तरह दमिश्क के नियंत्रण में नहीं है। सीरियाई सरकारी समाचार एजेंसी सना के अनुसार, सरकारी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अमेरिका ने पलमायरा में खतरे की चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिया, जहां यह हमला हुआ। उन्होंने कहा कि हमलावर को 'निष्प्रभावी' कर दिया गया है। अल-असद को सत्ता से हटाए जाने के बाद सीरिया में ये पहली मौतें थीं। पीड़ित अमेरिकी ऑपरेशन इन्हेरेंट रिजॉल्व (ओआईआर) के सदस्य थे, जो औपचारिक रूप से इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड ऐश-शाम (आईएसआईएस) के नाम से जाने जाने वाले आतंकवादी संगठन के खिलाफ था।पेंटागन प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने अमेरिकी मिशन को चल रहे 'आईएसआईएस व आतंकवाद विरोधी अभियानों का समर्थन' बताया। उन्होंने कहा कि हमला तब हुआ जब सैनिक एक प्रमुख नेता के साथ बातचीत कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स में सीरियाई सरकारी प्रवक्ता नूरुद्दीन अल-बाबा के हवाले से कहा गया कि अमेरिकी सैनिकों पर गोली चलाने वाला आतंकवादी सीरियाई सरकारी सेनाओं का सदस्य था। लेकिन सना की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि हमलावर आंतरिक सुरक्षा में कोई नेतृत्व भूमिका नहीं निभाता था और वह आंतरिक सुरक्षा कमांडर का एस्कॉर्ट नहीं था। हालांकि, हमलावर पहले से ही इस बात की जांच के दायरे में था कि उसकी विचारधारा 'चरमपंथी' थी या नहीं। रविवार को इस जांच पर फैसला भी आने की उम्मीद थी।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/15/2025 12:30 AM Page 2

पोषक तत्वों से भरपूर : आंवला

आंवले के पौधे को बहुत शुभ माना जाता है और साथ ही इसके फल पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं जिनके सेवन से समय से पहले बाल सफेद न होना, आँखों की रोशनी बढ़ना जैसे कई सारे फायदे शरीर को होते हैं, इसीलिए हर किसी को अपने घर में आंवले के पौधे को जरूर लगाना चाहिए। यह एक ऐसा पेड़ है जिसे एक बार लगा देने पर बड़ा होने के बाद यह कई सालों तक फल देता रहता है।

यदि आप भी जानना चाहते हैं कि आंवले को घर पर बीज से कैसे

उगाएं तो यह लेख आपके लिए ही है। घर पर आँवला या इंडियन गूसबेरी के बीज कब लगाएं, गमले में आँवला के बीज लगाने की विधि क्या है तथा अमला या आंवला के पेड़ की देखभाल या केयर कैसे करें, के बारे में संपूर्ण जानकारी के लिए लेख को लास्ट तक जरूर पढ़ें।

⏩ आंवला प्लांट लगाने के लिए मिट्टी

इंडियन गूसबेरी या आंवला के पौधे को उगाने के लिए दोमट मिट्टी या चिकनी मिट्टी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि, मिट्टी न तो बहुत अधिक जलभराव वाली होनी चाहिए और न ही बहुत अधिक रेतीली। आंवला के पौधे थोड़ी अम्लीय और थोड़ी क्षारीय मिट्टी में (6.5-9.5 PH) अच्छे से ग्रो होते हैं।

⏩ गमले में आंवला के बीज कैसे लगाएं

आंवले का पेड़ काफी बड़ा (लगभग 20-25 फुट लम्बा) होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि, इसे उगाने के लिए बड़ा गार्डन ही चाहिए। आप इसे आसानी से अपने घर के छोटे गार्डन में या छत पर गमले में भी बीज से उगा सकते हैं। आप इन सरल स्टेप्स को फॉलो करके गमले में आंवला के पौधे आसानी से उगा सकते हैं, जैसे

1. सबसे पहले आप जिस भी वैरायटी के आंवला उगाना चाहते हैं, उसके बीज खरीद लें या उन्हें आँवला के फल से भी निकाल कर लगा सकते हैं।
2. आँवला के पौधे के लिए अच्छा पॉटिंग मिक्स तैयार करने के लिए आप 50न बलुई या चिकनी मिट्टी, 20न गोबर की खाद, 20% वर्मीकंपोस्ट और 10% नीम खली को मिक्स करें।
3. अब पॉटिंग मिक्स युक्त, सीडलिंग ट्रे या उचित आकार के ग्रो बैग (6 से 10 इंच) में आंवले के बीज को 0.6 सेंटीमीटर (1/4 इंच) की गहराई में लगा दें।
4. बीज लगाने के बाद मिट्टी में पानी डालें, ताकि मिट्टी नम हो जाए।
5. अब गमलों को आंशिक छाया वाली जगह पर ब्राइट लाइट में रख दें।
6. मिट्टी में नमी को बनाये रखें, इसके लिए समय-समय पर गमलों या सीडलिंग ट्रे (जिसमें बीज लगाएं हों) को चेक करते रहें।
7. अनुकूल जलवायु मिलने पर आंवला के बीज 30 से 50 दिन में जर्मीनेट हो जाते हैं।
8. यदि आप नर्सरी से खरीद कर आंवले का पौधा लाये हैं या फिर आपके द्वारा बीज से लगाए गए पौधे की लम्बाई 5-10 इंच हो जाए, तब आप पौधों को बड़े गमले या ग्रो बैग में रिपॉट अर्थात् स्थानांतरित कर सकते हैं।

आंवले के पेड़ की देखभाल कैसे करें

घर पर गमले या गार्डन की मिट्टी में लगे आँवला के पौधे लगभग 5-8 साल में फल देने लगते हैं, इसलिए लम्बे समय तक इसकी देखभाल करने की जरूरत होती है। होम गार्डन में लगे आंवला के पेड़ की देखभाल करने के लिए निम्न टिप्स को फॉलो करें, जो इस प्रकार हैं

आंवला के पौधों को शुरूआत में नियमित रूप से पानी देने की आवश्यकता होती है, लेकिन जैसे-जैसे पौधा परिपक्व होता जाता है, उसे कम पानी की आवश्यकता होती है। आँवला के पौधे बड़े होने पर पानी तभी दें, जब पौधे की मिट्टी की ऊपरी परत सूखी दिखाई दें। आप मिट्टी में ऊँगली डालकर जांच कर सकते हैं कि, मिट्टी गीली है या सूखी। एक बात का विशेष ध्यान रखें कि, आंवला के पौधों में फल आते समय जरूरत के अनुसार पौधों को पानी जरूर दें। पौधों को पानी देने के लिए आप वॉटर केन और स्प्रे पंप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सन लाइट

आंवला या इंडियन गूसबेरी के पौधों को अच्छी तरह से ग्रो करने के लिए भरपूर धूप की आवश्यकता होती है, इसलिए पौधे लगे गमले या ग्रो बैग को ऐसे स्थान पर रखें, जहां पौधे को आवश्यकता अनुसार धूप प्राप्त हो सके। गर्मी के मौसम में तेज धूप के दौरान पौधे को आंशिक छाया में रखें, क्योंकि तेज धूप के कारण पौधे मुरझा सकते हैं या खराब हो सकते हैं। आप पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए शेड नेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

तापमान और आर्द्रता

गर्मी के मौसम में आँवला के पेड़ में अधिक फूल खिलते हैं, जबकि बरसात (जुलाई से अगस्त) के मौसम में उच्च आर्द्रता की जलवायु फलों की ग्रोथ के लिए हेल्पफुल होती है। अच्छी तरह से ग्रो हो चुका, आँवला का पेड़ 0एष्ट-45एष्ट के टेम्प्रेचर को भी सहन कर सकता है।

खाद और उर्वरक

गमले या ग्रो बैग की मिट्टी (मृदा) में लगे आँवला के पौधे की ग्रोथ के लिए समय-समय पर पुरानी गोबर खाद, वर्मीकम्पोस्ट और घर में सब्जियों के छिलकों से बनी जैविक खाद दे सकते हैं। इसके अलावा आप इंडियन गूसबेरी में फूल लगने के 2-3 सप्ताह पहले खाद दे सकते हैं, ताकि पौधे में अच्छी तरह से फूल खिलने के बाद फल लग सकें।

कीट और रोग

आँवला का पौधा कैटरपिलर, मिली बग्स जैसे कीटों और रस्ट रोग से संक्रमित हो सकता है। रस्ट रोग के कारण आँवला के पौधे के तने, पत्तियों व फलों पर लाल रंग के गोल, अंडाकार धब्बे बन जाते हैं। आप घरेलू कीटनाशकों जैसे नीम तेल, साबुन का स्प्रे आदि का उपयोग करके इन अवांछित कीटों से छुटकारा पा सकते हैं। एक लीटर पानी में 3-4ml नीम तेल और लिक्विड सोप की कुछ बूंदे मिलाएं और इस घोल को स्प्रे पम्प में भरकर पौधे के कीट व रोग ग्रस्त भाग पर छिड़काव करें।

प्रूनिंग

आँवला प्लांट की सूख चुकी ,डैमेज, रोगग्रस्त और उलझी हुई ब्रान्चेस को समय-समय पर हटा देना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से पौधा साफ-सुथरा हो जाता और रोग व कीट लगने की संभावना भी कम होती है। इसके अतिरिक्त पौधे से डैमेज भाग हटा देने से पौधे की ऊर्जा व्यर्थ नहीं जाती है, क्योंकि पौधे की जो ऊर्जा खराब भागों में नष्ट हो जाती थी, अब वह पौधे के विकास में उपयोग होती है और फलस्वरूप पौधा हरा-भरा बना रहता है।

मल्चिंग

स्प्रिंग सीजन के बाद घांस, पत्तों से आँवला प्लांट की मल्चिंग कर देना चाहिए, ताकि गर्मी के महीनों में पौधे की मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे, लेकिन मल्चिंग करने से पौधे की मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहती है, जिसके कारण पौधे में कीट व रोग लगने की संभावना होती है, इसलिए समय-समय पर पौधे का निरीक्षण करते रहें।

स्ट्रॉबेरी की उन्नत खेती एवम् फसल की देखभाल

- भूपेंद्र सिंह (संकलन-चंद्र मोहन शर्मा)

स्ट्रॉबेरी का वानस्पतिक नाम फेगेरिया अननासा है। यह रोजेसी कुल का सदस्य है। इसका पौधा शाकीय, छोटा, कोमल तथा बहुवर्षीय होता है। इसका तना नाममात्र का तथा पूर्ण विकसित त्रिपत्री पत्तियां होती हैं । यह दो अन्य प्रजातियों (फेगेरिया चिलयोनसिस एवं फेगेरिया बरजीनियाना) के प्राकृतिक संकरण से विकसित किया गया है। स्ट्रॉबेरी के फल बडे लुभावने, रसीले एवं पौष्टिक होते हैं। ये मध्यम आकार (10 से 15 ग्राम), चित्ताकर्षक, सुवासयुक्त और सिंदूरी रंग लिए हुए बहुत ही नरम होते हैं।

इनका खाने योग्य भाग लगभग 98 प्रतिशत होता है। इन फलों में विटामिन- सी तथा लौह तत्व प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। यह अपने विशेष स्वाद एवं रंग के साथ-साथ औषधीय गुणों के कारण भी एक महत्वपूर्ण फल है। इसका उपयोग कई मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे आईसक्रीम, जैम, जैली, कैंडी, केक इत्यादि बनाने के लिए भी किया जाता है। इसकी खेती अन्य फल वाली फसलों की तुलना में कम समय में ज्यादा मुनाफा दिला सकती है। यह अल्प अवधि (4 से 5 महीने) में ही फलत देने वाली फसल है।

भारत में कुछ वर्षों पूर्व तक स्ट्रॉबेरी की खेती केवल पहाड़ी क्षेत्रों जैसे उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर घाटी, महाराष्ट्र, कालिम्पोंग इत्यादि जगहों तक ही सीमित थी। वर्तमान में नई उन्नत प्रजातियों के विकास से इसको उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा रहा है। इसके कारण यह मैदानी भागों जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार आदि राज्यों में अपनी अच्छी पहचान बना चुकी है।

तकनीकी जानकारी के अभाव में किसान भाई इसकी खेती करने में अपने आपको असहज महसूस करते हैं। जबकि यदि स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक तकनीक से खेती की जाये, तो इसकी फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। अतः इस लेख में स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया है। इससे किसान भाई उच्च उत्पादन व गुणवत्ता वाले फल प्राप्त करके अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं।

उपयुक्त जलवायु

स्ट्रॉबेरी शीतोष्ण जलवायु की फसल है, परंतु उन्नत किस्मों के विकास से इसको अब समशीतोष्ण एवं उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। यह कम प्रकाश अवधि (शॉर्ट डे) वाला पौधा है। इसमें पुष्पन प्रारंभ होने के लिए लगभग 10 दिनों तक 8 घंटे से कम प्रकाश अवधि की जरूरत होती है। पौधों की अच्छी बढ़वार के लिए दिन का अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान । से 13 डिग्री सेल्सियस उपयुक्त माना गया है। इसके फूलों व नाजुक फलों को पाले से बचाने के लिए निम्न सुरंग तकनीक (लो टनल टैक्नीक) का प्रयोग किया जा सकता है।

भूमि का चयन

स्ट्रॉबेरी की खेती लगभग सभी प्रकार की मृदाओं में की जा सकती है। अधिक तथा गुणवत्तायुक्त उत्पादन के लिए अच्छे जल निकास वाली, जीवाशयुक्त, हल्की बलुई दोमट मृदा, जिसका पी एच मान 5.5 से 6.5 के मध्य हो, उपयुक्त रहती है। मृदा में कैल्शियम की अधिक मात्रा से पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। क्षारीय एवं सूत्रकृमि ग्रसित भूमि भी स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उपयुक्त नहीं रहती है।

स्ट्रॉबेरी के व्यावसायिक उत्पादन के लिए जमीन की सतह से लगभग 25 से 30 सेंटीमीटर ऊंची उठी हुई क्यारियां (रेज्ड बैड) बनाएं। क्यारियों की चौड़ाई 100 से 120 सेंटीमीटर तथा लंबाई खेत की स्थिति के अनुसार रखी जा सकती है। क्यारियों की देखभाल तथा विभिन्न कार्य करने के लिए दो क्यारियों के बीच में 40 से 50 सेंटीमीटर चौड़ा खाली स्थान (रास्ता) रखा जाता है। उठी हुई क्यारियां बनाने से अधिक जल आसानी से बाहर निकल जाता है। इससे रोगों का प्रकोप कम होता है। साथ ही टपक सिंचाई यंत्र स्थापित करने में भी आसानी रहती है।

अत- हमेशा मृदा जांच के उपरांत ही खाद एवं उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। सामान्यतः खेत तैयार करते समय 10 से 12 टन कम्पोस्ट खाद, 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 30 किलोग्राम फॉस्फोरस व 25 किलोग्राम

पोटाश प्रति एकड़ की दर से डालनी चाहिए। इसमें फर्टिगेशन के रूप में एन पी के 19ः19ः19 की 25 ग्राम मात्रा प्रति वर्गमीटर की दर से सम्पूर्ण फसल चक्र में देनी चाहिए। यह मात्रा 15 दिनों के अंतराल पर 4 से 5 भागों में बांटकर देनी चाहिए। स्ट्रॉबेरी में सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव भी उत्पादन बढ़ाने में सहायक होता है

करता है । इसके पौधे की जड़े जमीन में ज्यादा गहराई तक नहीं जातीं है। यह सतह पर ही फैलने वाला पौधा होता है। अतः इसमें कम समय के अंतराल पर नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई पौध रोपण के तुरंत पश्चात कर देनी चाहिए। उसके बाद 2 से 3 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते रहें।

सिंचाई के लिए ड्रिप सिंचाई प्रणाली उत्तम रहती है। इस पद्धति द्वारा पौधों को उनकी आवश्यकता अनुसार पानी को बूंद-बूंद के रूप में जड़ क्षेत्र में उपलब्ध कराया

जाता है। इस प्रणाली में प्लास्टिक लाइनों द्वारा पानी पौधों की जड़ों में सीधा तथा समान रूप से पहुंचाया जा सकता है। इसके साथ ही कम पानी का प्रयोग करके अधिकतम पैदावार ली जा सकती है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली में जल के साथ-साथ उर्वरक, कीटनाशक व अन्य घुलनशील रासायनिक तत्वों को भी सीधे पौधों तक पहुंचाया जा सकता है। जब पानी के साथ-साथ पोषक तत्व भी पौधों को उपलब्ध कराए जाते हैं, तो उसे फर्टिगेशन (फर्टिलाइजर+इरीगेशन) के नाम से जाना जाता है। फर्टिगेशन में पूर्णतः घुलनशील या तरल उर्वरक का ही प्रयोग किया जा सकता है।

पाले या सर्दी से बचाव के लिए निम्न सुरंग (लो-टनल) तकनीक का प्रयोग करना लाभप्रद होता है। शरद ऋतु (दिसंबर से जनवरी) में तापमान में काफी गिरावट आ जाती है। इस समय खेत में स्ट्रॉबेरी के पौधों को पाले से बचाने के लिए निम्न सुरंग तकनीक का उपयोग काफी फायदेमंद हो सकता है। इससे विपरीत ठंडे मौसम में भी अच्छा उत्पादन लिया जा सकता है। लो-टनल एक कम ऊंचाई वाली संरचना होती है।

इसका निर्माण खुले खेत में उगाई जाने वाली फसल को कम तापमान या पाले से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए किया जाता है। यह दूसरी संरचनाओं की अपेक्षा काफी कारगर एवं सस्ती तकनीक है। इसे तैयार करना काफी आसान होता है। लो-टनल संरचना में हरितगृह जैसा ही वातावरण उत्पन्न हो जाता है। निम्न सुरंग (लो-टनल) स्थापित करने के लिए अर्धचन्द्राकार लोहे के तारों को 2 से 3 मीटर की दूरी पर स्थापित करते हैं।

उसके बाद अर्धचन्द्राकार लोहे के तारों के ऊपर मध्य में रस्सी बांध देते हैं। इन तारों पर 50 माइक्रॉन मोटाई तथा 2 मीटर चौड़ी पारदर्शी प्लास्टिक की चादर बिछाकर इसकी लंबाई वाले दोनों सिरों को मिट्टी से दबा देते हैं। इससे तेज हवा चलने पर भी प्लास्टिक नहीं उड़ती। निम्न सुरंग या पॉलीथीन की ऊंचाई लगभग 60 से 10 सेंटीमीटर रखते हैं।

प्लास्टिक की फिल्म को दिन के समय हटा देते हैं तथा रात के समय पुनः ढक देते हैं। ऐसा करने से सुरंग के अंदर मिट्टी के तापमान में वृद्धि हो जाती है। इससे पुष्पन जल्दी होता है और अच्छी फलत प्राप्त होती है। फरवरी के दूसरे या तीसरे सप्ताह में जब तापमान बढ़ जाता है तो प्लास्टिक फिल्म को पूर्णतः हटा देते हैं।

चूर्णी फफूद या छाछ्या- इस रोग के लक्षण पहले स्ट्रॉबेरी की पत्तियों की ऊपरी सतह पर एवं तनों के ऊपर छोटे-छोटे बैंगनी रंग के धब्बों के रूप में दिखते हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या केलिक्सिन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

एंथ्रेक्नोज (श्यामव्रण) एवं फल सड़न- यह रोग भी गर्म एवं आर्द्र मौसम में ज्यादा फैलता है। इसके कारण स्ट्रॉबेरी की पत्तियों पर हल्के, गहरे काले रंग के धब्बे दिखाई देने लगते हैं। यह फलों को भी प्रभावित करता है। इससे गोल हल्के जलीयनुमा धब्बे फलों पर दिखाई देने लगते हैं।

रोकथाम- इससे बचाव के लिए हमेशा अच्छे जल निकास एवं खरपतवार मुक्त खेत में ही स्ट्रॉबेरी उगाएं साथ ही स्वस्थ एवं रोगमुक्त रोपण सामग्री के साथ-साथ फसलचक्र अपनाएं। कार्बेन्डाजिम दवा 200 ग्राम को 100 लीटर पानी में मिलाकर 10 से 15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें।

ग्रे मोल्ड- यह कवक स्ट्रॉबेरी के सम्पूर्ण पौधे (तना, पत्तियां, फल, फूल, पेटीओल) को नुकसान पहुंचाता है। परंतु पुष्पन एवं फल लगते समय यह ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। इसके कारण कच्चे एवं पके फल खराब हो जाते हैं। प्रभावित भागों पर ग्रे रंग के धब्बे बन जाते हैं। यह हवा एवं पानी द्वारा रोगग्र सित भाग से स्वस्थ पौधों में फैल जाता है। बारिश के दिनों में जब तापमान कम एवं आर्द्रता ज्यादा होती है, तो इसके फैलने के लिए यह बहुत अनुकूल समय होता है। अतः इसका सही समय पर बचाव जरूरी है। रोकथाम- इससे बचाव के लिए डाइथेन एम- 45 नामक फफूंदनाशी की 1.5 ग्राम मात्रा का प्रति लीटर पानी में डालकर छिड़काव करना चाहिए।

स्ट्रॉबेरी के फलों की तुड़ाई का समय बाजार की दूरी के अनुसार तय करते हैं। सामान्यतः फलों की तुड़ाई आधे से तीन चौथाई भाग (2/3) के रंग बदलने के पश्चात करते हैं। फलों की तुड़ाई डंठल सहित प्रात- काल सूरज निकलने से पूर्व ही पूर्ण कर लेनी चाहिए। तोड़े हुए फलों को रखने के लिए ट्रे का प्रयोग करना चाहिए, क्योंकि इसके फल बड़े नाजुक होते हैं। इन्हें गहरे बर्तन में रखने से फलों की ऊंची परत के दबाव के कारण नीचे भरे फलों को नुकसान पहुंच सकता है।

स्ट्रॉबेरी के फलों को 2 से 3 दिनों तक ही सुरक्षित रखा जा सकता है।

रबी फसलों में जल प्रबन्धन उपयोग एवं महत्व

जल प्रबन्धन के लिए आवश्यक है की फसल को सही समय पर सही मात्रा में एवं सही तरिके से सिंचाई की जाएं। उचित समय पर आवश्यकतानुसार पानी नहीं देने पर एवं आवश्यकता से अधिक पानी देने पर भूमि की भौतिक दशा खराब हो जाती है तथा उत्पादन भी कम मिलता है। फसल में सिंचाई करते समय फसल अवस्था, भूमि में नमी मात्रा, भूमि से नमी के वाष्पीकरण की स्थिति एवं पौधों में जल की मात्रा को ध्यान में रखना चाहिए। फसल की बढ़वार के अनुसार जल की आवश्यकता बदलती रहती है। सिमित पानी उपलब्ध होने पर फसल की क्रांतिक अवस्थाओं पर सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई से दिया गया पानी पौधे के उत्तक निर्माण व वाष्पोसर्जन में काम आता है।जब तक पौधे को जल उपलब्ध होता हैं तब तक पौधों की बढ़वार होती रहती है अन्यथा वृद्धि रुक जाती है तथा अंत में पौधे मर जाते है।

⏩ खेतों की गहरी जुताई करें

जहाँ तक सम्भव हो सके गर्मियों में तवेदार हेरो या एम.बी. प्लाऊ से खेतों की गहरी जुताई अवश्य करे। यदि खरीफ में, रबी हेतु खेतों को पड़त रखा हो तो उचित नमी पर खेतों की जुताई करते रहें व प्रत्येक जुताई के बाद पाटा लगावे, जिससे खरपतवार नष्ट हो जाते हैं, रन्ध्राकांश बढ़ता हैं, मृदा की भौतिक दशा में सुधार होता हैं और प्रति इकाई मृदा आयतन में अधिक जल संरक्षित होता हैं इसके लाभदायक प्रभाव से रबी फसल के अंकुरण तथा पौधों की वृद्धि अच्छी होती हैं।

⏩ कार्बनिक खादों का प्रयोग करें

कार्बनिक खाद जैसे गोबर की खाद, कम्पोस व वर्मीकम्पोस्ट खाद का प्रयोग खरीफ फसलों से पहले करें। यदि रबी फसलों में इनका प्रयोग करना हो तो खेत की जुताई के समय, बुवाई के लगभग 20-25 दिन पूर्व प्रयोग करें व जुताई कर भूमि में अच्छी तरह मिला देवें। जैविक खादों के प्रयोग से मृदा की भौतिक, रासायनिक व जैविक दशा सुधरेगी जिससे भूमि, उपलब्ध जल की मात्रा को अधिक समय तक भंडारित कर सकती हैं।

⏩ उपयुक्त सिंचाई विधि अपनाएं

ज्यादातर कृषक फसलों में परम्परागत तरिके से खेतों में सीधे ही पानी देते हैं जिससे पानी का असमान वितरण होता हैं, साथ ही पानी की अधिक आवश्यकता होती हैं और सिंचाई में समय भी ज्यादा लगता हैं व कई बार लवणीयता की भी समस्या हो जाती हैं। सिंचाई विधियों का चयन मुख्यतया जल की उपलब्धता, मिट्टी के प्रकार, फसल आदि कारणों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

पर्याप्त पानी की उपलब्धता की स्थिति में

बॉर्डर या मेड, पट्टी, कुंड विधि से सिंचाई करें। नहरी तंत्र में 5-8 मीटर चौड़ी और ढलान के अनुसार लम्बाई की क्यारियां बनाकर सिंचाई करें तथा क्यारी 80% पानी से भर जाये तब हमे क्यारी में पानी को रोक देना चाहिए शेष 20न भाग स्वत: ही भर जायेगा। ऐसा करने से पानी की बचत भी होगी और क्यारी के अंत में ज्यादा पानी भरने की संभावना भी कम हो जायेगी।

इस प्रकार हम प्रत्येक क्यारी में 20न पानी बचाकर इस पानी को टेल तक पहुंचा सकते हैं अन्यथा यह पानी व्यर्थ ही बहकर या तो ड्रेन में चला जायेगा या क्यारी में ज्यादा पानी होने पर फसल पिली पड़ जायेगी। अक्सर देखा जाता हैं की नहरी तंत्र में टेल तक पानी पहुँचता ही नहीं या फिर बहुत कम पहुँचता हैं, जिससे किसान सही समय पर फसल को पानी नहीं दे पाता और उसको आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता हैं।

⏩ अपर्याप्त पानी होने पर

फव्वारा, बूंद-बूंद सिंचाई काम में लेवे जिससे कम पानी से अधिकतम उत्पादन लिया जा सके।

⏩ फसलों की जल उपयोगिता दक्षता बढ़ाना

वर्तमान परिदृश्य में प्रति इकाई जल से अधिकाधिक उपज प्राप्त करना एक महत्वपूर्ण पहलू हैं। फसलों की जल उपयोग(जल प्रबन्धन) दक्षता को बढ़ाने के लिए विभिन्न शस्य क्रियाओं का समन्वित प्रयोग करना चाहिए।

⏩ फसलों का चयन

जलवायु क्षेत्र एवं जल उपलब्धता के अनुसार फसलों का चयन करें। भिन्न-भिन्न फसलों की जल मांग अलग-अलग होती हैं। अत: उपलब्ध जल एवं उसकी फसल मांग के अनुसार फसल का चयन करना काफी लाभदायक सिद्ध होता हैं। उदाहरणार्थ- नहर के नजदीकी खेतों में अधिक जल मांग वाली फसलें-गेहूँ, गन्ना, आलू व सब्जिया तथा दूरस्थ खेतों में कम जल मांग वाली फसलें- सरसों, चना, मसूर, धनिया, अलसी आदि फसलें लें।

⏩ अधिक उपज देने वाली किस्मों को बोये

विभिन्न फसलों की तरह ही एक ही फसल की अलग-अलग किस्मों की जल मांग भी अलग-अलग हो सकती हैं। उन्नत किस्में पानी का दक्षतापूर्व उपयोग करती है। वर्षा आधारित क्षेत्रों हेतु अल्पावधि की किस्मों का चयन करें साथ ही किस्में कीट एवं रोग से प्रतिरोधी भी होनी चाहिए।

⏩ खेत की तैयारी

खरीफ फसलों को शीघ्र खेतों से हटाकर खलियान में दाल दें तथा तुरंत आवश्यक जुताई कर शीघ्र पाटा लगा देवे। इससे नमी संरक्षित रहेगी और यदि हो सके तो बुवाई भी सांयकाल के समय करें इससे बोये गये बीज को रात्रि में अधिक नमी प्राप्त हो सकेगी और अंकुरण अच्छा होगा।

⏩ सामयिक बुवाई

जहां तक हो सकें, फसलों को उचित समय पर बोये। इससे फसल द्वारा संरक्षित नमी का उपयोग अच्छा होगा एवं उनकी वानस्पतिक वृद्धि भी अच्छी होगी। जैसे की समय पर बोई गई सरसों में मोयला का प्रकोप नहीं होता और अंकुरण भी अच्छा होता हैं।

⏩ संतुलित उर्वरक प्रयोग

संतुलित उर्वरक प्रयोग से पौधों द्वारा जल(जल प्रबन्धन) उपयोग में वृद्धि के साथ उपज में भी वृद्धि होती हैं फलस्वरूप उर्वरक जल उपयोग दक्षता बढ़ाने में सहायता करते हैं। मिट्टी परीक्षण अवश्य करवाएं और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो तो उनका भी प्रयोग अवश्य करें।

⏩ खरपतवारों को नियंत्रित रखे

खरपतवार फसलों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सबसे ज्यादा हानि पहुंचाते हैं। ये उपलब्ध जल एवं पोषक तत्वों का हास्य कर फसलों को उपलब्ध नहीं होने देते हैं। अत: समय-समय पर समुचित विधियों द्वारा इनका नियंत्रण अवश्य करें।

⏩ खरपतवारों द्वारा नमी संरक्षण (इन सिटू मल्चिंग)

यदि हो सकें तो निराई-गुड़ाई द्वारा खरपतवारों को नियंत्रित करें। सिंचाई के बाद, भूमि गुड़ाई करने से जमीन से पानी उड़ने की प्रकिया काफी कम हो जाती हैं, क्योंकि ऊपरी परत टूटने से केपलरी क्रिया भी कम हो जाती हैं। निराई-गुड़ाई द्वारा निकाले गये खरपतवारों को खेत से बाहर न फेंके। यदि उनमे फूल न बने हो तो, फसल की दो कतारों के मध्य खरपतवारों को फैला देवें जिससे यह मल्च का कार्य करेंगे और नमी संरक्षण में सहायक होंगे तथा बाद में सड़कर भूमि में जीवाश्म की मात्रा बढ़ाने में भी सहायक होंगे। अत: किसान भाई उचित जल प्रबन्धन विधियाँ को अपनाकर पानी का सदुपयोग करते हुए रबी की फसलों में सिंचाई करके उत्पादन को बढ़ा सकते